THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

भिवाड़ी की दवा फैक्ट्री में विस्फोट, 4 जिंदा जले

भिवाड़ी, 26 जून (एजेंसियां)। भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) के औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार शाम दवा और केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री में धमाका हुआ था। हादसे में एक कर्मचारी झुलसकर बेहोश हो गया था जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत गई थी। 12 अन्य कर्मचारी झुलस गए थे। दमकल की 10 गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के समय फैक्ट्री में 50 से अधिक कर्मचारी थे। तीन कर्मचारियों की कोई खबर नहीं मिल रही थी। इस पर बुधवार को फैक्ट्री की सर्चिंग की गई। इस दौरान तीनों के शव मिले। हादसा खुशखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में वर्तिका केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुआ था।

वर्ष-29 अंक : 95 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ कृ.6 2081 गुरुवार, 27 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सूरज रेवन्ना पर सहयोगी ने किया यौन उत्पीड़न का केस

इसी ने पहले जेडीएस कार्यकर्ता के सेक्शुअल हैरसमेंट मामले में सूरज का बचाव किया था

बेंगलुरु, 26 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में फंसे पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के भाई सूरज रेवन्ना के खिलाफ सेक्शुअल हैरसमेंट का एक और केस दर्ज हुआ है। कर्नाटक के हासन से एमएलसी सूरज के खिलाफ अब उसके ही सहयोगी ने हासन थाने में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है।

सूरज पर 22 जून को भी यौन उत्पीड़न का केस दर्ज हुआ था। तब जेडीएस के एक कार्यकर्ता ने सूरज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मंगलवार को सूरज पर जिस सहयोगी ने दूसरा केस दर्ज कराया है, इसी सहयोगी ने पहले सूरज का बचाव किया था।

सहयोगी ने 22 जून को जेडीएस कार्यकर्ता के खिलाफ जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। उसने कहा था कि जेडीएस कार्यकर्ता ने झूठे आरोप लगाए हैं। अब इसी सहयोगी ने सूरज के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है।

यौन उत्पीड़न के पहले केस को लेकर पुलिस ने सूरज को 23 जून को गिरफ्तार किया था। इसके बाद केस सीआईडी को सौंपा गया। सूरज रेवन्ना जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। सूरज, प्रज्वल का बड़ा भाई है। प्रज्वल पर कई महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है।

ओम बिरला दूसरी बार स्पीकर

पहले भाषण में इमरजेंसी का जिक्र किया; राहुल बोले- आशा है, विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार, 26 जून को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पीएम मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए।

इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे (सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक) चली।

पीएम ने कहा- आपका अनुभव काम आएगा

बिरला की स्पीकर बनने पर पीएम ने कहा- आपका अनुभव देश के काम आएगा। राहुल गांधी ने कहा- मुझे विश्वास है कि आप विपक्ष की आवाज दबने नहीं देंगे। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज नहीं दबाई जाएगी। न ही निष्कासन जैसी कार्रवाई की जाएगी। आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है, सत्ता पर भी रहे। आपके इशारे पर सदन चलता है, इसका उल्टा न हो।

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया। 2 मिनट का मौन रखवाया। सत्ता पक्ष ने मौन रखा, लेकिन विपक्ष ने हंगामा किया और कहा- स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। सत्र 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण तक स्थगित कर दिया गया।

राहुल गांधी ने पहली बार संवैधानिक पद संभाला

राजीव-सोनिया के बाद नेता विपक्ष बनने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद इसकी घोषणा की। इसके बाद कांग्रेस संसदीय बोर्ड की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि माहताब को इस संदर्भ में पत्र लिखा। आज स्पीकर ओम बिडला ने उन्हें इस पद के लिए मान्यता दे दी। राहुल अपने 20 साल के पॉलिटिकल करियर में पहली बार कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। वे इस पद पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य होंगे। इससे पहले उनके पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी 1989-90 और मां सोनिया 1999 से 2004 तक इस पद पर रह चुकी हैं।

10 साल से खाली था नेता प्रतिपक्ष का पद

लोकसभा में 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। 2014 और 2019 में किसी विपक्षी दल के पास इसके लिए जरूरी न्यूनतम 10% सदस्य नहीं थे। नेता प्रतिपक्ष पद के लिए दावा पेश करने के लिए किसी भी पार्टी को कुल 543 में से 55 सदस्यों का आंकड़ा पार करना होता है।

2024 के चुनाव में कांग्रेस 99 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी है। भाजपा की 240 और एनडीए की 293 सीटों के मुकाबले इंडिया गठबंधन 232 सीटें जीतने में कामयाब रही। इससे पहले 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 52 सीटें जीती थीं। 2014 के चुनाव में पार्टी सिर्फ 44 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।

राहुल को कई शक्तियां और अधिकार

नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल को कई शक्तियां और अधिकार मिल जाएंगे। वे प्रधानमंत्री के साथ चीफ इलेक्शन कमिश्नर सहित चुनाव आयोग के दो अन्य सदस्यों की नियुक्ति का चयन करने वाले प्रमुख पैनल का हिस्सा होंगे।

>14

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग

डीके शिवकुमार इस पद पर हैं; सीएम सिद्धारमैया बोले- हाईकमान का फैसला अंतिम

बेंगलुरु, 26 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, एससी/एसटी और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं। को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला उठाया। ये सभी नेता सिद्धारमैया के करीबी माने जाते हैं।

राज्य में कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि मंत्रियों का तीन नए डिप्टी सीएम की मांग करना सिद्धारमैया कैंप के प्लान का हिस्सा है, ताकि मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को काबू में रखा जा सके और सरकार और पार्टी में उनके प्रभाव को कम किया जा सके।

केजरीवाल को 3 दिन की सीबीआई रिमांड

रोजाना 30-30 मिनट पत्नी और वकील से मिल सकेंगे; दवाएं रखने और घर के खाने की इजाजत

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने तीन दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है। कोर्ट ने उन्हें इजाजत दी है कि वे रोजाना अपनी पत्नी से और तीस मिनट अपने वकील से मिल सकेंगे। इसके साथ उन्हें अपनी दवाएं रख सकेंगे और उनके लिए घर का खाना आ सकेगा। बुधवार सुबह सीबीआई ने शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश कर 5 दिन की कस्टडी मांगी। कोर्ट ने करीब 4 घंटे तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शाम 7 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। अगली सुनवाई 29 जून को होगी। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब सही है। सब फैक्ट्स पर आधारित है।

आतिशी का हाल जानने पहुंचे अखिलेश यादव

अब स्थिर है स्वास्थ्य; शुगर लेवल कम होने पर बिगड़ी थी तबीयत

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को लोक नायक अस्पताल पहुंच कर दिल्ली की जल और शिक्षा मंत्री आतिशी का हाल जाना। उन्होंने उनके स्वास्थ्य में सुधार को लेकर चिकित्सकों से जानकारी ली।

पांच दिन से अनशन पर बैठीं आतिशी की मगंलवार को तबीयत खराब हो गई थी और उन्हें एलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजधानी दिल्ली में पानी की कमी के चलते लोग परेशान हैं। हरियाणा से पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की नेता और जल मंत्री आतिशी 21 जून को धरने पर बैठ गई थीं। वहीं, पांच दिन बाद मंगलवार को उनका शुगर का स्तर नीचे गिर गया और उन्हें एलएन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। एलएन प्रशासन की मानें तो उनका स्वास्थ्य अब स्थिर है। शुगर का स्तर ठीक हो गया है। इस बीच अखिलेश यादव उनका हालचाल जानने पहुंचे। उनके साथ आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी थे। अभी संसद का मानसून सत्र चल रहा है और सभी नेता राजधानी में मौजूद हैं।

स्कूल-कॉलेज में हिजाब बैन सही: ड्रेस कोड लागू रहेगा: बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट में स्कूल और कॉलेज में बुर्का-हिजाब पहनने की इजाजत की मांग करने वाली याचिका पर हाई कोर्ट का फैसला आ गया है। हाई कोर्ट ने याचिका रद्द कर दी है। स्कूल-कॉलेज में नियमानुसार ड्रेस कोड लागू रहेगा। बॉम्बे हाई कोर्ट ने याचिका रद्द करते हुए कहा, कॉलेज में 'हिजाब बैन' सही। चेंबूर के आचार्य-मराठा कॉलेज ने ड्रेस कोड के जरिए हिजाब पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया था। हिजाब बैन को 9 छात्राओं की तरफ से दी गई चुनौती को बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया।

हाई कोर्ट ने क्या कुछ कहा?

याचिका में दावा किया गया है कि हिजाब पर प्रतिबंध धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। हालांकि, कॉलेज की ओर से हाईकोर्ट में याचिका में लगाए गए आरोपों का जोरदार खंडन किया गया। किसी भी धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं, सभी छात्रों-कॉलेज पर एक समान नियम लागू होगा।

क्या है मामला?

चेंबूर में एन.जी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि कॉलेज द्वारा लगाया गया प्रतिबंध सही था। कोर्ट ने नकाब प्रतिबंध के खिलाफ याचिका खारिज की मुंबई स्थित एक कॉलेज ने बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष दलील दी कि कॉलेज परिसर में हिजाब, नकाब और बुर्के पर प्रतिबंध केवल एक समान ड्रेस कोड के लिए लागू किया गया था। इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाना नहीं है।

ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी, चेंबूर के एनजी आचार्य और मराठा कॉलेज ने हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी और किसी भी अन्य बैज पर प्रतिबंध लगा दिया। इस फैसले को नौ छात्रों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। एनजी कॉलेज की ओर से लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ नौ छात्रों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता छात्र ने कहा कि कॉलेज द्वारा निर्धारित नियम हमारे धर्म का पालन करने के अधिकार, निजता के अधिकार और चुनने के अधिकार का उल्लंघन करता है। कॉलेज द्वारा यह नियम थोपना मनमाना है।

अयोध्या में भारी बारिश

घरों में पानी घुसा:तीन राज्यों में 10 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार-बुधवार की रात मानसून की एंट्री हो गई। अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर में रात 12 बजे से 6 बजे तक जोरदार बारिश हुई। अयोध्या में कई घरों में 2-3 फुट तक पानी भर गया। हनुमानगढ़ी चौराहे के पास रामपथ पर पानी भर गया। आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के देवरिया और लखीमपुर में बिजली गिरने से 3 बच्चों की मौत हो गई। राजस्थान में 2 और बिहार में 5 लोगों ने जान गंवाईं। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए 21 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र शामिल हैं। तमिलनाडु, गोवा, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश का अलर्ट है।

मानसून कहां-कहां पहुंचा

दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को, ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। 6 जून को मानसून ने महाराष्ट्र में एंट्री ली और 11 जून को गुजरात में दाखिल हुआ।

पहले बधाई और फिर स्पीकर ओम बिरला से किसके आंसुओं का जिक्र करने लगे उद्धव के सांसद

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। बीजेपी के सांसद ओम बिरला को बुधवार को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया गया। इसके बाद महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने बिरला को बधाई देते हुए मणिपुर हिंसा का जिक्र किया। अरविंद सावंत ने संसद में कहा, "मणिपुर का हादसा होता है और आंसू भी नहीं बहते तो बुरा लगता है। किसान आत्महत्या कर रहा है, लेकिन सदन न्याय नहीं दे पा रहा। बेरोजगार घूम रहें हैं, लेकिन कुछ नहीं कहा जाता।" वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कई अन्य नेताओं ने ओम बिरला को बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद है कि हमें बोलने का मौका दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा, ''मैं आपके दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर आपको बधाई देना चाहता हूं। मैं पूरे विपक्ष की ओर से, 'इंडिया' गठबंधन की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूं।" उन्होंने आगे कहा, ''अध्यक्ष महोदय, यह सदन भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज के संरक्षक हैं। निस्संदेह, सरकार के पास सत्ता की शक्ति है, लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। आशा है कि आप (ओम बिरला) हमें अपनी आवाज उठाने, भारत के लोगों की आवाज उठाने का मौका मिलेगा।"

अखिलेश यादव ने क्या कहा?

अखिलेश यादव ने लोकसभा में कहा कि हमें उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज को दबाया नहीं जाएगा और अब कोई निष्कासन नहीं होगा। हम आपके सभी न्यायोचित निर्णयों के साथ खड़े रहेंगे और उम्मीद करते हैं कि केवल विपक्ष को ही नियंत्रण में नहीं रखा जाएगा।

कर्नाटक के मंगलुरु में बड़ा हादसा

दीवार गिरने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मंगलुरु, 26 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलुरु जिले के कुट्टारू मदनीनगर गांव में एक बड़ा हादसा हो गया। जहां एक घर पर पड़ोस के मकान की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को मलबे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। भारी बारिश के कारण गिरी दीवार पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात हुई भारी बारिश के कारण सुबह करीब साढ़े छह बजे एक मकान की दीवार ढह गई। जिस मकान पर दीवार गिरी वह यासिर का था। स्थानीय लोगों के अनुसार, दीवार को लेकर यासिर और उसके पड़ोसी के बीच विवाद था। दीवार यासिर के घर के बेहद करीब बनी हुई थी।

बडनगर के व्यापारियों को ठगने वाले निकले गुजराती

10 ट्रक गेहूं मंगवाया; रुपये देने पर हुए थे गायब

उज्जैन, 26 जून (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के बडनगर के संजना पार्क में रहने वाले अनाज व्यापारी जितेंद्र मारु ने 22 मई 2024 को थाने में शिकायत की थी कि खुद को गुजरात की बड़ी व्यापारिक कंपनी के साथ संबंध बताने वाले जयेश सिंधी तथा विनोद हरियाणी ने उनसे फोन पर संपर्क किया और बड़े स्तर पर गेहूं खरीदी की बात की। उन्होंने गेहूं की आवश्यकता बताते हुए अलग-अलग फर्म के नाम पर 5 अप्रैल से लेकर 26 अप्रैल तक ऑर्डर देकर कुल 10 ट्रक गेहूं खरीदा। इनमें से शुरुआती 3 ट्रकों का एक के बाद एक उन्होंने भुगतान भी किया। जिससे उन्हें इन व्यापारियों पर भरोसा बन गया। लेकिन 10 में से बाद के 7 ट्रक गेहूं के रुपए देने में गुजरात के व्यापारी बहानेबाजी करने लगे। कुछ दिनों उन्होंने फोन भी बंद कर लिया। बडनगर के व्यापारी जितेंद्र अपने बकाया करीब 40 लाख रुपए लेने के लिए आरोपियों के बताये पते देहगांव, जिला गांधीनगर, गुजरात स्थित ऑफिस व गोदाम भी गये, लेकिन वहां पर ऑफिस बंद पाए गए और गोदाम खाली। जितेंद्र ने धोखाधड़ी को लेकर आरोपियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चूंकि ठगी का मामला गंभीर था। इसलिए आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम बनाई। मोबाइल से लोकेशन ट्रेस की गई और मुखबीर लगाये गये। जिसके आधार पर 31 मई को पुलिस ने आरोपी विनोद हरियाणी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी विनोद ने पूछताछ में आरोपी जयेश पिता ताराचंद, भावेश पिता प्रकाश सिंधी, पंकज पिता तोलाराम जैन और धीरू पिता दाया भाई भी को शामिल बताया। विनोद की निशानदेही से आरोपी जयेश को हिम्मतनगर, जिला साबरकाठा से, आरोपी भावेश को नाना चिरोडा जिला अहमदाबाद से, पंकज तथा आरोपी धीरू को कठवाडा नारोडा, जिला अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया। सभी 5 गिरफ्तार आरोपियों से कुल 39 लाख 50 हजार रुपए भी जब्त किए गए।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस ने गुजरात के अलग अलग शहरों से जयेश पिता ताराचंद्र सिंधी उम्र 62 साल नि। हिम्मत नगर जिला साबरकाठा गुजरात, (2) विनोद पिता जगदीश हरियाणी उम्र 39 साल नि। देहगाँव जिला गांधीनगर गुजरात, (3) भावेश पिता प्रकाश सिंधी, उम्र 30 साल नि। नाना चिरौड़ा जिला अहमदाबाद गुजरात, (4) पंकज पिता तोलाराम जैन उम्र 48 साल नि। कठवाडा नारोडा जिला अहमदाबाद और (5) धीरू भाई पिता दाया भाई उम्र 60 साल निवासी बापा नगर अहमदाबाद, गुजरात को गिरफ्तार किया है।

'बर्गर किंग' गोलीबारी: सीसीटीवी फुटेज 'साझा' करने के आरोप में दिल्ली पुलिस के 2 कर्मी निलंबित

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह एक रेस्तरां के अंदर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने का सीसीटीवी फुटेज लीक होने के सिलसिले में एक उप निरीक्षक और एक हेड कॉन्स्टेबल को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों अधिकारी सुभाष नगर पुलिस चौकी में तैनात थे, जिसके अधिकार क्षेत्र में यह रेस्तरां स्थित है। पश्चिमी दिल्ली में पिछले सप्ताह अमन जून (26) की दो बदमाशों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी जब वह एक महिला के साथ 'बर्गर किंग' रेस्तरां में बैठा हुआ था। पुलिस ने बताया कि अमन के शरीर पर गोली लगने के 38 निशान थे। सोशल मीडिया पर गोलीबारी का 14 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज 20 जून को सामने आया, जिसमें हमलावर दिनदहाड़े अमन जून पर हमला करते हुए दिखे।

ओवैसी की जुबान काटने वाले को इनाम दूंगा

बीजेपी विधायक नितेश राणे का विवादित बयान

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्होंने फिलिस्तीन के पक्ष में नारे लगाए, जिसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया और सभापति ने इसे रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। ओवैसी द्वारा लगाए नारे के बाद बीजेपी के विधायक नितेश राणे ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने जो ओवैसी की जुबान काटकर लाएगा मैं उसे इनाम दूंगा। नितेश राणे ने कहा, अगर कोई ओवैसी की जुबान काटकर लाएगा तो मैं उसे इनाम दूंगा। नितेश राणे बीजेपी विधायक हैं। उन्होंने बुधवार को महाराष्ट्र के कणकवली में ये बयान दिया।

क्या है पूरा मामला?

हैदराबाद से पांचवीं बार सदस्य निर्वाचित हुए ओवैसी ने लोकसभा में उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने से पहले उन्होंने दुआ पढ़ी। अपनी शपथ के बाद उन्होंने मुस्लिमों के लिए एआईएमआईएम का नारा बुलंद करने के अलावा अपने राज्य तेलंगाना, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पक्ष में नारा लगाया। ओवैसी ने फिलिस्तीन के पक्ष में नारा भी लगाया। उनकी शपथ के बाद सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा शुरू हो गया। पीठ पर आसीन राधामोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि शपथ के अलावा कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।कुछ मिनट तक हंगामा जारी रहा, जिसके बाद शपथ ग्रहण दोबारा शुरू हुआ। इसके बाद आसन पर लौटे प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने कहा कि केवल शपथ का मूल पाठ ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा है।

महताब ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि कृपया शपथ के मूलपाठ के अलावा किसी और चीज का जिक्र करने से बचें। इसका पालन किया जाना चाहिए। संसद से बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उन्होंने सदन के भीतर जय फिलिस्तीन कहा है।उनका कहना था, अन्य सदस्य भी अलग-अलग बातें कह रहे हैं... मैंने कहा जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। यह कैसे गलत है? मुझे संविधान के प्रावधान बताएं? आपको दूसरों की बात भी सुननी चाहिए...पढ़िए कि महात्मा गांधी ने फिलिस्तीन के बारे में क्या कहा था।।

छतरपुर में युवक को निर्वस्त्र कर पीटा

कपड़े फाड़े, शरीर को सिगरेट से दागा, बेल्ट मारे; वीडियो बनाकर वायरल भी किया

भोपाल, 26 जून (एजेंसियां)। छतरपुर में नशे में धुत चार युवकों ने एक युवक को निर्वस्त्र कर बेल्ट से पीटा। लात-घूंसे मारे। कट्टा अड़ाया और कपड़े फाड़ दिए। फिर शरीर को सिगरेट से कई जगह दागा। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। 8 बजे सरानी दरवाजा के पास, फूला देवी मार्ग पर पुलिया के नजदीक युवक से मारपीट की गई। इसका वीडियो बुधवार को सामने आया। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि चार युवक एक युवक को पकड़कर पीट रहे हैं। फिर कट्टा दिखाकर उसके कपड़े उतारते हैं। आरोपी उसे सिगरेट से जलाते हुए भी नजर आ रहे हैं। सभी युवक उसे जमकर लात-घूंसे मारते हैं और बेल्ट से पीटते हैं। एक युवक इस पूरी घटना का वीडियो बनाता है। सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि इस मामले की शिकायत किसी ने थाने में दर्ज नहीं कराई है।

महाराष्ट्र सदन में 'सीएम सुइट' में रुकना चाहती हैं कंगना, संजय राउत बोले- 'राष्ट्रपति भवन में क्यों नहीं'

शिमला, 26 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत की नई दिल्ली में महाराष्ट्र सदन में मुख्यमंत्री के आलीशान सुइट में रुकने की इच्चा जताई है। इसके बाद कंगना की इस बात से सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। संसद के नए सत्र की शुरुआत पर सोमवार को कंगना रनौत ने महाराष्ट्र सदन का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने लगभग सभी कमरों को देखा, उन्हें सीएम का बड़ा सा सुंदर सुइट पसंद आया। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने सीएम के सुइट की मांग करने के लिए कंगना की आलोचना करते हुए इसे बेतुका बताया। साथ ही कहा कि वह महाराष्ट्र भवन पर नजर रखने के बजाय राष्ट्रपति भवन में क्यों नहीं रह सकतीं। कांग्रेस की पूर्व मंत्री यशोमति ठाकुर ने थोड़ी नरमी दिखाते हुए कहा कि अभिनेत्री कंगना रनौत एक नव-निर्वाचित सांसद हैं, उन्हें ऐसे मामलों में प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी नहीं हो सकती है, इसलिए उन्होंने यह मांग की होगी। एनसीपी (एसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि लगभग तीन साल पहले तत्कालीन एमवीए के सीएम उद्धव ठाकरे के साथ हुए टकराव पर कंगना रनौत ने मुंबई और महाराष्ट्र की तुलना पाकिस्तान से की थी। अब वह अचानक दावा करती हैं कि महाराष्ट्र उनके दूसरे घर जैसा है, तो उन्होंने अपनी जन्मभूमि के बजाय अपनी कर्मभूमि से लोकसभा चुनाव क्यों नहीं लड़ा?

बीजेपी विधायक ने किया पलटवार

वहीं बीजेपी विधायक नितेश एन राणे ने एमवीए नेताओं पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि बदनाम पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाजे कितने दिनों तक उद्धव ठाकरे के आवास पर थे। राणे ने एसएस (यूबीटी) नेता राउत पर उनकी टिप्पणियों के लिए भी हमला किया और कहा कि कंगना रनौत एक निर्वाचित सांसद हैं, जबकि संजय राउत राज्यसभा के माध्यम से पिछले दरवाजे से संसद में प्रवेश किए हैं। इस बीच अधिकारियों ने कहा कि चूंकि कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश से निर्वाचित सांसद हैं, इसलिए उन्हें महाराष्ट्र सदन के बजाय हिमाचल भवन के अधिकारियों के सामने ऐसे मुद्दे उठाने चाहिए थे। उन्होंने उनकी मांग को खारिज कर दिया है।

डोडा में चल रही सुरक्षा बलों और आतंकवादियों की बीच मुठभेड़, मारे गए 2 आतंकी

डोडा, 26 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के एक वन क्षेत्र में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। ये मुठभेड़ डोडा जिले के गंडोह के सिनू इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, 3 से 4 आतंकवादियों के फंसे होने की खबर हैं। जानकारी के मुताबिक, डीआईजी डीकेआर के खुफिया आधार पर सफलता मिली है। वहीं, सूत्रों के मुताबिक, इस मुठभेड़ में 2 आतंकियों को ढेर कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को पहाड़ी जिले में हुए दो आतंकवादी हमलों के बाद पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान के बीच सुबह करीब 9.50 बजे गंडोह क्षेत्र के बजाद गांव में गोलीबारी शुरू हुई है। जानकारी के मुताबिक, इलाके में 3-4 आतंकवादी फंसे हुए हैं। सुरक्षा बलों ने उन्हें घेर लिया है।

डीआईजी डीकेआर के खुफिया आधारित अभियान के कारण ही पाकिस्तानी आतंकवादियों का समूह गंडोह, डोडा जिले में फंस गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 2 आतंकियों को ढेर कर दिया है।

नीट की मेरिट सूची में जगह दिलाने का झांसा देकर छात्र के परिजन से ऐंठे पैसे; अब पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता, 26 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के एक शैक्षिक संस्थान से जुड़े एक व्यक्ति को नीट मामले में गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, व्यक्ति पर नीट मेरिट लिस्ट में जगह दिलाने का वादा कर छात्र के माता-पिता से पैसे लेने का आरोप लगाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने छात्र को कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में एक सीट दिलाने का भी वादा किया था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, शेक्सपीयर सारणी पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर हमने मंगलवार की रात को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हम उससे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि कहीं वह किसी गिरोह के साथ शामिल तो नहीं है। बता दें कि मई में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा, राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा

(स्नातक) या एनईईटी में अनियमितताओं के कई आरोप लगाए गए थे। अपनी शिकायत में छात्र के पिता ने बताया कि आरोपी ने उनसे 12 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें उन्होंने पांच लाख रुपये का भुगतान कर चुके हैं। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। नीट की परीक्षा में लगातार फर्जीवाड़े सामने आ रहे हैं। परीक्षा के पेपर लीक होने से लेकर अब तक कई बड़े खुलासे हो चुके हैं। नीट यूजी विवाद राजनीतिक मोड ले चुका है। जगह-जगह प्रदर्शन किए जा रहे हैं और सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं।

कैसे आया नीट पेपर लीक मामला

नीट पेपर लीक मामले में बिहार झारखंड में बिहार की आर्थिक अपराध शाखा (ईओयू) और राज्य पुलिस की अलग-अलग टीमें छापेमारी की। अभी तक अलग-अलग जगहों से करीब 30 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। परीक्षा 5 मई को आयोजित हुई थी।

नीट पेपर में धांधली की जांच के दौरान बिहार पुलिस ने जांच की तो सॉल्वर गैंग के पास 13 परीक्षार्थियों के रोल कोड मिले थे और पहली बार पता चला कि बिहार में पेपर लीक हुआ था। केंद्रीय एजेंसियों की सूचना पर पटना पुलिस ने शास्त्री नगर थाने में छह मई को पेपर लीक को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की। पेपर लीक की जांच का मामला 10 मई शुक्रवार को बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को सौंप दिया गया।

अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने किया गिरफ्तार तो राघव चड्ढा बोले, 'मकसद साफ

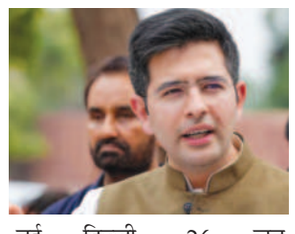

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। इसपर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब ईडी के मुकदमे में बेल मिली तो अब अरविंद केजरीवाल जी को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। इसका मकसद साफ है। बस, किसी भी तरह से अरविंद केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे रखना है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने अपने एक्स पोस्ट में आगे लिखा है, यह एक बड़ा षड्यंत्र है। यह सरासर अन्याय है। यह राजनैतिक बदलाखोरी की पराकाष्ठा है। जब ईडी के मुक़दमे में बेल मिली तो अब अरविंद केजरीवाल जी को सीबीआई ने गिरफ़्तार कर लिया है। मक़सद साफ़ है - बस किसी भी तरह से अरविंद केजरीवाल जी को जेल की सलाख़ों के पीछे रखना है।

पिता की लाइसेंसी पिस्टल से नाबालिग ने खुद को मारी गोली, इकलौते बेटे की मौत से मची चीख पुकार

ग्वालियर, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक नाबालिग छात्र ने अपने पिता के लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय छात्र घर पर अकेला था उसके माता-पिता बाजार गए थे। बाजार से लौटे तो इकलौते बेटे का खून से लथपथ शव देख उनके होश उड़ गए। बेटे की मौत के बाद से माता-पिता का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित गुरुकृपा नगर के निवासी मुकेश सिंह लोधी सेना से रिटायर्ड फौजी हैं। वे अपनी पत्नी और 17 वर्षीय इकलौते बेटे मोहित लोधी के साथ रहते हैं। मंगलवार को मुकेश अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बाजार गए थे। मोहित घर पर अकेला था। उनके जाने के बाद मोहित ने अलमारी में रखी पिता की 32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल से आत्महत्या कर ली। मोहित ने कनपटी पर पिस्टल की नाल अड़ाकर ट्रिगर दबाकर आत्महत्या की,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 27 जून, 2024 3

युविचार

शांति आपको अपने अंदर से ही मिलती है, बाहरी वातावरण से नहीं...

मुख्यमंत्री ने केंद्र से आरआरआर के दक्षिणी हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने तथा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को छह लेन तक विस्तारित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण, नए राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा, पहले से राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित सड़कों पर काम शुरू करने आदि की जानकारी दी।संगारेड्डी से नरसापुर-थूप्रान-गजवेल-जगदेवपुर-भुवनगिरी-चौतुप्पल सड़क (158.645 किमी) को राष्ट्रीय सड़क घोषित किया गया है और इसकी भूमि अधिग्रहण लागत का आधा हिस्सा सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया। रेवंत रेड्डी ने गडकरी से चौतुप्पल से अमंगल-शादनगर-संगारेड्डी (181.8% किमी) सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का अनुरोध किया और उनसे आरआरआर के दक्षिणी भाग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इस वर्ष एनएचएआई की वार्षिक योजना में धनराशि देने का अनुरोध किया।हैदराबाद (ओआरआर गौरेली जंक्शन) से वलिगोंडा-थोरुर-नेल्लीकुदुरु-महबूबाबाद-कोट्टागुडेम तक की सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है, जिसमें केवल एक पैकेज के तहत 69 किमी के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने भी इस मामले को उनके संज्ञान में लाया और अन्य कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित करने का अनुरोध किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आरएंडबी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू, पेड्डापल्ली के सांसद वामसी और चेन्नूर के विधायक विवेक भी मुख्यमंत्री के साथ थे।

बोनालू उत्सव मेले से तेलंगाना की प्रसिद्धि विश्वव्यापी हो : कोंडा सुरेखा

समय पर काम पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

मंत्री सुरेखा ने आषाढ़ बोनाला यात्रा व्यवस्थाओं पर अधिकारियों के साथ समीक्षा की

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देवदाय धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और उपाय करने का निर्देश दिया ताकि बोनालू उत्सव के दौरान अम्मावरला के दर्शन करने आने वाले भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। सभी विभागों के अधिकारियों को सरकार के निर्देशों का पालन करने और आषाढ़ मास बोनस को सफलतापूर्वक आयोजित करने की सलाह दी है। आषाढ़ बोनाला मेले के आयोजन की व्यवस्था पर मंत्री कोंडा सुरेखा के तत्वावधान में बेगमपेट के हरिता प्लाजा में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, एमएलसी एमएस प्रभाकर राव, जीएचएमसी मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोते शोभन रेड्डी, डीजीपी रवि गुप्ता, राजस्व विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा राम अय्यर, पर्यटन विभाग की प्रमुख सचिव वाणी प्रसाद, आयुक्त राजस्व विभाग हनमंत राव, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा, हैदराबाद पुलिस आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी, देवदया विभाग के उपायुक्त रामकृष्ण राव, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, मंदिर समिति के सदस्य और अन्य उपस्थित थे। मंत्री सुरेखा ने कहा कि जीएचएमसी बोनाला उत्सव के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता, फॉगिंग, पार्किंग स्थल, सड़कों का रखरखाव, महिलाओं के लिए विशेष शौचालयों का प्रावधान आदि जैसे कई कार्यक्रमों को जीएचएमसी द्वारा समन्वित और योजनाबद्ध तरीके से चलाया जाना चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया कि एचएमडब्ल्यूएसएसबी मंदिरों में आने वाले भक्तों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के अलावा सीवेज प्रबंधन पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। भक्तों को पंक्तियों को पार न करने के लिए उचित ऊंचाई पर बैरिकेड्स लगाने का निर्देश दिया गया है ताकि भक्त दिव्य दर्शन कर सकें। आपातकालीन द्वारों पर स्वयंसेवकों को रखने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने पुलिस विभाग के बम निरोधक दस्तों के साथ लगातार जांच कर, मुफ्ती पुलिस के साथ लगातार निगरानी कर कानून व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया. बिजली आपूर्ति में तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने की सलाह दी गयी. मंत्री ने निर्देश दिया कि अग्निशमन विभाग को अपने कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवकों का चयन करना चाहिए और उन्हें उचित प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए और मंदिरों में साप्ताहिक सेवाओं का उपयोग करना चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन स्थितियों में सीपीआर देने के लिए मंदिरों में सेवारत अन्य विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना चाहिए।

अधिकारियों को बुजुर्गों और विकलांगों को दिव्य दर्शन कराने के लिए बैटरी वाहनों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने कहा कि मंदिरों और बस स्टॉपों पर स्तनपान कक्ष स्थापित किये जाने चाहिए ताकि स्तनपान कराने वाली माताओं को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मंत्री ने सद्भावना के मद्देनजर, हैदराबाद मेट्रो को अतिरिक्त सेवाएं चलाने और रात का समय बढ़ाने की सलाह दी गई है। मंत्री ने अम्मावारी घाटम जुलूस के लिए कर्नाटक से लाई जा रही हथिनी (रूपावती) के आगमन के बारे में पूछताछ की। उन्होंने ने कहा कि बोनाला मेले को सुंदर बनाने में सांस्कृतिक विभाग की विशेष भूमिका है। मंत्री सुरेखा ने बोनाला मेले के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली, अमेरिका, कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया में तेलंगाना भवन में आयोजित होने वाले बोनाला जात्रा उत्सवों के बारे में जानकारी एकत्र की। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपने साथ इन बोनाला उत्सवों में महिला अधिकारियों के भाग लेने की संभावना पर गौर करें। इस मौके पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं के लिए लागू की गई मुफ्त बस सुविधा का जिक्र करते हुए मुस्कुराते हुए पूछा कि क्या मुफ्त बस योजना से पुरुषों को बसों में सीट नहीं मिल रही है। बैठक में उस समय हंसी-मजाक हो गया जब मंत्री ने कहा कि विश्वास के स्तर को कम करने का कोई रास्ता नहीं है। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री सुरेखा ने कहा कि महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और शक्ति दिखा रही हैं और भविष्य महिलाओं का ही है।

हत्या के मामले में 6 गिरफ्तार

12 घंटों में हत्यारे सलाखों के पिछे

बेगमपेट पुलिस की कार्रवाई

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साली के साथ दोस्त के संबंध से गुस्साए व्यक्ती ने अपने अन्य साथीयों के साथ मिलकर दोस्त की निर्मम हत्या कर दी। 25 जून को देर रात में हुई इस घटना की गुत्थी बेगमपेट पुलिस ने टास्क फोर्स के साथ मिलकर 12 घंटों से भी कम समय में सुलझाई और एक किशोर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस बारे में पुलिस ने बताया कि, आरोपी व्यक्ति मोहम्मद एजाज और शेख उस्मान (मृतक) दोनों बचपन के दोस्त हैं और एक ही इलाके में रहते हैं। दो महीने पहले, एजाज को पता चला कि उसकी साली नेहा और पीड़ित उस्मान पिछले एक साल से रिलेशनशिप में हैं। इसे अस्वीकार करते हुए, एजाज ने नेहा और उस्मान को अपने रिश्ते को खत्म करने की चेतावनी दी और उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने सहित एक-दूसरे के संपर्क नंबर ब्लॉक करने के लिए कहा।

बाद में, जब पीड़िता को पता चला कि नेहा के माता-पिता उसकी शादी के लिए रिश्ते की तलाश कर रहे हैं, तो उस्मान ने नेहा का फर्जी स्नैपचैट अकाउंट बनाया और फर्जी बातचीत शुरू कर दी, जिससे उसकी रिश्ता रद्द हो गया। मंगलवार, शाम करीब 6:00 बजे, जब एजाज बाहर था, उसकी पत्नी ने उसे यह बताने के लिए फोन किया कि उस्मान, उसके भाई हुसैन और उनकी मां ने उसके साथ झगड़ा किया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि उसका बेटा नेहा के साथ उसकी शादी नहीं करने पर खुद को फांसी लगाने की धमकी दे रहा है। इस पर आरोपी परेशान हो गया और अन्य आरोपियों के साथ पीड़िता के घर गया और हुसैन से भिड़ गया और उस्मान को जान से मारने की धमकी दी क्योंकि उसे लगा कि उसकी बहन के खिलाफ उनके आरोप समाज में उसके चरित्र को खराब कर रहे हैं। इस उद्देश्य से, ऐजाज ने अन्य आरोपियों मोहम्मद फिरोज, साहिल खान, मोहम्मद फजल, मोहम्मद रशीद के साथ उस्मान को खत्म करने की साजिश रची।

लगभग 11:40 बजे रात को, आरोपी ऐजाज और उसके साथियों ने देखा कि मृतक अपनी बहन के साथ बाइक पर पट्टीगड्डा ऑटो स्टैंड की तरफ से आ रहा था। गणेश मंडपम पहुंचने पर आरोपी ऐजाज और अन्य लोगों ने पीड़ित की बाइक रोकी और उसे जमीन पर घसीटा और अन्य लोगों के साथ मिलकर पीड़ित को नीचे गिरा दिया, ऐजाज ने चाकू से पीड़ित की गर्दन पर गंभीर चोट पहुंचाई। बाद में, पीड़ित की बहन के रोने की आवाज सुनकर आरोपी मौके से भाग गए।

आरोपि मोहम्मद एजाज, मोहम्मद फिरोज, 24 वर्ष, साहिल खान, मोहम्मद फजल, तिनों ओल्ड पटिगड्डा, बेगमपेट, हैदराबाद, मोहम्मद राशिद, 18 वर्ष, बोवेनपल्ली और एक किशोर को पुलिसने गिरफ्तार कर लिया है। सीआर नं. 441/2024 यू/एस 120(बी), 302, 147, 148, 109 आर/डब्लू 149 आईपीसी और धारा 25(1)-बी(बी) आर्म्स एक्ट के तहत बेगमपेट पीएस में मामला दर्ज किया गया है। पी. अशोक, एडिशनल डीसीपी, उत्तरी क्षेत्र, और पी. गोपाल कृष्ण, सहायक पुलिस आयुक्त, बेगमपेट डिवीजन की देखरेख में गिरफ्तारियां की गईं। ऑपरेशन सीएच के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा अंजाम दिया गया। रामैया, पुलिस निरीक्षक, पीएस बेगमपेट और उत्तरी क्षेत्र टास्क फोर्स टीम।

जीएचएमसी की नई आयुक्त आम्रपाली काटा ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 26 जून(स्वतंत्र वार्ता)। आईएएस अधिकारी आम्रपाली काटा ने बुधवार को जीएचएमसी के नए आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। राज्य में आईएएस के तबादलों के मद्देनजर जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ का तबादला कर दिया गया है और उनकी जगह आम्रपाली कैट को जीएचएमसी कमिश्नर, एफएसी नियुक्त किया गया है। उन्होंने आईएएस रोनाल्ड रोज़ से पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कमिश्नर आम्रपाली का जीएचएमसी के उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया।इस अवसर पर एलबी नगर जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, कुक्टपल्ली जोनल कमिश्नर अपूर्व चौहान, सेरिलिंगमल्ली जोनल कमिश्नर उपेन्द्र रेड्डी ने कमिश्नर को शिष्टाचार के तौर पर गुलदस्ता भेंट किया।

जीएचएमसी प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार ए.वी. को जीएचएमसी प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। रंगनाथ ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नये आयुक्त से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की एवं पुष्प भेंट कर उन्हें बधाई दी।

उज्बेकिस्तान के राजदूत सरदार रुस्तमबेव ने आज सचिवालय में सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी से मुलाकात की।

हैदराबाद दौरे पर आए 10 देशों के मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को विशेष पहचान दिलाने वाले पर्यटक, सांस्कृतिक, औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्रों का दौरा करने के लिए 21 विदेशी मीडिया प्रतिनिधि आज दोपहर हैदराबाद पहुंचे। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्य सूचना नागरिक संबंध विभाग के अधिकारियों और प्रोटोकॉल विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पूर्वी एशिया, यूरेशिया, मध्य पूर्व क्षेत्र, जॉर्जिया, आर्मेनिया, ईरान, बेलारूस, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया, कजाकिस्तान के प्रमुख मीडिया प्रतिनिधि 4 दिवसीय दौरे पर आए। दौरे के हिस्से के रूप में, मीडिया टीम गोलकुंडा किला, शिलपरम, डॉ रेड्डीज लैब्स, स्काई रूट एयरो स्पेस सेंटर, टी-हब, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और रामोजी फिल्म सिटी का दौरा करेगी। इस यात्रा में भारत के विदेश मंत्रालय के फॉरेन डिप्लोमेसी डिवीजन के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

8 लाख का गुटखा जब्त

महाराष्ट्र के एक व्यक्ति पर मामला दर्ज

जिले से गुटखा को जड़ से खत्म करना ही लक्ष्य है : एसपी

आसिफाबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के एक व्यक्ति पर मंगलवार को आसिफाबाद में प्रतिबंधित गुटखा की तस्करी के आरोप में मामला दर्ज किया गया। उसके गोदाम से गुटखा उत्पादों का बड़ा स्टॉक जब्त किया गया। जिसकी कीमत 8 लाख रुपये आंकी गई।

टास्क फोर्स इंस्पेक्टर राणा प्रताप ने बताया कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर के अमित के खिलाफ गुटखा उत्पादों की तस्करी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। टास्क फोर्स के अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर अमित के गोदाम से बड़ी मात्रा में गुटखा बरामद किया। उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 121/2024 धारा 270,273 आईपीसी, 7, 1)(20) सिगरेट और तंबाकू अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी श्रीनिवास राव ने कहा कि अगर किसी के पास प्रतिबंधित वस्तुओं को बेचने या परिवहन करने के बारे में कोई जानकारी है, तो उन्हें 100 नंबर या संबंधित एसएचओ को कॉल करना चाहिए और उन्हें सूचित करना चाहिए । गुटखा जब्त करनेवाली टीम को उन्होंने सम्मानित किया।

280 किलोग्राम गांजा जब्त, 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने मंगलवार को दो कारों में गांजा की तस्करी करने वाले 3 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 280 किलोग्राम गांजा, दो कारें और तीन मोबाइल फोन जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में सोलापुर के रहने वाले भोसले आबा मच्छिन्द्र (29), अविनाश शिवाजी राठौड़ (19) और सिद्ध रामेश्वर पुजारी (27) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों ने ओडिशा में तेजा नामक व्यक्ति से यह प्रतिबंधित सामान खरीदा था और इसे सोलापुर ले जा रहे थे, तभी उन्हें पकड़ लिया गया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने बताया कि यह गिरोह महाराष्ट्र के गांजा व्यापारी अजय राठौड़ के लिए काम करता है। उसके निर्देश पर भोसले, अविनाश और सिद्धा ओडिशा गए और तेजा से प्रतिबंधित माल खरीदा, जो गांजा की खेती और आपूर्तिकर्ता है। ओडिशा से वापस आते समय एसओटी टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

हैदराबाद में दो दिन तक बाधित रहेगी पेयजल आपूर्ति

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा पेयजल आपूर्ति योजना चरण-2 के कोंडापुर पंप हाउस में दूसरे पंप के एनआरवी वाल्व की तत्काल मरम्मत के कारण हैदराबाद शहर के कई हिस्सों में दो दिन तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से पानी का संयम से उपयोग करने का आग्रह किया है।

कृष्णा पेयजल आपूर्ति योजना चरण-2 ग्रेटर हैदराबाद शहर के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति करती है। हालांकि, कोंडापुर पंप हाउस में दूसरे पंप के एनआरवी वाल्व की अप्रत्याशित मरम्मत की गई और अधिकारियों ने युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया।

इन मरम्मत कार्यों के कारण, एचएमडब्ल्यूएसएसबी के संचालन और रखरखाव प्रभागों - 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10(ए), 10(बी), 13, 14, 16 और 20 के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई क्षेत्रों में बुधवार और गुरुवार को पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रहेगी। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कुछ क्षेत्रों में आंशिक व्यवधान हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में दबाव के साथ पानी की आपूर्ति की जाएगी। जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी उनमें एनपीए, मीर आलम, बालापुर, मैसाराम, बरकस भोजगुट्टा, अल्लाबंडा, मेकलमंडी, भोलकपुर, चिल्कलगुडा, तारनाका, लालपेट, बौद्ध नगर, मर्रेडपल्ली, कंट्रोल रूम, रेलवे, एमईएस, कैंटोनमेंट, प्रकाश नगर, पतिगड्डा, हसमथपेट, फिरोजगुडा, गौतम नगर, वैशाली नगर, बीएन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, ऑटोनगर, अलकापुरी कॉलोनी, महेंद्र हिल्स, एलुगुट्टा, रामंतपुर, उप्पल, नाचाराम, हब्सीगुडा, चिल्कानगर, बीरप्पागड्डा, बुडवेल, शास्त्रीपुरम, मीरपेट, बडनगपेट और शमशाबाद शामिल हैं।

जीआरपी सिकंदराबाद ने आज विश्व नशा विरोधी दिवस पर 1,575 किलोग्राम गांजा नष्ट किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीआरपी सिकंदराबाद जिला ने रोमो इंडस्ट्रीज, तुर्कापुर गांव, भोंनगीर में 52 मामलों में जब्त लगभग 1,575 किलोग्राम गांजा नष्ट किया, जिसकी कीमत 4 करोड़ रुपये है। महेश एम भागवत, एडीजीपी रेलवे, तेलंगाना राज्य के मार्गदर्शन में रेलवे जिला सिकंदराबाद ड्रग निपटान समिति की अध्यक्ष चंदना दीप्ति, नोडल अधिकारी और सदस्य एस.एन. जावेद, डीएसआरपी (यू) सिकंदराबाद, सदस्य टी. कृपाकर, डीएसआरपी खाजीपेट, आईएसआरपी सिकंदराबाद, काचेगुडा, हैदराबाद, काजीपेट, वारंगल, खम्मम, सिकंदराबाद लाइन, हैदराबाद लाइन और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति नष्ट करने की कार्रवाई की।

मेडचल में पत्नी से झगड़े के बाद की आत्महत्या

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल में 39 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी पत्नी, जो उससे अलग रह रही थी, उसे अपने बच्चों से मिलने नहीं देती थी। 39 वर्षीय किसान जी शिव शंकर की शादी 10 साल पहले सिंगैयापल्ली गांव की रहने वाली लता से हुई थी। हालांकि, शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे और कुछ साल पहले महिला घर छोड़कर अपने माता-पिता के घर रहने लगी थी। शंकर के रिश्तेदार कई बार लता से उसके माता-पिता के घर मिलने गए और उसे घर वापस आने के लिए कहा। लेकिन, वह नहीं मानी। मेडचल के सब इंस्पेक्टर मुरलीधर ने बताया, "मंगलवार को शंकर अपनी पत्नी से मिला और उससे कहा कि कम से कम उसे अपने बच्चों से मिलने तो दिया जाए। जब उसने ऐसा करने से मना कर दिया, तो शंकर घर लौट आया। इसके बाद उसने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।" पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE IV TH SENIOR CIVIL JUDGE COURT ,CITY CIVIL COURTS : AT HYDERABAD
O.S.NO.214 OF 2024

BETWEEN:-
1) Smt. Sharada Singh, W/o. Late. Prem Singh,
2) Sri. Prashant Singh, S/o. Late. Prem Singh,
3) Sri. Sushant Singh, S/o. Late. Prem Singh and Smt. Priyanka Singh, W/o. Thakur Virender Singh, R/o Hyderabad .....Plaintiff

AND

To
All Concerned ....Defendants

Please take notice that the above mention plaintiffs has filed to declare them as Legal heirs of Late. Prem Singh. The general public are hereby informed that if any objections in regard to the above said persons to be declared as Legal Heirs may appear on 03.07.2024 at 10:30 AM before the Hon'ble court with relevant documents or may contact the undersigned.

(By order of the hon'ble court)
Smt. T. Kanchan, Advocate
office at 8-2-149/1, New Maruti Nagar Colony, Opposite Virat Nagar Bus Stop, Karmanghat, Hyderabad-97.
Ph: 9110739022

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. 30246568, दिनांक: 21.06.2024

कार्य का नाम: पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मंडल के विशाखापट्टणम रेलवे स्टेशन में संलग्न परिशिष्ट-A के अनुसार CCTV (168 संख्यक) कैमरे की आपूर्ति, स्थापना, जांच एवं शुरू करना। मात्रा: 01 सेट। कंसाइनी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य: 30 दिनों के अंदर सामग्रियों की आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 22.07.2024 को 1500 बजे

सम्पूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/
PR-247/P/24-25 वाल्टियर

पूर्वांचल में भगवा से मोहभंग पर मंथन करेंगे भागवत

संघ प्रमुख का दो दिवसीय प्रवास, प्रांतीय पदाधिकारियों से जानेंगे काशी का मिजाज

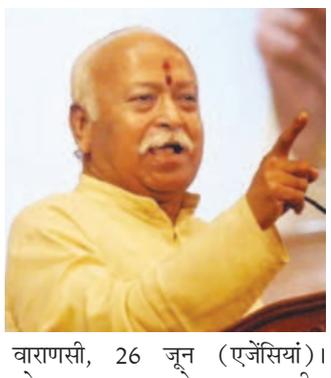

वाराणसी, 26 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत पूर्वांचल का दौरा करेंगे। पूर्वांचल के केंद्र वाराणसी से काशी क्षेत्र के जिलों का मिजाज समझेंगे। पूरब के तमाम जिलों में भगवादल से मतदाताओं के मोहभंग का कारण भी तलाशेंगे। प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ बैठक में काशी क्षेत्र में संघ की शाखाओं के विस्तार, विस्तारक, नई कार्यनीति और आगामी रणनीति तय करेंगे। दो दिनों तक अलग-अलग कई आयोजनों के जरिए संघ प्रमुख कई विषयों पर प्रबुद्धजन संग मंथन करेंगे। गोरखपुर में पांच दिवसीय प्रवास के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत अब दो दिवसीय दौरे पर 30 जून को काशी आएंगे। संघ प्रमुख पूर्वांचल के संघ पदाधिकारियों की बैठक करेंगे तो संगठन की सक्रियता और सजगता पर चर्चा करेंगे। सिगरा स्थित संघ कार्यालय में संघ पदाधिकारियों से मिलेंगे और वहीं पर रात्रि प्रवास करेंगे। संघ के पदाधिकारियों के बीच लोकसभा चुनाव के रिजल्ट पर चर्चा हो सकती है, भविष्य का रोडमैप भी बन सकता है। मोहन भागवत के गोरखपुर के बाद अब वाराणसी दौरे के कई मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं 30 जून में सीएम योगी आदित्यनाथ के भी वाराणसी आने की संभावना है। राजनीति विशेषज्ञ इसे यूपी में बड़े फेरबदल और केंद्रीय नेतृत्व में भागीदारी की संभावनाओं के साथ जोड़ रहे हैं।

शताब्दी विस्तारक के लिए चुनेंगे स्वयंसेवक

वाराणसी प्रवास के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन के शताब्दी वर्ष के उद्देश्यों को पूरा करने पर मंथन करेंगे। काशी क्षेत्र के स्वयंसेवकों में से कुछ कार्यकर्ताओं को शताब्दी विस्तारक के लिए भी चुनेंगे। इन सभी को अगले वर्ग के बाद विस्तारण और संगठन में लाया जाएगा। संघ पदाधिकारी की माने तो शताब्दी वर्ष तक संघ के व्यापक विस्तार के लक्ष्य के साथ स्वयंसेवक एक वर्ष के लिए शताब्दी विस्तारक बनाकर 80 जिलों के क्षेत्र में भेजना चाहता है और गांव-गांव में संघ की उपस्थिति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है।

शताब्दी वर्ष 2025 तक संघ का करेंगे व्यापक विस्तार

वाराणसी में संघ प्रमुख कई प्रमुख विषयों के लक्ष्य लेकर आ रहे हैं। काशी और आसपास के प्रमुख धार्मिक स्थलों की संघ में भागीदारी की संभावनाएं तलाशेंगे। शताब्दी वर्ष 2025 के लिए हर प्रांत से नए शताब्दी विस्तारक और प्रचारक निकाले जाएंगे। इन शताब्दी विस्तारकों को वर्ष भर का लक्ष्य तय करेंगे और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य का अवसर देंगे। शताब्दी वर्ष 2025 तक संघ देश में अपना विस्तार करना चाहता है, जिससे कोई जिला, कस्बा या पंचायत शेष न रह जाए।

सामान्य नहीं मोहन भागवत का फिर पूर्वांचल दौरा

सरसंघचालक मोहन भागवत का पूर्वांचल दौरा यू सामान्य गतिविधि नहीं है बल्कि माना जा रहा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दृष्टिकोण से किसी बड़ी रणनीति का अंग है। कयास लगाए जा रहे हैं कि संघ पूर्वांचल से बड़े चेहरे को बड़ी भूमिका में लाने की कवायद में जुटा है, जिसे संगठन या सरकार में बड़ा ओहदा दिया जाए। यह चेहरा प्रदेश संगठन मंत्री या राष्ट्रीय संगठन मंत्री स्तर तक हो सकता है। बता दें कि इससे पहले संघ प्रमुख के प्रवास के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में 26 घंटे तक महज 12 किलोमीटर की दूरी पर रहे। मगर, दोनों की मुलाकात नहीं हुई। माना जा रहा था कि गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी, आरएसएस चीफ से मुलाकात करेंगे लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ अब बनारस में इस संवाद की संभावनाएं नजर आ रही हैं।

पूरी तरह बदलने जा रहा बिहार, अधिकारियों के लिए सेट हुआ टारगेट; एक्शन में मंत्री नितिन नवीन

पटना। बिहार में बदलाव के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन पूरी तरह से एक्शन मोड में दिख रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों के लिए टारगेट सेट कर दिया है। मंत्री नितिन नवीन ने शहरी निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को कम से कम दो घंटे फील्ड निरीक्षण करने का टास्क दिया है। नितिन नवीन ने बीपीएससी के जरिए नवनियुक्त कार्यपालक पदाधिकारियों से कहा कि फील्ड में जाएंगे तो लोगों की समस्याएं समझ आएंगी, उसका निदान भी समझ में आएगा। इससे लोगों की परेशानी कम करने में मदद मिलेगी। हमें जनता की समस्या का समाधान कर बिहार में बदलाव लाना होगा।

बदलाव लाने के लिए काम कीजिएः नितिन नवीन

मंगलवार को अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री नितिन नवीन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बिहार में बदलाव लाने के लिए काम कीजिए। सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को विभागीय कार्यों की जानकारी भी दी गई। विभाग के वरीय पदाधिकारियों ने उनको विभाग के स्वरूप, विभाग द्वारा संचालित राज्य व केंद्रीय योजना, निविदा, होल्डिंग टैक्स व अन्य कर, एसी-डीसी बिल, आडिट, विज्ञापन नीति, वित्त आयोग सहित विभाग के विभिन्न कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं दायित्वों के संबंध में अवगत कराया। भारतीय हाकी खिलाड़ी एवं कोच मीर रंजन नेगी के द्वारा भी कार्यपालक पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

2 जुलाई को पेश हों राहुल गांधी

मानहानि मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट का निर्देश

सुल्तानपुर, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने मानहानि के एक मामले में कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी 2 जुलाई को तलब किया है. गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल पर केस चल रहा है. करीब 5 साल पहले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल ने अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. इस मामले में 20 फरवरी से कांग्रेस नेता जमानत पर चल रहे हैं. एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले 18 जून को मानहानि मामले पर सुनवाई होने वाली थी. हालांकि, जिस जज को इस केस पर सुनवाई करनी थी, वो उस दिन छुट्टी पर थे, जिस वजह से मामले को 26 जून को सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया गया था. आज यानी बुधवार को मानहानि मामले पर कोर्ट ने सुनवाई की और राहुल गांधी को 2 जुलाई को अदालत में पेश होने का आदेश दिया. ऐसे में उम्मीद है कि राहुल गांधी अदालत में पेश हो सकते हैं।

सरकारी स्कूल में गैरहाजिर रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई कई अनुदेशकों को भी नोटिस

सीतापुर, 26 जून (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में काफी लम्बे समय से अनुपस्थित चल रहे पांच अध्यापकों सहित 11 अनुदेशकों पर बीएसए ने कार्रवाई की। जिसमे बीएसए ने पांचों अध्यापकों को बर्खास्त करने की कार्रवाई को लेकर नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार बीएसए ने 11 अनुदेशकों को भी नोटिस जारी किया है। ये सभी लोग अपना शिक्षण कार्य छोड़कर विद्यालय से लगातार अनुपस्थित चल रहे है। विद्यालय से अनुपस्थित चल रहे पांच अध्यापकों में से तीन के खिलाफ बीएसए द्वारा निलंबन की कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार, बीएसए कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक एलिया के प्राथमिक विद्यालय शेखपुरा की सहायक अध्यापिका निधि तिवारी, बिसवां के प्राथमिक विद्यालय बेरिहा की प्रधान अध्यापिका मधु वर्मा, महोली के कंपोजिट विद्यालय पैलाकीसा की सहायक अध्यापिका प्रीत कौर,

ईडी ने हेलो राइड संचालकों की 5.35 करोड़ की और संपत्तियां की जब्त

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निवेशकों से ठगी के मामले में हेलो राइड कंपनी के निवेशकों की 5.3 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की हैं। ईडी के अनुसार, इनमें प्रयागराज, कानपुर व लखनऊ में स्थित 20 अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने इससे पूर्व दिसंबर 2023 में हेला राइड के संचालकों की लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र स्थित 20 कृषि भूमि जब्त की थीं, जिनकी कुल कीमत 2.28 करोड़ रुपये थी। ईडी ने हेला राइड कंपनी के संचालक अभय कुमार कुशवाहा, नीलम वर्मा, निखिल कुशवाहा, राजेश पांडेय, शकील अहमद, रागिनी गुप्ता व अन्य के विरुद्ध मनी लांड्रिंग के तहत केस दर्ज किया था। हेला रोड संचालकों ने बाइक टैक्सी स्कीम चलाकर निवेशकों को आकर्षक योजनाओं का झांसा देकर 72 करोड़ रुपये से अधिक रकम ठगी थी। निवेशकों ने वर्ष 2019 में लखनऊ व अन्य जिलों में हेलो राइड संचालकों के विरुद्ध धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज कराए थे। ईडी ने उन मुकदमों को आधार बनाकर अपनी जांच शुरू की थी। सामने आया था कि कंपनी संचालकों ने एक बाइक में 61 हजार रुपये का निवेश करने पर एक वर्ष तक प्रतिमाह 9,585 रुपये का भुगतान किए जाने की आकर्षक योजना शुरू की थी। झांसे में आकर बड़ी संख्या में लोगों निवेश किया था और बाद में कंपनी संचालक भाग निकले थे। ईडी ने मामले में अब तक कुल 7.73 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं।

महज एक क्लिक में डॉक्टर देखेंगे आपका स्वास्थ्य कुंडली, इस योजना पर खर्च होंगे 300 करोड़

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के आम लोगों को स्वास्थ्य सुविधा आसानी और सहज तरीके से मुहैया किया जा सके इसके लिए सरकार की ओर से मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना प्रदेश में प्रभावी है। इस योजना के तहत बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा और जांच वगैरह को डिजिटल मोड पर ले जाना है। सरकार का मानना है कि इस योजना के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवस्था और आमजनों का हेल्थ रिकार्ड डिजिटल माध्यम में उपलब्ध हो जाएगा तो भविष्य में स्वास्थ्य नीति के निर्माण में काफी सहूलियत मिलेगी। पांच वर्षों के लिए लागू की गई इस योजना के वित्तीय वर्ष 2024-25 में सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2022-23 से राज्य में मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना लागू किया गया है। बता दें कि इस योजना का कार्यकाल 2026-27 तक है। पूरी योजना पर करीब तीन सौ करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रावधान है।

अभी तक 100 करोड़ हो चुके हैं खर्च

राज्य सरकार के अनुसार इस वर्ष योजना के रखरखाव और परिचालन के लिए 17.55 करोड़ रुपये खर्च हो सकती है जिसको देखते हुए राशि स्वीकृत कर दी गई है। योजना के शुरुआती काल से अब तक इस पर सौ करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। प्रत्येक जिले में योजना पूरी तरह से प्रभावी हो जाने के बाद सभी अस्पतालों में सातों दिन 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ डाक्टरों का परामर्श मिलने लगेगा। प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की मॉनीटरिंग आसानी से हो सकेगी। अगर पूरी तरह से यह डिजिटल योजना राज्य में प्रभावी हो जाएगा उसके बाद रोगियों को इलाज के लिए अपने साथ इलाज के दस्तावेज लेकर नहीं आने होंगे। महज एक क्लिक पर डाक्टर उनकी पूरी स्वास्थ्य कुंडली देख सकेंगे।

शादी के 8 महीने बाद ही विवाहिता की मौत, कमरे में लटकती मिली लाश

वाराणसी, 26 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के बड़ागांव थाना क्षेत्र के बीरापट्टी गांव में बीती देर रात एक विवाहिता की लाश उसके कमरे में फंदे से लटकती हुई पाई गई। घटना के दौरान उसका पति और परिवार के लोग छत पर सो रहे थे। बरसात होने पर लोग नीचे उतरे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। उसके बाद लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दिया गया। घटनास्थल पर पहुंचे विवाहिता के मायके वालों द्वारा ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। मृतका की लाश कब्जे में लेकर बड़ागांव पुलिस कार्रवाई में जुटी है। चोलापुर थाना क्षेत्र के उदयपुर निदोरा की रहने वाली सोनी गोड़ (21) की शादी नवंबर 2023 में बड़ागांव थाना क्षेत्र के बीरापट्टी के रहने वाले सूरज पुत्र राजू के साथ हुई थी। बताया जा रहा है की शादी के बाद विदा होकर सोनी अपने ससुराल आई थी, उसके बाद फिर मायके चली गई थी।

देहरादून से वाराणसी जा रहे 18 यात्रियों को लखनऊ में छोड़कर उड़ी इंडिगो फ्लाइट, हंगामे के बाद ऐसे बनी बात

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट पर देहरादून से वाराणसी जाने वाले 18 यात्री उस समय हैरान रह गए जब उन्हें पता चला कि उनकी फ्लाइट उनके बिना रवाना हो गई। इन यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। ये सभी यात्री रिफंड की मांग कर रहे थे। जब इसका वीडियो वायरल हुआ तो इसकी चर्चा हुई। यह घटना मंगलवार की बताई जा रही है। देहरादून के इन यात्रियों को वाराणसी जाना था। इसके लिए ये 18 लोग इंडिगो की फ्लाइट से लखनऊ आए थे। यहां से वाराणसी के लिए इनकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी। लेकिन यह फ्लाइट लखनऊ लगभग डेढ़ घंटे देरी से पहुंची। जब यात्री वाराणसी की अगली फ्लाइट की जानकारी लेने लगे तो उन्हें पता चला कि उसने अपने तय समय पर उड़ान भर ली। इस पर यात्री भड़क गए। इंडिगो स्टाफ से उनकी बहस के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इसमें वे यह कहते हुए देखे जा सकते हैं कि इसमें उनकी क्या गलती है। यात्री अपना रिफंड भी मांग रहे हैं लेकिन इंडिगो का स्टाफ इस पर स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह रहे हैं। एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया, यह घटना मंगलवार शाम की है। दो फ्लाइट थीं।

एक देहरादून से लखनऊ और दूसरी दिल्ली से लखनऊ होते हुए वाराणसी जा रही थी। 18 पैसेंजर देहरादून वाली फ्लाइट से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे थे। उन पैसेंजर को दिल्ली से लखनऊ होते हुए वाराणसी जा रही फ़्लाइट से वाराणसी जाना था।

लेकिन देहरादून वाली फ्लाइट एक घंटा के करीब लेट हो गई थी। वहीं, दिल्ली से लखनऊ होते हुए वाराणसी जाने वाली फ्लाइट अपने निर्धारित समय से निकल गई थी। जिसके कारण पैसेंजर की फ्लाइट छूट गई थी। हालांकि बाद में इंडिगो ने उन यात्रियों में से कुछ को दूसरी फ्लाइट से और जिन्हें जल्दी थी उन्हें सड़क मार्ग से अपने खर्चे पर भिजवा दिया है।

छठी फेल ने हवाला से पाक भेजे 5 करोड़

मुल्तान से वीडियो-ऑडियो कॉल कर करते थे ठगी, भारत में खुलवाते फर्जी अकाउंट, 10% कमीशन मिलता

कटिहार, 26 जून (एजेंसियां)। कटिहार के साइबर थाने में दर्ज ठगी के एक मामले की जांच कर रही साइबर पुलिस ने पटना के कदमकुआं से एक महिला सहित दो शातिर को गिरफ्तार किया है। छठी फेल साइबर ठग ने महिला मित्र के साथ मिलकर पांच महीने में 5 करोड़ रुपए सीडीएम (कैश डिपॉजिट मशीन) और हवाला के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे आकाओं के खाते में भेजे हैं। ठगों का अंतरराष्ट्रीय गिरोह पाकिस्तान के मुल्तान से वॉट्सऐप से वीडियो-ऑडियो कॉल और चैटिंग कर लोगों को फंसाता था और रुपए वसूलता था। ठगी के रुपए भारत में बैठे गिरोह के सदस्य के बैंक खातों में ट्रांसफर होते थे। फिर यहां बैठे गिरोह के सदस्य 10% कमीशन पर पाकिस्तान भेजते थे। कटिहार के पुलिस उपाधीक्षक सह साइबर थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने बताया कि पटना के कदमकुआं से गिरफ्तार ठगों के पास से 16 एटीएम कार्ड, 8000 नगद, 6 मोबाइल, 6 सिम, सोने की दो अंगूठी, चांदी की चेन और स्मार्ट वॉच बरामद हुई है। दोनों जामताड़ा, नवादा, भोपाल व मुंबई के शातिरों से भी जुड़े है।

दोनों शातिर 20 पाकिस्तानी ठगों के संपर्क में थे जिन्होंने इनसे 100 से अधिक बैंकों का अकाउंट डिटेल अपने वॉट्सऐप पर लिया था। स्टेट बैंक के अकाउंट पर 15 हजार और अन्य बैंकों के खातों पर 10 हजार रुपए प्रति खाता पाकिस्तान के ठगों ने इन दोनों को दिया था। पाकिस्तान में बैठे जालसाज ठगी के रुपए अलग-अलग खातों में मंगाते थे। इनके एटीएम व डिटेल्स पटना में बैठे अपराधी के पास थे। पैसा ट्रांसफर होते ही पाकिस्तानी ठग पुष्टि करते थे। पटना के अपराधी निकासी कर,10% हिस्सा रख, शेष राशि पाकिस्तान भेज देते थे। ठगों के अनुसार वॉट्सऐप से पाकिस्तानी साइबर ठग बैंक में रुपए आने की जानकारी देते थे। इसे कंफर्म करवाते थे। कितना कमीशन बना उसे बताते थे। 100 खातों का हिसाब। इनके जब्त मोबाइल से करोड़ों का ट्रांजेक्शन, पाकिस्तान भेजे गए 100 से अधिक खातों का विवरण, आधार, पैन, 100 बैंकिंग क्यूआर कोड और 20 पाकिस्तानी मोबाइल नंबर मिले हैं।

केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट शराब सेवन का निर्णायक प्रमाण नहीं

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। पटना हाइकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में यह कहा है कि केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट शराब सेवन का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता है। न्यायाधीश बिबेक चौधरी की एकलपीठ ने प्रभाकर कुमार सिंह की रीट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। हाइकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में पारित फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि रक्त और मूत्र परीक्षण किए बगैर केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट की रिपोर्ट यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि संबंधित व्यक्ति ने शराब का सेवन कर रखा है।

2018 में लगा था शराब सेवन के आरोप

सुपौल स्थित एसडीओ कार्यालय के लिपिक प्रभाकर कुमार सिंह को पांच फरवरी 2018 को शराब सेवन करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बाद में सेवा संहिता का हवाला देते हुए उसे पद से निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गयी। विभागीय कार्रवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उपरोक्त समय पर वह सर्दी और खांसी से पीड़ित था और उसने अल्कोहल युक्त कफ सिरप लिया था। और केवल संदेह के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया था।

बर्खास्तगी का आदेश निरस्त

इस मामले में प्रभाकर सिंह की गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा अधिकारी या किसी अन्य प्राधिकारी ने अल्कोहल की जांच के लिए उसके रक्त और मूत्र के नमूने नहीं लिये थे। लेकिन विभागीय कार्रवाई में उनकी कारणपृच्छा को स्वीकार योग्य नहीं मानते हुए उन्हें दोषी ठहराया कर बर्खास्त कर दिया गया। हाइकोर्ट ने याचिकाकर्ता के बर्खास्तगी आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि केवल ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट शराब सेवन का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता है।

हिंदी प्रॉब्लम-इंग्लिश प्रॉब्लम और भी कई प्रॉब्लम

अधीर रंजन को लेकर क्या-क्या बोले पप्पू यादव?

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। इंडिया गठबंधन की बैठक में ये फैसला किया गया। राहुल के नेता प्रतिपक्ष बनने के ऐलान से कांग्रेस और सहयोगी दलों के नेताओं ने खुशी जाहिर की है। वहीं कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भी उत्साह है। गठबंधन के इस फैसले के बाद राहुल अब लोकसभा में विपक्ष की आवाज बनेंगे। इस बीच बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद चुने गए सांसद पप्पू यादव का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि यह देश की आवाज थी कि राहुल गांधी संसदीय दल के नेता, विपक्ष के नेता और देश के प्रधानमंत्री बनें। पप्पू यादव ने कहा कि पिछली बार अधीर दादा (अधीर रंजन चौधरी) थे, उनको हिंदी और अंग्रेजी में परेशानी थी। लेकिन अब हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नेता हैं जिस पर देश भरोसा कर सकता है और विपक्ष, संविधान के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्य और नैतिकता भी सुरक्षित रह सकती है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि देश को एक बड़े चेहरे की जरूरत थी, एक मजबूत आवाज की जरूरत थी जो बिना किसी जाति, धर्म और मजहब के बिना किसी से द्वेष और भय के आवाज उठा सके। देश को एक चेहरा मजबूत और सशक्त विपक्ष के रूप में चाहिए था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नेता विपक्ष बनाए गए हैं इससे बड़ी खुशी की बात और क्या हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर से लेकर महाराष्ट्र तक हर जाति, धर्म, वर्ग के लोगों का अधिकार उनके विचार के साथ ही हर मां बहन की सुरक्षा और उनकी आवाज एक ही शख्स जब राहुल गांधी हैं तो उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनना ही चाहिए था। राहुल गांधी को बतौर पीएम देखने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बिहार के गठबंधन के नेताओं ने देश के साथ धोखा दिया है। इससे किसी व्यक्ति का नुकसान नहीं बल्कि देश का नुकसान हुआ है।

बुंदेलखंड के जंगल में खुले आम घूमते हैं बाघ-बाघिन और शेर, डर से ग्रामीण घरों में कैद

ललितपुर, 26 जून (एजेंसियां)। बुंदेलखंड के मड़ावरा क्षेत्र के घने जंगलों में बाघ-बाघिन के जोड़े की तस्वीरें कैद होने से हड़कंप मच गया है। वन विभाग द्वारा लगाए गए ट्रैप कैमरे में ये तस्वीरें कैद हुईं।

लखंजर के जंगल में मादा बाघ और धौरीसागर के जंगल में नर बाघ की फोटो सामने आने के बाद वन विभाग ने तत्काल प्रभाव से जंगल को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि जंगल में केवल एक बाघ है, लेकिन गहन जांच के बाद दो बाघों की तस्वीरें सामने आईं। चार किलोमीटर की दूरी पर लगे कैमरों में नर और मादा बाघ अलग-अलग नजर आए हैं। वन विभाग का मानना है कि यहां दो और बाघ हो सकते हैं।इस घटना के बाद वन विभाग ने जंगल में किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी है। वनकर्मी भी बिना अधिकारियों की अनुमति के जंगल में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। साथ ही, पन्ना और सागर के डीएफओ को पत्र लिखकर बाघों के बारे में जानकारी दी गई है।

शिवराज की राह पर शिंदे सरकार

राज्य में हो सकती है लाडली बहना जैसी योजना की शुरुआत

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव के पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए महाराष्ट्र सरकार नई योजना पर काम कर रही है। शिंदे सरकार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अपना आखिरी बजट पेश करने वाली है। इस बजट में मध्यप्रदेश की लाडली बहना जैसी योजना का ऐलान हो सकता है। इस योजना के तहत 21 से 60 वर्ष आयु की गरीब महिलाओं को प्रतिमा 1.5 हजार रुपए देने का विचार महाराष्ट्र सरकार कर रही है।

आज से शुरु हो रहा विधानसभा सत्र

गुरुवार से महाराष्ट्र का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। साथ ही 3 महीने बाद महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए इस बड़ी योजना का ऐलान सरकार कर सकती है। हाल ही में हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी को मिली ऐतिहासिक जीत के पीछे लाडली बहना योजना की बड़ा भूमिका मानी जा रही है। इसीलिए अब शिंदे सरकार को भी लग रहा है की लाडली बहना जैसी योजना महाराष्ट्र में भी शुरू की जाए ताकि महिलाओं को सशक्तिकरण कारण के प्रयास को और बल मिल सके।

इस बार महिलाओं ने भी किया मतदान

गौरतलब है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में पुरुषों के लगभग बराबरी के अनुपात में ही महिलाओं ने भी मतदान किया। राज्य के कुल पुरुष मतदाताओं का वोट प्रतिशत 65.80% था तो वहीं महिला मतदाताओं का वोट प्रतिशत 65.78% रहा। इतनी बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार बजट में उनके लिए डेढ़ हजार रुपए प्रति माह की योजना का ऐलान कर सकती है।

2023 में शुरु हुई थी लेक लाडकी योजना

साल 2023 में शिंदे सरकार ने लेक लाडकी योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का मकसद बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना है। लेक लाडकी योजना के तहत जिन लोगों के पास पीला और भगवा रंग का राशन कार्ड है, उस घर की बेटी के जन्म से 18 साल होने तक पढ़ाई के लिए कुल 98 हजार रुपए देने का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार के परिवहन विभाग की बसों में सफर करने वाली महिला यात्रियों को बस किराए में 50 प्रतिशत की छूट पहले ही दी गई है।

हार के बाद शिंदे सरकार अलर्ट

लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद शिंदे सरकार अलर्ट हो गई है। एकनाथ शिंदे को लग रहा है की आगामी विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं का साथ उन्हें मिला तो वह दोबारा सत्ता में आ सकते हैं। यही वजह है कि मध्य प्रदेश की लाडली बहना जैसी योजना की शुरुआत करने के पक्ष में महाराष्ट्र सरकार के ज्यादातर मंत्री भी हैं।

जजपा के लोकसभा प्रत्याशी के घर चोरी, 25 हजार नकदी व 15000 डॉलर सहित कीमती सामान गायब

पानीपत, 26 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं करनाल लोकसभा से प्रत्याशी रहे देवेंद्र कादियान की कोठी पर चोरी हो गई। यहां उनके कुक ने ही चोरी की है। जोकि अचानक बिना सैलरी लिए ही नौकरी छोड़ गया। चुनावों के बाद सामान चेक किया, तो चोरी होने का पता लगा। चोर कुक ने कोठी से 25 हजार कैश, 15000 डॉलर समेत कीमती एयरपोड चुरा लिए। जिसकी शिकायत कादियान के पर्सनल सेक्रेटरी ने पुलिस को दी है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है। चांदनीबाग थाना पुलिस को दी शिकायत में विक्रम सिंह ने बताया कि वह गांव सिवाह का रहने वाला है। वह सेक्टर 11 निवासी देवेंद्र कादियान के मैनेजर एवं पर्सनल सेक्रेटरी का काम करता है। उनके यहां मुकेश पुत्र जयपाल सिंह निवास सैनी मोहल्ला, खेडे के पास पूंडरी कैथल कुक का काम करता था।

पंजाब-दिल्ली में 3 से 4 दिन के अंदर मानसून देगा दस्तक

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा के कई इलाके में प्री मानसून के चलते जल्द ही लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हरियाणा में जहां 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी है वहीं पंजाब में 3 से 4 दिन के अंदर मानसून दस्तक दे देगा। दिल्ली में मॉनसून के आने की सामान्य तारीख 30 जून की है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में 30 जून के आसपास मॉनसून का आगमन हो सकता हैमौसम विभाग ने 28 व 29 जून को बारिश का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। मंगलवार को पंजाब के 13 जिलों और हरियाणा के 8 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया था। इसके अलावा, हिमाचल में बारिश और तूफान आने की संभावना है। पंजाब में मौसम विभाग ने 28 व 29 जून को बारिश के साथ बिजली की चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलने की संभावना जताई है। 30 जून और 1 जुलाई को भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश के कुछ हिस्सों में सोमवार को हुई हल्की बारिश के बाद भी अधिकतम तापमान में 0.7 डिग्री गिरावट दर्ज की गई है। हिमाचल की बात करें तो यहां प्री-मानसून शुरू हो चुका है। ऊपरी और मध्यम ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। लाहौल-स्पीति में फ्लैश फ्लड आने से उदयपुर-तांदी स्टेट हाईवे बंद हो गया। यूपी के अधिकांश जिलों में प्री-मॉनसून शुरू हो चुका है और मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी हिस्सों में लू का दौर लगभग खत्म हो चुका है। वहीं इस पूरे हफ्ते लखनऊ समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

एमपी के 49 जिलों में पहुंचा मानसून, अगले 3 दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी

भोपाल, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में आज से तीन दिन तक हवा-आंधी के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ने प्रदेश के 49 जिले कवर कर लिए हैं, जबकि आज ग्वालियर, भिंड और मुरैना में भी मानसून दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव है। इसी वजह से प्रदेश हवा आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है।

मौसम विभाग के अनुसार आगामी तीन दिन तक प्रदेश में हवा आंधी के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून अब तक 49 जिलों में एंट्री ले चुका है। इन जिलों में सिवनी, पांढुर्णा, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल शामिल है। वहीं छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सागर, दमोह, कटनी, उमरिया,
शहडोल, सीधी, सिंगरौली, झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, आगर, शाजापुर, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा ओर मऊगंज में भी मानसून पहुंच चुका है।

दिल्ली पुलिस ने बीमा एजेंट को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के गाजीपुर पुलिस ने एक ज्वेलरी शोरूम के मैनेजर को जान से मारने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बादल कुमार पाठक उर्फ छोटू के रूप में हुई है। मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले का रहने वाला आरोपी दिल्ली के कोंडली इलाके में रहता है। वह पेशे से बीमा एजेंट है। डीसीपी ईस्ट अपूर्व गुप्ता ने बताया कि गाजीपुर थाने की पुलिस को 23 जून को दी गई शिकायत में मयूर पंकज प्लाजा स्थित अलुक्का गोल्ड प्लेस के मैनेजर ने बताया कि उसे एक अंजान नंबर से कॉल कर धमकी दी गई है। कॉलर ने खुद को आपराधिक गैंग का सदस्य बताया और जान की धमकी देते हुए पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी ऑपरेशन यशवंत सिवल सहित इंस्पेक्टर अजित सिंह, एसआई विकास कुमार, नवदीप, एएसआई नीरज, सतदेव, अमरपाल, हेड कॉन्स्टेबल सनोज, शनि कुमार राठी एवं अन्य की टीम का गठन किया गया। इस टीम को आरोपी को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। दिल्ली पुलिस टीम ने जांच और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर मयूर विहार फेज 3 के स्मृति वन में ट्रैप लगा कर संदिग्ध आरोपी को दबोच लिया। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त मोबाइल सहित दो मोबाइल बरामद किया गया, जिस पर वह गूगल के माध्यम से ज्वेलरी शोरूम के नम्बरों को सर्च करता था। जिसे जब्त कर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

इस बार भी पिघल कर 10 से 12 फुट का हो चुके हैं बर्फानी बाबा, बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग बताई जा रही वजह

जम्मू, 26 जून (एजेंसियां)। कश्मीर बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग ने 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के अस्तित्व के लिए इस बार भी खतरा बढ़ा दिया है क्योंकि इससे हिमलिंग के वक्त से पहले गायब होने की आशंका है। कई सालों से ऐसा देखने को मिल चुका है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ साथ ग्लोबल वार्मिंग से हिमलिंग समय से पहले लुप्त हो गए। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के बकौल, करीब दो माह पहले हिमलिंग अपने पूरे आकार में था। यह करीब 20 से 22 फुट का था। और अब इसकी ऊंचाई 11 से 12 फुट के बीच रह गई है। उनके मुताबिक, यह अब तेजी से पिघल रहा है। दरअसल इस बार पूरी दुनिया में गर्मी ने जो कहर बरपाया अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग भी उससे अछूता नहीं रहा है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि हिमलिंग तेजी से पिघल रहा हो बल्कि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है हिमलिंग यात्रा के आरंभ होने के कुछ ही दिनों के उपरांत पूरी तरह से पिघल जाता रहा है। हालांकि तब इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग के साथ साथ उन लाखों भक्तों की सांसें भी जिम्मेदार होती थीं जो दर्शनार्थ गुफा तक पहुंचते थे। विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में अक्सर वहां ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका बनी रहती है। जिससे ग्लेशियर जल्दी पिघलते हैं। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे।

साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे। साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे।

जातीय संघर्ष और मासूम को जिंदा जलाने में उम्रकैद पाए 13 दोषियों को जमानत, 15 लोगों पर दर्ज है केस

प्रयागराज, 26 जून (एजेंसियां)। 23 साल पहले मथुरा में एक पंचायती भूखंड पर कब्जे को लेकर दलितों के घरों में आगजनी कर छह माह के मासूम को जिंदा जलाने में उम्रकैद की सजा पाए 15 सवर्णों में से 13 दोषियों की हाईकोर्ट ने जमानत मंजूर कर ली है। शेष दो की अर्जी पर जनवरी 2025 के बाद विचार होगा। यह खूनी खेल मथुरा के हाईवे (तब नरहौली) थाना क्षेत्र के दतिया गांव में 23 जनवरी 2001 की सुबह करीब 7 बजे शुरू हुआ था। तब, पंचायती भूखंड पर सवर्णों ने जबरन निर्माण शुरू किया, जिसका दलितों ने विरोध किया। फिर, जातीय संघर्ष छिड़ गया। पीड़ित होरीलाल ने एफआईआर में कहा कि सवर्णों ने मारपीट, फायरिंग और आगजनी की, जिसमें राजेंद्र सिंह की जांघ में गोली लगी। छह माह की गुड़िया भी झोपड़ी में जिंदा जल गई।

एमएलए प्रियंका मीना के देवर पर रंगदारी मांगने का आरोप, ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- माफिया राज

गुना, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना में कृषि अधिकारी अशोक उपाध्याय को बंधक बनाकर प्रताड़ित करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। कृषि अधिकारी ने चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीना के देवर अनिरुद्ध मीना पर 50 लाख रुपये की डिमांड करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का सख्त बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि गुना, शिवपुरी और अशोक नगर में माफिया राज नहीं चलेगा। भू माफिया, खाद माफिया या कोई और माफिया बख्शे नहीं जायेंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनावी वादे को याद करते हुए कहा कि खाद की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिये थे। कृषि अधिकारी अशोक उपाध्याय का आरोप है कि अनिरुद्ध मीना ने चुनाव में करोड़ों खर्च होने का हवाला देकर 50 लाख की फिरौती मांगी। 50 लाख रुपये नहीं देने पर विधानसभा में सवाल उठाने की धमकी भी दी।

कृषि अधिकारी ने महिला विधायक के देवर की लिखित शिकायत एसपी कलेक्टर से की है। उन्होंने अपहरण कर फिरौती मामले में बयान पुलिस के सामने भी दर्ज कराया है। विपक्ष ने भी विधायक के देवर की दबंगई को लपक लिया है। मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह की एंट्री हो गयी है। उन्होंने कलेक्टर को आवेदन देकर अनिरुद्ध मीना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीना के देवर अनिरुद्ध मीना ने आरोप को निराधार बताया है। उन्होंने सफाई दी कि खाद के संबंध में बुलाकर कृषि अधिकारी से बातचीत की थी।

कानून में बदलाव को रहें तैयार

समय से न्याय की जगी आस, हिट एंड रन से बचना है तो हादसे की देनी होगी सूचना

करनाल, 26 जून (एजेंसियां)। एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता-2023 को लागू होने में कुछ ही दिन शेष हैं। यह अंग्रेजों के जमाने से चल रही भारतीय दंड संहिता 1860 (आईपीसी) से काफी इतर है। भारतीय न्याय संहिता-2023 में 358 धाराएं हैं, जबकि आईपीसी में 511 धाराएं थीं। इसी तरह, सीआरपीसी की जगह लेने वाली भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में पिछली 484 की तुलना में 531 धाराएं हैं। इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 धाराएं हैं जो पहले इंडियन एविडेंस एक्ट में 166 से अधिक हैं। माना जा रहा है कि नए कानून लागू होने से तारीख पर तारीख की स्थिति में बदलाव आएगा और लोगों को समय पर न्याय मिल सकेगा। जिला न्यायवादी डॉ। पंकज सैनी ने बताया कि आईपीसी और नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023 की तुलना करें तो नए कानून में सरकार की ओर से 33 धाराओं में कारावास की सजा को बढ़ाया गया है, यानी जिन अपराधों में कारावास की सजा तीन साल थी, उसे बढ़ाकर पांच साल तक कर दिया गया है। इसी तरह 83 ऐसी धाराएं हैं जिनमें जुर्माना राशि को बढ़ाया गया है। ऐसे ही 23 धाराओं में कम से कम सजा को सुनिश्चित कर दिया गया है। नए कानून में विदेश में बैठकर किसी संगठन व व्यक्ति द्वारा भारत में अपराध कराने पर उसके खिलाफ नए कानून की धारा 48 के तहत उसी अपराध की सजा दी जाएगी, जो उसने कराया है।

अमृतपाल सिंह कनेक्शन से अकाली दल में फूट इसीलिए सुखबीर सिंह पर छाए हैं संकट के बादल

फरीदकोट, 26 जून (एजेंसियां)। कभी पंजाब की सत्ताधारी पार्टी रही अकाली दल इन दिनों संकट के दौर से गुजर रही है। 2022 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी का बुरा हाल हुआ था और दिग्गज नेता प्रकाश सिंह बादल समेत कई नामी चेहरे हार गए थे। इसके बाद लोकसभा चुनाव में भी उसे एक ही सीट मिल सकी है। इसके बाद अब बगावत के सुर हैं और 60 नेताओं ने सुखबीर बादल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन लोगों की मांग है कि सुखबीर बादल को अकाली दल का नेतृत्व छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनकी लीडरशिप में करारी हार मिली है। हालत यह है कि सुखबीर बादल के करीबी कहे जाने वाले बरजिंदर सिंह हमदर्द भी अब बागी समूह का हिस्सा हैं। इसके अलावा अकाली दल के सीनियर नेता और विधायक बिक्रम सिंह मजीठिया भी पूरे मामले पर चुप हैं। मजीठिया की चुप्पी को लेकर भी कयास लग रहे हैं कि वह शायद बादल से खुश नहीं हैं। अब तक उनका बयान नहीं आया है, लेकिन हर किसी की नजर इस बात पर है मजीठिया का अगला कदम क्या होगा और वह किसी गुट के साथ रहेंगे। लोकसभा चुनाव में अकाली दल ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था और एक पर ही उसे जीत मिली थी। वहीं 10 सीटों पर तो उसकी जमानत ही जब्त हो गई। ऐसे में विधानसभा चुनाव के बाद से ही पनप रहा गुस्सा अब अकाली दल में फूट पड़ा है। इसकी शुरुआत विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने की थी। उन्होंने पार्टी के सभी आयोजनों से दूरी बनाना शुरू कर दिया था। इसके बाद सुखबीर बादल के राजनीतिक सचिव रहे चरणजीत सिंह बराड़ ने भी नेतृत्व पर हमला बोला था। बीते कई दिनों से सोशल मीडिया पर उनका विवाद बादल के करीबी परमबंस सिंह बंटी रोमाना से चल रहा था। दोनों सोशल मीडिया पर खुलकर हमले कर रहे थे। अकाली दल और पंजाब की राजनीति को समझने वाले कुछ लोगों का कहना है कि इस विवाद की जड़ अमृतपाल सिंह का खडूर साहिब लोकसभा सीट से जीतना भी है।

नाबालिग से दोस्ती की आड़ में रेप जांच में जुटी पुलिस, कैसे हुआ खुलासा?

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के संगम विहार इलाके में रहने वाली एक लड़की के साथ कई बार दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उसके बॉयफ्रेंड ने साल 2023 और इस साल जनवरी महीने में महरौली थाना इलाके में कई बार जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब नाबालिग गर्भवती हो गई और उसकी मां के चार महीने के गर्भ का गर्भपात कराने उसे लेकर सफदरजंग अस्पताल पहुंची। इस मामले में पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल से प्राप्त एमएलसी के आधार पर दुष्कर्म और पॉक्सो की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने बताया कि 22 जून को सफदरजंग अस्पताल से एक एमएलसी प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि एक 18 वर्षीय लड़की को उसके 4 महीने के गर्भ को गिराने के लिए उसकी मां ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित लड़की ने बताया कि डेढ़ साल से एक लड़के के साथ उसकी दोस्ती थी। उसने बीते साल जनवरी और इस साल जनवरी महीने में महरौली इलाके में ले जाकर जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब वह गर्भवती हो गई तो आरोपी लड़का कर कहीं और शिफ्ट हो गया। शुरुआत में पीड़िता ने अपनी प्रेग्नेंसी की बात अपनी मां से भी छिपाई।

जब वह बीमार पड़ गई तो उसने सारी बातें अपनी मां को बताई। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद मां अपनी बेटी का गर्भपात कराने के लिए उसे लेकर सफदरजंग अस्पताल पहुंची। इस मामले में दिल्ली महिला आयोग और जांच अधिकारी द्वारा पीड़िता की काउंसलिंग के बाद उसने आरोपी लड़के का नाम पुलिस को बताया। उसके बारे में फिलहाल पुलिस को ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। दिल्ली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। छानबीन कर आरोपी लड़के की तलाश में जुटी है।

नोरादेही से निकलकर दमोह की सीमा में फिर हुआ बाघिन कजरी का मूवमेंट, 3 बाघों के गले में लगी है कालर आईडी

दमोह, 26 जून (एजेंसियां)। जानकारी यह मिल रही है कि बाघिन कजरी ने एक बार फिर दमोह जिले की सीमा में अपने कदम रख लिए हैं। बता दें नोरादेही में इस समय 20 से अधिक बाघ हैं, जिनमें केवल तीन बाघों को कालर आईडी लगी है, बाकी बाघों की लोकेशन पदमार्क से ली जा रही है। तेंदूखेड़ा ब्लाक के जिस जंगली क्षेत्र में लोकेशन मिली है, यह एरिया नोरादेही की सीमा का हिस्सा है, लेकिन यदि बाघ थोड़ा भी इधर उधर मूमेंट करता है तो उससे लगा भाग तारादेही वन परिक्षेत्र में लगता है। जानकारी यह मिल रही कि बाघिन जिस जगह घूम रही है, वह कोसमदा और चांदना ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने बाले गांव के जंगल है। वहां बड़ी खाई में बाघिन है, जिसने बैल को अपना आहार बनाया है। वहीं जानकार यह भी बता रहे हैं कि बाघ शंभू और कजरी को इसी क्षेत्र में छोड़ा गया था और उन्हीं दो में से एक बाघ उस क्षेत्र को छोड़कर इधर पहुंच गया है। वन अमला भी कह रहा है कि यह बाघिन कजरी है जो पहाड़ी उतर आई है उसकी हम लोग निगरानी कर रहे हैं। कजरी बाघन को 27 मार्च की रात्रि में डोगरगांव रेंज की महका वीट में छोड़ा गया था, लेकिन कुछ दिन बाद कजरी उस क्षेत्र को छोड़ दमोह जिले के तारादेही क्षेत्र के जंगलों में पहुंच गई थी और उसके बाद सर्रा फिर झलोन रेंज होते हुये बाघन तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के जंगलों में ठहर गई थी। जहां उसका रेस्क्यू किया गया और उसके बाद पुनः बाघिन को महका के जंगलों में व्यारमा नदी के समीप छोड़ दिया था। वहां उसे शंभू नामक बाघ का साथ मिल गया और बाघन उसी के साथ दिखने लगी, लेकिन अब पुनः वह पहाड़ी क्षेत्र से होकर कोसमदा, देवरी, खारी के जंगलों में आ गई है।

जिस जगह बाघिन अभी रुकी है वह स्थान नोरादेही की सर्रा रेंज और दमोह की तारादेही वन परिक्षेत्र की सीमा है। एक पल में बाघिन तारादेही वन परिक्षेत्र की सीमा में आ जाती है तो दूसरे पल नोरादेही की सर्रा रेंज में पहुंच जाती है। सर्रा रेंजर बलविंद्र सिंह ने बताया की बाघिन पहाड़ी उतर कर इस तरफ आ गई है।

जनसुनवाई के दौरान अफसरों की कुर्सियां खाली देख भड़के नेता प्रतिपक्ष, जमकर किया हंगामा

खंडवा, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में प्रत्येक मंगलवार को सभी जिला मुख्यालयों पर जनसुनवाई की जाती है। जिला कलेक्टर कार्यालय में आम आदमी सीधे अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित विभाग प्रमुखों के सामने पहुंचते हैं। खंडवा जिले में जनसुनवाई का भी मखौल बनता एक वीडियो वायरल हो रहा है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष भी अफसरों के पास पहुंचे थे। इस दौरान जनसुनवाई में अधिकारियों की खाली कुर्सियों को देखकर वे नाराज हो गए। जमकर हंगामा किया। कांग्रेस नेता दीपक राठौर जिला कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में गए थे। मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को समय पर वेतन न मिलने के चलते अधिकारियों से मिलने पहुंचे थे। वहां की खाली कुर्सियां देखकर उन्होंने आपत्ति जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया । खंडवा नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता दीपक राठौड़ का जनसुनवाई के दौरान हंगामा करता एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने लोगों की समस्या का निदान करने के लिए जनसुनवाई शुरू की थी। ऐसी स्थिति देखकर गुस्सा आता है। मध्य प्रदेश में बड़े स्तर पर जनसुनवाई की जाती है। लेकिन खंडवा जिले में जनसुनवाई के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है । कार्रवाई के नाम पर कुछ भी नहीं होता। आज जब हम जन समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचे, तो यहां पर कोई मौजूद नहीं था। न ही कोई जवाबदार अधिकारी जवाब देने के लिए हमें मिला। जनसुनवाई को गंभीरता से न लेकर उसे हंसी ठिठोली में लिया जाता है।

दीपक उर्फ मुल्लू राठौड़ ने आरोप भी लगाया कि किसान और अमजान परेशान है। यह लोग कागज इकट्ठा कर रद्दी के भाव बेच जनसुनवाई का खर्चा पानी निकाल लेते है। आउटसोर्स कर्मचारी एक साल से परेशान है। उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा। ठेका पद्धति कर सरकार ने लोगों का शोषण शुरू कर दिया है। ठेका पद्धति से सिर्फ नेताओं को और उनसे जुड़े लोगों का ही फायदा हो रहा है। इस से बेरोजगार व्यक्ति और आम आदमी परेशान है। जब अपर कलेक्टर काशीनाथ बड़ोले से बात की गई तो उन्होंने कहा कि निगम में नेता प्रतिपक्ष दीपक राठौड़ मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्स कर्मचारी की समस्या लेकर आए थे। उन्हें ऐसा लगा कि यहां कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिस समय वह आए थे, उस समय मैं ज्ञापन लेने बाहर गया था। हमारी एक अधिकारी वहां मौजूद थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 जून- 2024

बाजी जीत गई बीजेपी

लोकसभा स्पीकर पद के लिए तैयार किए गए दुर्लभ प्रतियोगिता के मंच का रोमांच उस समय खत्म हो गया जब सत्ता पक्ष के ओम बिरला ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुन लिए गए। चुनाव के बाद उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ विपक्ष के नेता राहुल गांधी आसन तक ले गए। बता दें कि राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष के लिए सहमति के प्रस्ताव पर कड़े तेवर अपनाए थे। ओम बिडला की जीत ने राजनीतिक हलकों में स्पष्ट संदेश दिया है कि पीएम मोदी अब भी सब पर भारी हैं। एक ओर तो कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के कुछ सहयोगी सदन में बढ़ी संख्या बल से इतने उत्साहित थे कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष उम्मीदवार पर आम सहमति के लिए शर्त रख दी थी। वो अध्यक्ष के बदले उपाध्यक्ष पद की मांग पर अड़े थे। दूसरी तरफ सरकार अपने इरादे से टस से मस नहीं हुई। इसके साथ ही परंपरा के नैरेटिव को भी दरकिनार कर दिया। सरकार ने जवाब दे दिया कि कुछ भी नहीं बदला है। जो लोग सांप से निपट चुके हैं, वो घायल सांप से निपटने की कला भी जानते होंगे। सरकार की सीटें भले ही कम हो गई हों, लेकिन मिजाज पुराने ही हैं। इसके साथ ही सरकार ने साफ कर दिया कि सदन में संख्या बल और एनडीए के सहयोगी दलों पर उसका इतना नियंत्रण है कि उसे अब भी विपक्ष के सामने रक्षात्मक मुद्रा अपनाने की जरूरत नहीं है। बहरहाल, अब सदन में आने वाले दिनों में और अधिक शोर-शराबा होने वाला है, इसलिए संसद में चर्चा इस बात पर है कि क्या सरकार भविष्य में उपाध्यक्ष का पद किसी एनडीए सहयोगी को दे देगी या फिर पिछले दो कार्यकाल की तरह इस बार भी लटकाए रखेगी। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कोडिकुन्निल सुरेश के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने से सहयोगी टीएमसी सांसदों ने इनकार कर दिया था। टीएमसी ने दूरी बनाने की यह दलील दी कि कांग्रेस ने 'आखिरी समय तक' ममता बनर्जी के साथ इस मामले पर चर्चा करने की जरूरत नहीं समझी। इससे लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार विपक्षी खेमे के भीतर कलह उजागर हुई। खबरों के अनुसार तृणमूल के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल से बातकर ममता की नाराजगी का इजहार किया तो राहुल गांधी ऐक्शन में आए। उन्होंने ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी से बात की। फिर डैमेज कंट्रोल की एक सीरीज चली और तृणमूल सुप्रीमो ने पार्टी सांसदों डेरेक ओ. ब्रायन और कल्याण बनर्जी को सदन की रणनीति पर चर्चा करने के लिए मंगलवार रात मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक में भेजने पर सहमति जताई। हालांकि अब लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला का चयन हो चुका है तो स्पष्ट है कि टीएमसी ने क्या फैसला किया होगा। के. सुरेश का नाम तय करते वक्त ममता बनर्जी की राय नहीं लेने पर सपा और एनसीपी ने भी आपत्ति जताई थी। विपक्ष में कई लोगों के लिए यह एक चेतावनी भी है कि कांग्रेस नेतृत्व को भाजपा के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट वाले क्षेत्रीय दिग्गजों के मान-सम्मान का हमेशा ध्यान रखना होगा। सत्ता पक्ष इस मुकाबले का इस्तेमाल न केवल स्पीकर का पद जीतने के लिए करेगा, बल्कि विपक्ष के खिलाफ कुछ अंक हासिल करने और यह दिखाने के लिए भी करेगा कि सदन में उसका दबदबा है। दोनों विपक्षी दलों के मूड पर पहले से ही नजर रखी जा रही है। अगर स्पीकर के मुकाबले के दौरान नहीं तो भविष्य में, खासकर तब जब राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में सक्रियता से काम कर रहे होंगे। ओम बिरला के स्पीकर के तौर पर दोबारा चुने जाने से ज्यादा इस बात पर नजर रखी जा रही थी कि कौन सा पक्ष अतिरिक्त संख्या जुटा पाता है या लीक होने का सामना करता है। लेकिन वोटिंग के बिना संपन्न हुए चुनाव के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सकेगा।

कल्पनाओं को साकार करती कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. सत्यवान सौरभ

एआई के अनुप्रयोग का दायरा बढ़ता जा रहा है और ये अधिक विशाल होता जा रहा है, ये ऊर्जा की खपत को अनुकूलित करने से लेकर परिवहन के ऐसे रूपों में भी योगदान दे रहे हैं, जिससे समाज का भला हो।स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, एआई ने मेडिकल इमेजिंग को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय उद्योग में, एआई वित्तीय धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल कर रहा है। उदाहरण के लिए, बैंक और वित्तीय संस्थान वास्तविक समय में विशाल लेनदेन डेटा का विश्लेषण करने, धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों का पता लगाने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए "फीडज़ई जैसे एआई एल्गोरिदम का उपयोग कर रहे हैं। एआई-संचालित रोबो-सलाहकार, जैसे "वेल्थफ्रंट" और "बेटरमेंट", ग्राहकों की जोखिम सहनशीलता के आधार पर व्यक्तिगत निवेश, वित्तीय लक्ष्यों और बाजार की स्थितियों के आधार पर वित्तीय रणनीतियों में मदद करते हैं, जिससे धन प्रबंधन अधिक सुलभ और कुशल हो जाता है।

शिक्षा क्षेत्र में, "डुओलिंगो" जैसे एआई-संचालित प्लेटफार्मों ने व्यक्तिगत ट्यूशन, अनुकूली शिक्षण पथ और रियल टाइम प्रतिक्रिया के माध्यम से भाषा सीखने में क्रांति ला दी है। "कॉग्नि" जैसे एआई-आधारित प्लेटफार्मों का उपयोग करने वाले छात्र स्वचालित ग्रेडिंग सिस्टम से लाभान्वित होते हैं साथ ही ये अपने निबंधों का मूल्यांकन करते हैं और रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त ये सीखने के अनुभव को बढ़ाते हैं और शिक्षकों पर बोझ को कम करते हैं। इसके अलावा, "स्मार्टी पिन" और "खान अकादमी" जैसे एआई-सक्षम शैक्षिक उपकरण जटिल अवधारणाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देते हुए, गेमिफिकेशन और इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से छात्रों को संलग्न करते हैं।

हालाँकि, एआई का नकारात्मक प्रभाव मुंबई की घटना जैसे उदाहरणों में भी स्पष्ट है, जहां एआई वॉयस मॉड्यूलेशन का दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए शोषण किया गया था, जिससे एक नकली अपहरण परिदृश्य तैयार हुआ। ऐसी घटनाएं एआई के दुरुपयोग को रोकने और व्यक्तियों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए सख्त नियमों की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इस प्रकार, एआई का महत्व जटिल चुनौतियों का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की क्षमता में निहित है, ऐसे में देखा जाए तो हम प्रौद्योगिकी के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं और अपने व्यवसाय को कैसे संचालित करते हैं, इसे भी परिभाषित करने की आवश्यकता है। एआई की परिवर्तनकारी शक्ति उद्योगों तक फैली हुई है, जिससे हमारा जीवन अधिक कुशल, सुविधाजनक और जानकारीपूर्ण हो गया है। हालाँकि, AI का नकारात्मक उपयोग भी स्पष्ट है, जैसा कि मुंबई की घटना में देखा गया जहाँ नकली अपहरण परिदृश्य बनाने के लिए वॉयस मॉड्यूलेशन का फायदा उठाया गया था। हम एआई की असीमित क्षमता पर आश्चर्यचकित हैं, ऐसे में हमें इसके द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों का भी सामना करना चाहिए। एआई के कारण नैतिक चिंताएँ बढ़ी हैं, क्योंकि एआई सिस्टम मानव जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिकाएँ निभा रहा है।

राहुल गांधीः नेता विपक्ष के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

डॉ. रमेश ठाकुर

16वीं और 17वीं लोकसभा में नबंरों के लिहाज से कांग्रेस बीते 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में इतना पिछड़ गई थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद भी नसीब नहीं हुआ। नेता विपक्ष पद की बात तो दूर, पार्टी का भविष्य और अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया था। कम नंबर संख्या के कारण ही संसद में नेता विपक्ष की सीट भी रिक्त रही पर, कहते हैं कि सियासत में चमत्कार की संभावनाएं अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा रहती हैं। किसके सितारे बुलंद हो जाए और किसके अचानक बुझ जाएं? इसका दामोदर सब कुछ जनता-जर्नादन के मूड और विचारों पर निर्भर रहता है?

बीते 2024 के आम चुनाव में हुआ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही? भाजपा 400 पार के नारे के साथ फिर से प्रचंड बहुमत में आने को पूरी तरह आश्वस्त थी लेकिन जनता ने अस्वीकार कर दिया। मौका जरूर दिया, लेकिन आधा-अधूरा? हालांकि, कांग्रेस ने इस बार उम्मीद से कहीं बढ़कर बेहतीन प्रदर्शन कर खुद को लड़ाई में बरकरार रखा।

कांग्रेस हो या भाजपा, प्रचंड जीत से बौराने की प्रवृति से सभी दलों को तौबा करना होगा। 2024 का जनादेश सभी के लिए सीख जैसा है। कांग्रेस को जनता ने नया जीवनदान दिया है। इसलिए कांग्रेस के सितारे एक बार फिर थोड़े से चमके हैं। पिछली बार मात्र 44 सांसद ही जीतकर संसद पहुंचे थे पर ये आंकड़ा इस दफे 99 तक पहुंचा है। तभी कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष के लिए दावेदार हुई है। अच्छे नंबरों से पास होने का ही नतीजा है कि नेता विपक्ष के लिए

राहुल गांधी के नाम पर ताजपोशी होना विपक्षी धड़े की ओर से मुकर्रर हुआ है पर, जनता का संदेश पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बराबर है? जो जनता के हित में काम करेगा, उसकी जयकार होगी वरना, घमंड चकनाचूर करने में देश के मतदाता जरा भी नहीं हिचकेंगे? 2024 के जनादेश ने देश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। चाहे प्रधानमंत्री हों या नेता विपक्ष, सभी से काम की उम्मीद करती है। नेता भी अब समझ गए हैं कि लच्छेदार बातों और हवा-हवाई दावों से अब काम नहीं चलने वाला? बहरहाल, गठबंधन राजनीति में नेता विपक्ष के पद को पूरे पांच वर्ष तक सुचारू रूप से यथावत रखना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा? पद पर आसीन होने वाले ओहदेदार के लिए भी चुनौतियों की भरमार रहेंगी। उन्हें हर घड़ी अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। नेता विपक्ष का पद राहुल गांधी की सियासी समझ की भी कठिन परीक्षा लेगा क्योंकि सत्तापक्ष और देश की एक बड़ी आबादी अभी तक उन्हें सियासत का 10वीं पास छात्र ही समझती रही है। दरअसल समझने के कई ताजा उदाहण भी सामने मुंह खोले जो खड़े हैं। राहुल गांधी कई बार अपने सियासी प्रयोगों में विगत वर्षों में असफल हुए हैं इसलिए भी लोगों को थोड़ा बहुत संदेह अब भी है? उनके सियासी इतिहास के पन्ने खोले तो सामने एक विफलता भरी तस्वीर उभरती है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी अच्छे से निर्वाह नहीं कर सके, जिसके चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। अमेठी से चुनाव भी हारे और अपनी अगुआई में पार्टी को चुनाव लड़ाकर भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके। कुल मिलाकर उनके हिस्से में सियासी असफलता की भरमार है पर, इन गुजरे वर्षों में अच्छी बात ये रही, वह लगातार हारने के बावजूद भी हिम्मत नहीं हारे, सियासी मैदान में डटे रहे? खुद को साबित करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली, जिसमें लोगों का समर्थन हासिल किया। यही कारण है, जनता ने उनपर थोड़ा भरोषा जताया है।

खैर, राजनीति में असफलता ज्यादा मायने नहीं रखती, कोई भी हार सकता है। इसलिए ये पुरानी और बेजान बातें ही हैं। सियासत ऐसा अखाड़ा है जहां अच्छे से अच्छा खिलाड़ी चित हुआ है। ताजा उदाहरण मौजूदा लोकसभा चुनाव का परिणाम है जिसमें बड़े से बड़े शूरमा धराशाही हो गए हैं। अपने राजनीतिक करियर में राहुल गांधी पहली मर्तबा कोई संसदीय ओहदा संभालने जा रहे हैं। 18वीं लोकसभा में वह नेता विपक्ष की भूमिका में होंगे, जिसे इंडिया गठबंधन के तकरीबन सभी प्रमुख नेताओं ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है। राहुल की उम्मीदवारी की स्वीकृति के लिए प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को कांग्रेस की ओर से बीती 25 जून की देर शाम को अर्जी भी भेज दी गई है। हालांकि उनके इस पद को लेकर कोई अड़चन या अड़गा इसलिए नहीं लगेगा, क्योंकि संसदीय परंपरा और नियमानुसार नेता विपक्ष के लिए किसी भी दल के पास दस फीसदी सांसद होने चाहिए, जिसमें कांग्रेस सफल है। नेता विपक्ष का पद कांग्रेस को दस साल बाद नसीब होगा।

राहुल नेता विपक्ष बनने वाले गांधी परिवार से तीसरे सदस्य होंगे। उनके पहले उनके पिता तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और सांसद माता सोनिया गांधी रह चुकी हैं। प्रतिपक्ष भारतीय संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक में आधिकारिक विपक्ष का नेतृत्वकर्ता होता है। इसलिए नेता विपक्ष का ओहदा अपने आप में बहुत मायने रखता है। प्रधानमंत्री जैसी एक तिहाई शक्तियां उन्हें प्रदान होती हैं। सुविधाएं केंद्रीय मंत्री से कहीं बढ़ कर दी जाती हैं। तनख्वाह भी तीन लाख रुपए से ऊपर होती हैं। इसके अलावा नेता विपक्ष ईडी निदेशक, सीबीआई प्रमुख, सीवीसी जैसे उच्चस्थ पदों की नियुक्ति में सहभागी होता है। प्रधानमंत्री को नियमानुसार नेता विपक्ष की राय लेनी अनिवार्य होती है। नेता विपक्ष अभिलेखा समिति का भी प्रमुख रहता है जो सरकार के प्रत्येक निर्णयों और खर्चों पर निगाह रखता है।

खाद्य पदार्थों मे गड़बड़ी, उपभोक्ता की जान से खिलवाड़!

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देशभर से ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं जहां कभी कंपनी की सील आइसक्रीम से इंसान की कटी हुई उंगली निकली, कभी चिप्स के पैकेट से मेंढक निकलना तो कभी सांभर और चॉकलेट सिरप से मरा हुआ चूहा। ऐसे ही एक मामला अब झारखंड में टाटानगर स्टेशन पार्किंग के पास एक व्यक्ति की सीलबंद पानी बोतल में मरी हुई छिपकली दिखी है। कस्टमर ने रेलवे स्टेशन के पास पानी खरीदा था।मशहूर कम्पनियां का खाने-पीने की वस्तुओं में निकल रहे कीड़े, ब्लेड, कटी उंगली, चूहे, मेंढक और कॉकरोच तक निकल रहे हैं। देश भर में लापरवाही का कुछ इस तरह का दौर चल रहा है कि स्ट्रीट फूड से लेकर बड़ी-बड़ी कम्पनियों द्वारा बनाई खाने-पीने की वस्तुओं और यहां तक कि विमान सेवाओं द्वारा अपनी उड़ानों के दौरान यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन में भी हानिकारक और जानलेवा पदार्थ बरामद हो रहे हैं। यह स्थिति कितनी गंभीर होती जा रही है, यह इसी महीने के मात्र 15 दिनों के भीतर ही ऐसे दर्जनों गंभीर मामले सामने आए हैं 6 जून को असम के 'बाजाली' जिले में एक प्रसिद्ध कम्पनी के फ्रूट ड्रिंक के पैकेट में कीड़ा निकला।10 जून को विमान सेवा 'एयर इंडिया' की बेंगलुरू से अमरीका के सैनफ्रांसिस्को जा रही फ्लाइट में एक यात्री को परोसे गए स्वीट पोटैटो (शकरकंदी और अंजीर) की चाट में ब्लेड निकलने का मामला सामने आया, जिस पर 'एयर इंडिया' ने गलती स्वीकार कर माफी मांगी।13 जून को मुम्बई में एक डाक्टर जब ऑनलाइन आर्डर करके मंगवाई गई एक प्रसिद्ध कम्पनी की आइसक्रीम खा रहा था तो उसे उसका स्वाद बड़ा ही विचित्र लगा। इस पर उसने उस टुकड़े को मुंह से बाहर निकाल कर देखा तो उसके होश उड़ गए क्योंकि जिस चीज को वह आइसक्रीम में डाला हुआ कोई मेवा या चाकलेट का टुकड़ा समझ कर चबा रहा था, वह किसी इंसान की कटी हुई उंगली थी।15 जून को नोएडा में एक महिला द्वारा मंगवाई गई एक प्रसिद्ध कम्पनी की आइसक्रीम में एक कनखजूरा पाया गया। 18 जून को भोपाल से आगरा जाने वाली 'वंदे भारत ट्रेन' के एक यात्री ने शिकायत की कि उसे 'इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्मकार्पोरेशन(आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा परोसी गई सब्जी में मरा हुआ कॉकरोच मिला। यात्री ने सब्जी की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की।19 जून को गुजरात के जामनगर में जैसमिन पटेल नामक एक युवती द्वारा खरीदे गए एक प्रसिद्ध कम्पनी के 'पोटैटो चिप्स' के एक पैकेट में चिप्स जैसी आकृति में पूरी तरह सड़ा हुआ मेंढक बरामद हुआ। इस मामले में जब महिला ने कम्पनी के वितरण और ग्राहक सेवा विभाग से शिकायत की तो उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।19 जून को ही केरल में एक महिला द्वारा केक के साथ खाने के लिए मंगवाए एक प्रसिद्ध कंफैक्शनरी कम्पनी द्वारा निर्मित 'चॉकलेट सिरप' परिवार की लड़कियों ने चखा तो उनमें से एक बेहोश हो गई।शक होने पर उन्होंने बोतल को खोला तो उसमें से बहुत गाढ़ा सिरप निकला जिसमें कुछ बाल भी चिपके हुए थे तथा उसमें से एक मरा हुआ बहुत छोटा सा चूहा भी बरामद हुआ। मुरादाबाद के एक नामी मिठाई विक्रेता की महंगी अंजीर की मिठाई में कीड़े निकलने के दर्जनों अलग विडियो वायरल हैं हापुड़ जिले में भी एक हलवाई के समोसे में आलू के साथ मरी छिपकली मिली लेकिन फूड सेफ्टी अधिकारी ने चौथ वसूल कर मामला सुलटा दिया। ये तो चंद उदाहरण मात्र हैं। वास्तव में भारत में पिछले कुछ समय के दौरान विशेष रूप से ऑनलाइन मंगवाई जाने वाली खाने-पीने की वस्तुओं में तरह-तरह की हानिकारक वस्तुएं और मरे हुए जीव-जंतु निकलने की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। उक्त घटनाएं उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं जो किसी उत्पाद के निर्माण और पैकेजिंग के मापदंडों पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 272: बिक्री के लिए इच्छित खाद्य या पेय पदार्थों में मिलावट।कोई भी व्यक्ति जो भोजन या पेय में मिलावट का अपराध करता है, उसे छह महीने तक कैद या ज़र्मना या दोनों से पीड़ित किया जा सकता है।गंभीर सवाल भी उठा रही हैं।आईपीसी की धारा 273: दूषित भोजन या पेय पदार्थों की बिक्री।जो कोई भी किसी ऐसी वस्तु को बेचता है, या पेश करता है या बिक्री के लिये रखता है, जो दूषित हो गई है या हो गई है, या खाने या पीने के लिये अनुपयुक्त स्थिति में है, यह जानता या विश्वास करने का कारण रखता है कि वह भोजन के रूप में दूषित पदार्थ या शराब पीता है, तो उसे छह महीने तक कैद या एक हज़ार रुपए तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा।फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट के तहत मिलावटी व खुले में चीजें बेचने वाले दुकानदारों पर जुर्माना का प्रावधान है और उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। अधिकारियों की औपचारिक कार्रवाई और दुकानदारों के मुनाफा कमाने के चक्कर में इन खाद्य पदार्थों के सेवन से आम आदमी की सेहत बिगड़ सकती है। लेकिन अफसोस की अभी तक इन दुकानदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। डा. सोनू शर्मा के अनुसार बाजार में बिकने वाले तैलीय पदार्थ को बनाने के लिए सामग्री भी मिलावट की इस्तेमाल होती है। जिससे शरीर में गैस, अपच, पथरी, एसिड, दस्त जैसी बीमारियों का जन्म होता है। आज कल साठ फीसद बीमारियां दूषित खान पान से होती है। खास बात यह है कि बाजार में कटे व गले फलों को लोग सस्ते होने के कारण खरीद लेते हैं। जबकि ऐसे फलों का प्रदूषित होना आम बात है। देश भर में अधिकांश शहर कस्बों में कुछ दुकानदार दूषित खाद्य पदार्थ बेचकर मुनाफा कमा रहे है। ऐसी चीजें खाने से अक्सर लोग बीमार भी होते हैं। बिना ढके बेची जाने वाली इन चीजों पर धूल-मिट्टी पड़ती है, वहीं मक्खियों के इन पर बैठने से यह खाद्य पदार्थ बीमारी का घर बन जाते हैं। दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग सिर्फ त्योहारों के समय ही खाद्य पदार्थों की चेकिग व सैंपल भरने की मुहिम चलाता है। त्योहारों के बाद विभाग निष्क्रिय हो जाता है। इसके अलावा शहर के कई हिस्सों में भी बिना जांच परख के मीट बेचा जा रहा है। यहां भी स्वास्थ्य विभाग के नियमों का पालन नहीं हो रहा। वहीं बाजार में समोसे, ब्रेड, गोल गप्पे, पकौड़े, लड्डू, मिठाई बिना ढके ही दुकानदार सरेआम बेच रहे हैं। प्रशासन के आदेश केवल बंद कमरों तक ही सीमित रह जाते हैं। त्योहारों के समय सेहत विभाग की ओर से कमरो से बाहर निकल कर खाद्य पदार्थ बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ ही कार्रवाई की जाती है, मगर जब यह त्योहार समाप्त हो जाते है तो उसके बाद प्रशासन के आदेश बंद कमरों तक ही सीमित होकर रह जाते है। जिसका फायदा उठाकर दुकानदार खुले में रखे हुए पदार्थ बेचकर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जाता है।यहां तक कि फूड सेफ्टी के लिए तैनात अधिकारी हर होटल स्वीट दुकानों रेस्टोरेंट किराना व डेरी उत्पाद विक्रेताओं से हर महीने एक नियत चौथ वसूली करते हैं और मिलावट के खिलाफ चलने वाले अभियान के दौरान भी छोटी दुकान के सेमपल लेकर बड़ी मछलियों को बचाने का काम करते हैं। स्पष्ट है कि खाद्य पदार्थों में लापरवाही व अशुद्ध पदार्थ निकलने के लिए भ्रष्टाचार बड़ी वजह है अतः ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जहां खाद्य सुरक्षा प्रोटोकाल की व्यापक समीक्षा करना समय की मांग है ताकि लोगों के प्राण जोखिम में न पड़ें, वहीं ऐसी लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध तुरंत कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों के व्यवहार और भ्रष्टाचार पर निगरानी रखने और भ्रष्ट अधिकारियों की सम्पत्ति जब्त करने की जरूरत है।सैकड़ों बच्चों और अन्य नागरिक इस लापरवाही के कारण जान गंवा देते हैं लेकिन मामले प्रकाश में कम ही आते हैं।

मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान क्यों?

प्रियंका सौरभ

भारत में हाल ही में आई भीषण गर्मी ने कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा दिया है , जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इज़ाफा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और ज़ोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं । ये नौकरियाँ लचीलापन प्रदान करती हैं , लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोज़गार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अक्सर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है।इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतसमय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफ़ॉर्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा। वर्कर्स के लिए एक न्यूनतम वेतन नीति स्थापित करना ताकि एक स्थिर आय और न्यूनतम भुगतान किए गए घंटे या कमाई सुनिश्चित हो सके।

मानव धर्म ही सर्वोत्तमः परिश्रम से उसे सार्थक करने का प्रयत्न करें

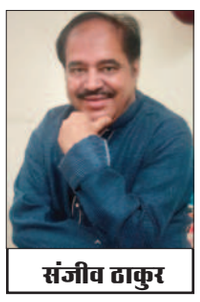

संजीव ठाकुर

मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानव अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा 1इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी1

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे 1 निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है1

जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं1 संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है।

कालाष्टमी पर इस विधि से करें काल भैरव की पूजा

कालाष्टमी 2024 डेट और शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 28 जून को शाम 04 बजकर 27 मिनट पर शुरू होगी और 29 जून को दोपहर 02 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगी। अतः 28 जून को कालाष्टमी मनाई जाएगी। साधक 28 जून को व्रत रख काल भैरव देव की पूजा-उपासना कर सकते हैं।

सनातन धर्म में कालाष्टमी व्रत बेहद कल्याणकारी माना जाता है। काल भैरव को अष्टमी तिथि समर्पित है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कालाष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। इस अवसर पर भगवान शिव के सबसे उग्र स्वरूप काल भैरव की पूजा-अर्चना की जाती है और फल, मिठाई समेत आदि चीजों का भोग अर्पित किया जाता है।

कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद मंदिर की सफाई कर चौकी पर भगवान शिव की मूर्ति विराजमान करें। अब उन्हें बिल्व पत्र, फल और फूल आदि चीजें अर्पित करें। इसके बाद दीपक जलाकर आरती करें और काल भैरव चालीसा का पाठ करें। प्रभु के मंत्रों का जप करना भी फलदायी माना जाता है। इसके बाद सुख, समृद्धि और धन प्राप्ति की कामना करें। अंत में भोग लगाकर लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

घर पर काल भैरव देव की मूर्ति नहीं रखते हैं। अतः कालाष्टमी पर घर पर भगवान शिव की और मंदिर में काल भैरव देव की पूजा करते हैं।

कालाष्टमी पर करें इन मंत्रों का जाप

ओम भयहरणं च भैरवः

ॐ तीखदन्त महाकाय कल्पान्तदोहनम्। भैरवाय नमस्तुभ्यं अनुज्ञां दातुर्माहिसि

ॐ ह्रीं बं बटुकाय मम आपत्ति उद्धारणाय। कुरु कुरु बटुकाय बं ह्रीं ॐ फट स्वाहा

जुलाई की शुरुआत में वरुण ग्रह का होने जा रहा है गोचर इन राशियों का चमकेगा भाग्य

2 जुलाई को शाम 4 बजकर 10 मिनट पर वरुण ग्रह (नेपच्यून) मीन राशि में वक्री होंगे और 8 दिसंबर की सुबह 5 बजकर 17 मिनट तक मीन राशि में ही वक्री गति से गोचर करते रहेंगे, उसके बाद मार्गी हो जाएंगे। नेपच्यून हमारे सौरमंडल का आठवां ग्रह है।

मेष राशि- नेपच्यून आपके बारहवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के बारहवें स्थान का संबंध आपके व्यय और शय्या सुख से है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में शैय्या सुख बना रहेगा, लेकिन आपके खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। आपको किसी भी कार्य में अपने पैसों का संभलकर इस्तेमाल करना चाहिए। लिहाजा नेपच्यून के शुभ प्रभाव बनाये रखने के लिए कोई भी महत्वपूर्ण काम करने से पहले पानी जरूर पिएं।

वृष राशि- नेपच्यून आपके ग्यारहवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के ग्यारहवें स्थान का संबंध हमारे आय और इच्छाओं की पूर्ति से होता है। इसके प्रभाव से समाज में आपका कद ऊंचा होगा। आपके किसी विशेष इच्छा की पूर्ति होगी। उचित मेहनत से आपके काम भी जरूर बनेंगे। आप कुछ नई खोजबीन में लगे रहेंगे। लिहाजा नेपच्यून के शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए 11 लोगों को दूध से बनी चीज़ें खाने के लिए दें।

मिथुन राशि- नेपच्यून आपके दसवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के दसवें स्थान का संबंध हमारे करियर, राज्य और पिता से होता है। इसके प्रभाव से बिजनेस के प्रति आपकी जानकारी अच्छी होगी। आपके पिता अपने बिजनेस को देश-विदेश तक फैला सकते हैं। आपको एक अच्छे दर्जे की सरकारी नौकरी प्राप्त हो सकती है। लिहाजा नेपच्यून के शुभ फल बनाये रखने के लिए शाम के समय मंदिर में दूध का दान करें।

कर्क राशि- नेपच्यून आपके नवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के नौवें स्थान का संबंध हमारे भाग्य से होता है। इसके प्रभाव से आपको अपने भाग्य का साथ मिलेगा। मेहनत करने पर आपको सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। देश और समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे। अतः नेपच्यून के शुभ फलों का लाभ पाने के लिए गले में चांदी की गोली धारण करें।

सिंह राशि- नेपच्यून आपके आठवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के आठवें स्थान का संबंध हमरे आयु से है। इसके प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बन सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना चाहिए। अपनी एनर्जी और जानकारी को निगेटिव कामों में लगा सकते हैं, लेकिन इससे आपको बचना चाहिए। लिहाजा नेपच्यून के अशुभ फलों से बचने के लिए बड़े-बुजर्गों का आशीर्वाद लें।

कन्या राशि- नेपच्यून आपके सातवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के सातवें स्थान का संबंध हमारे जीवनसाथी से है। इसके प्रभाव से जीवनसाथी के साथ आपको तालमेल बनाने में कोशिश करनी पड़ेगी। आप कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में भी उलझ सकते हैं।

समझदारी से काम लेने की जरूरत है। लिहाजा नेपच्यून के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए किसी पवित्र नदी का पानी लाकर अपने घर में जरूर रखें।

तुला राशि- नेपच्यून आपके छठे स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के छठे स्थान का संबंध हमारे मित्र, शत्रु और स्वास्थ्य से है। इसके प्रभाव से शत्रु पक्ष आपका कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा। मित्रों की लिस्ट में बढ़ोतरी होगी। आपके पैसों की स्थिति अच्छी रहेगी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और कामकाज में आपका मन लगेगा। लिहाजा नेपच्यून के शुभ बनाये रखने के लिए पिता को अपने हाथों से दूध पिलाएं। साथ ही संभव हो तो किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याउ लगवाएं।

वृश्चिक राशि- नेपच्यून आपके पांचवें स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के पांचवे स्थान का संबंध हमारे संतान, बुद्धि, विवेक और रोमांस से है।

इसके प्रभाव से आपके पास बहुत अधिक ज्ञान होगा। आप किसी निगेटिव चीज़ के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। आप किसी से अपना काम निकलवाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

लिहाजा नेपच्यून के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए सोमवार के दिन एक सफेद कपड़े में थोड़ेसे चावल और मिश्री बांधकर बहते जल में प्रवाहित करें।

धनु राशि- नेपच्यून आपके चौथे स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के चौथे स्थान का संबंध हमारे भवन, भूमि, वाहन और माता से है। इसके प्रभाव से आपको भूमि, भवन और वाहन का लाभ भी मिल सकता है। बिना सोचे-समझे काम करने से आपको बचना चाहिए। माता के सहयोग से काम ठीक ढंग से पूरे होंगे। लिहाजा नेपच्यून के अशुभ फलों से बचने के लिए मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन करें।

मकर राशि- नेपच्यून आपके तीसरे स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के तीसरे स्थान का संबंध हमारे पराक्रम, भाईबहन और यश से है। इसके प्रभाव से जीवन में भाईबहनों का सहयोग बना रहेगा। लेखन कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपको अपने काम में सफलता मिलेगी साथ ही गुप्त रहस्यों को जानने में आपकी रुचि बढ़ेगी। लिहाजा नेपच्यून के शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए घर की रिश्ते में बड़ी महिलाओं का आशीर्वाद लें।

कुंभ राशि- नेपच्यून आपके दूसरे स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका के दूसरे स्थान का संबंध हमारे धन और स्वभाव से है। इसके प्रभाव से धन संबंधी मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आप अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित करने में सफल होंगे। हालांकि शिक्षा के क्षेत्र में कुछ रूकावटें पैदा हो सकती हैं। आपको और भी अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। लिहाजा नेपच्यून के अशुभ फलों से बचने के लिए अपने घर में चांदी का सिक्का या चांदी की गोली स्थापित करें।

मीन राशि- नेपच्यून आपके पहले यानि लग्न स्थान पर वक्री होगा। जन्मपत्रिका में लग्न यानि पहले स्थान का संबंध हमारे शरीर और मुख से है। इसके प्रभाव से आपकी अचानक से उन्नति होगी। आपकी संतान को कानूनी

मामलों में लाभ मिलेगा। साथ ही लवमेट के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आपको भरपूर यशसम्मान मिलेगा। लिहाजा नेपच्यून के शुभ फल सुनिश्चित करने के लिए माता या माता के जैसी किसी महिला के पैर छूकर आशीर्वाद लें।

गुरुवार के दिन करें ये खास उपाय

गुरुवार के उपाय

अगर आप अपने व्यावसायिक यात्रा से अर्थ लाभ पाना चाहते हैं, अपनी फाइनेंशियल कंडीशन को बेहतर करना चाहते हैं, तो आज के दिन एक केसर की डिब्बी लेकर, उसे भगवान विष्णु के चरणों से लगाकर अपने पास रख लें और जब कभी आप किसी व्यावसायिक यात्रा से बाहर जायें, तो उस केसर से अपने माथे पर तिलक लगाकर जाएं। लेकिन अगर आप केसर ना ले सकें, तो आप एक डिब्बे में सूखी हल्दी ले लें। ऐसा करने से आपको व्यावसायिक यात्राओं से अर्थ लाभ जरूर मिलेगा। लिहाजा आपकी फाइनेंशियल कंडिशन बेहतर होगी।

अगर अपनी संतान की गतिविधियों के प्रति आपको हमेशा चिंता बनी रहती है, तो आज के दिन आपको एक नया पीले रंग का कपड़ा लेकर, उसे अपनी संतान के हाथों से स्पर्श कराकर विष्णु मंदिर में चढ़ाना चाहिए। साथ ही इस मंत्र का 11 बार जप करना चाहिए। मंत्र है - ऊँ ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः। ऐसा करने से अपनी संतान की गतिविधियों के प्रति आपकी चिंता दूर होगी

अगर आप घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ प्रेम-भाव बनाए रखना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको श्री विष्णु भगवान की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए और भगवान को आमरस का भोग लगाना चाहिए। भोग लगाने के बाद प्रसाद के रूप में थोड़ा-सा आमरस खुद ग्रहण करें और घर के बड़े-बुजुर्गों को भी दें। ऐसा करने से घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ आपका प्रेम-भाव बना रहेगा।

अगर आपके ऑफिस में पैसों को लेकर परिस्थितियां कुछ ठीक नहीं चल रही है उन परिस्थितियों को ठीक करने के लिये आज के दिन आप पंसारी की दुकान से एक नागकेसर का फूल लेकर आयें और आज के दिन उसे अपने मंदिर में स्थापित करें । अब उसकी विधि-पूर्वक रोली-चावल आदि से पूजा करें । पूजा के बाद आज पूरा दिन उस फूल को मंदिर में ही रखा रहने दें । अगले दिन सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर उस फूल को वहां से उठा लें और अपने ऑफिस के कैश बॉक्स में रख दें ।ऐसा करने से आपके ऑफिस में पैसों को लेकर चल रही खराब परिस्थितियां जल्द ही ठीक होगी।

अगर आप अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन करना चाहते हैं, यानी उन्हें बिना किसी परेशानी के अच्छे से निभाना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको ऊँ नमो भगवते नारायणाय।

इस मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए और मंत्र जप के बाद श्री विष्णु को पीले रंग के फूल अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से आप अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन कर पाएंगे।

अगर आप अपने मित्रों की गिनती में बढ़ोतरी करना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको श्री विष्णु भगवान के आगे हाथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए और किसी मन्दिर के पुजारी को यथाशक्ति कुछ भेंट करना चाहिए। ऐसा करने से आपके मित्रों की संख्या में निश्चय ही बढ़ोतरी होगी।

अगर आप नौकरी में लाभ की स्थिति सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो आज के दिन आपको आम के साफ-सुथरे पांच पत्ते लेकर उन्हें पानी से धोना चाहिए और उन पर रोली से श्री लिखकर विष्णु भगवान को अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से नौकरी में लाभ की स्थिति सुनिश्चित होगी।

अगर आपकी संतान अपना खुद का कोई बिजनेस खोलना चाहता है या आप उसका बिजनेस खुलवाना चाहते हैं, लेकिन उसमें बिजनेस की इतनी समझ नहीं है तो अपनी संतान के अंदर वो समझ डेवलप करने के लिये आज के दिन आपको शुद्ध मिट्टी लेनी चाहिए।

अब उस मिट्टी को पानी की सहायता से गाढा करके उससे 27 छोटी-छोटी गोलियां बनाएं और उन्हें अच्छे से सुखा लें। अब उन गोलियों को आज से लेकर अगले 27 दिनों तक एक-एक करके अपनी संतान के हाथों से घर के मन्दिर में ही रखवाएं और बाद में जब मौका मिले उन गोलियों को किसी मंदिर या पेड़ के पास रख दें ।ऐसा करने से आपके संतान का बौद्धिक विकास होगा। साथ ही वे अपना व्यवसाय करने में सफल होंगे।

अगर आप अपने बिजनेस की गति को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, दूसरों के मुकाबले अपने बिजनेस की नींव को अधिक मजबूत करना चाहते हैं तो आज के दिन आप मिट्टी का एक खाली घड़ा लीजिये और उस पर काजल का टीका लगाइए । अब उस खाली घड़े पर ढक्कन लगाकर किसी बहते जल के स्त्रोत में प्रवाहित कर दें । ऐसा करने से आपके बिजनेस की गति आगे बढ़ेगी और दूसरों के मुकाबले आपके बिजनेस की नींव अधिक मजबूत होगी।

मणिबंध रेखाएं हैं अच्छे भाग्य की निशानी

हस्तरेखा शास्त्र में हाथ की हर रेखा का कुछ न कुछ फल बताया गया है। हाथ की रेखाओं से न केवल आपके भूत और भविष्य बल्कि आपके व्यवहार, भाग्य आदि का भी पता चल जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपकी हथेली में अगर मणिबंध रेखाएं हैं तो इनका आपके जीवन पर क्या असर पड़ता है।

हथेली में कहां होती हैं मणिबंध रेखाएं

हाथ में मणिबंध रेखाएं कलाई पर होती हैं, जिस जगह पर आप घड़ी पहनते हैं वहां पर हथेली की ओर ये रेखाएं आपको दिखने को मिल सकती हैं। हालांकि हर किसी के हाथ में मणिबंध रेखाएं नहीं होती। लेकिन जिन लोगों के हाथ में ये रेखा होती है उन्हें भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त होता है। ऐसे लोगों को कम मेहनत के बाद भी अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मणिबंध रेखा हथेली पर हो तो मिलेंगे ऐसे परिणाम

हथेली पर मणिबंध रेखाएं होना बहुत शुभ होता है। जिन भी जातकों के हाथ में ये रेखाएं होती हैं वो लकी माने जाते हैं। ऐसे लोगों को समाज में खूब प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। इनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है और जीवन के हर क्षेत्र में ये आगे बढ़ सकती हैं। हालांकि हाथ में एक, दो या तीन मणिबंध रेखाएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि इनका अर्थ क्या होता है।

अगर कलाई में एक सीधी रेखा है और इसके अलावा मणिबंध रेखाएं नहीं हैं तो समझ जाइए, जीवन भर आपका स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आपको सेहत से बढ़ती उम्र के साथ भी खराब नहीं होगी। हालांकि यह रेखा कटी हुई हो तो कुछ परेशानियां जरूर पैदा हो सकती हैं। हथेली में दूसरी मणिबंध रेखा समृद्धि और धन-धान्य को दर्शाती है। जिन लोगों की हथेली में ये दूसरी मणिबंध रेखा भी देखने को मिलती है वो पारिवारिक जीवन में अच्छे परिणाम प्राप्त करते हैं। ऐसे लोगों को कभी भी पैसे से जुड़ी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता। ज्यादातर ऐसे लोगों के पास पुश्तैनी जायदाद भी होती है। अगर ऐसा ना भी हो तो ये किस्मत और मेहनत के दम पर अपना अलग मुकाम बना पाने में कामयाब होते हैं। वैवाहिक जीवन में भी इनको अच्छे रिजल्ट मिल सकते हैं।

वहीं अगर किसी व्यक्ति के हाथ में अगर तीसरी मणिबंध रेखा भी है तो ऐसा व्यक्ति सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसे लोगों को समाज में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है। इनकी गिनती गणमान्य लोगों में हो सकती है। ऐसे लोग ज्ञानी होते हैं और अपने ज्ञान से संसार में अच्छे परिवर्तन लाने का भी ये प्रयास करते हैं। परिस्थितियों को भांपने की भी इनमें अच्छी क्षमता होती है।

हथेली में चार मणिबंध रेखाओं वाले व्यक्ति बहुत कम ही होते हैं, लेकिन अगर किसी के हाथ में चार मणिबंध रेखाएं हों तो ऐसा व्यक्ति बहुत लंबी और सुखद जिंदगी जीता है।

क्या होता है गर्भगृह? क्यों बनाया जाता है हर बड़े मंदिर में

हिंदू मंदिरों में गर्भगृह बनाये जाते हैं। खासकर हर बड़े मंदिर में आपको गर्भगृह देखने को मिलता ही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये गर्भगृह बनाए क्यों जाते हैं? अगर आपको इसकी जानकारी नहीं है तो इसी संबंध में हम आपको जानकारी देंगे। साथ ही हम आपको बताएंगे कि, गर्भगृह में जानें के नियम क्या होते हैं और क्यों इस स्थान को बेहद पवित्र माना जाता है।

क्या होता है गर्भगृह

धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि, मंदिर का गर्भगृह मंदिर का हृदय स्थान या ब्रह्म स्थान होता है। गर्भगृह में मंदिर के देवी या देवता की मूल मूर्ति को स्थापित किया जाता है। यही वह स्थान होता है जहां देवताओं को स्नान, भोग और विश्राम करवाया जाता है। इसके साथ ही इसी स्थान पर पूजा पाठ का भी विधान होता है। देवी-देवता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करने के बाद यह स्थान अत्यंत पवित्र हो जाता है। हिंदू धर्म के प्रमुख मंदिर और उनका गर्भगृह वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाए गए हैं। इनमें भक्तों के दर्शन का स्थान और परिक्रमा स्थान भी बनाया गया है। इसके साथ ही गर्भगृह के द्वारा को छोटा रखा जाता है, ऐसा इसलिए कि परमात्मा के सामने छोटा-बड़ा हर व्यक्ति सिर झुकाकर जाए। गर्भगृह का आकार ज्यादातर चौकोर या आयताकार होता है।

इस स्थान में प्रमुख देवता की मूर्ति के साथ ही उनके परिवार के सदस्यों की मूर्तियां भी स्थापित की जाती है। जैसे शिव जी के देवस्थान में माता पार्वती और उनके पुत्रों की मूर्तियां होती हैं, वहीं विष्णु जी के साथ लक्ष्मी और राम जी के साथ-सीता। इसके अलावा गर्भगृह के द्वार खोलने और बंद करने का भी नियम होता है, सुबह एक नियत समय पर ही द्वार खोले जाते हैं और सही समय पर ही बंद किए जाते हैं। बदरीनाथ, केदारनाथ जैसे देवालयों में 6 महीने तक कपाट बंद रहते हैं, इसलिए जब कपाट खुलते हैं तो बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं और वाद्ययंत्रों की गूंज के साथ कपाट खोलने की प्रक्रिया की जाती है।

क्यों हर बड़े मंदिर में होता है गर्भगृह

हिंदू धर्म में हर बड़े मंदिर में गर्भगृह इसलिए बनाया जाता है, ताकि देवस्थान की पवित्रता बनी रहे। गर्भगृह में वही पुजारी भगवान को भोग लगाता है जो पूरी पवित्रता बनाए रखे हो। इस स्थान में हर किसी को जाने की इजाजत नहीं दी जाती, अगर हर व्यक्ति की पहुंच यहां तक होगी तो देव स्थान की पवित्रता भंग हो सकती है। गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, माना जाता है कि पवित्रता बरतते हुए अगर कोई इस स्थान में प्रवेश करता है तो उसकी सभी पीड़ाएं समाप्त हो सकती हैं। यह एक ऐसा स्थान होता है जहां ऊर्जा और शांति का वास रहता है। साथ ही, इस स्थान में बहुत कम लोगों को ही जाने की इजाजत होती है इसलिए हर मंदिर में गर्भगृह का होना अनिवार्य होता है। यह स्थान एकांत में होता है इसलिए देवी-देवताओं को आसानी से यहां स्नान, भोग आदि लगाया जा सकता है।

शर्मिला टैगोर की बात सुन भन्ना जाएंगी करीना, माथा पीट लेंगे रणबीर कपूर, फूले नहीं समाएंगे आमिर खान

शर्मिला टैगोर इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. उन्होंने बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' और हिट फिल्म 'क्रू' देखने के बाद अपना रिव्यू दिया. इसके अलावा उन्होंने बताया कि उन्होंने किरण रॉय की फिल्म 'लापता लेडीज' को भी देखा. अब इन तीनों फिल्मों के बाद उन्होंने अपनी फीलिंग शेयर की और बताया कि उन्हें कौन सी फिल्म सबसे बेस्ट लगी.

शर्मिला टैगोर ने हिट फिल्म क्रू पर अपनी राय साझा की. बता दें कि इस फिल्म में करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन लीड रोल में थी. यह फिल्म एविएशन इंडस्ट्री की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें सभी चीजें मजेदार हैं. हालांकि शर्मिला को यह फिल्म बेहद 'बेतुकी' लगी.

शर्मिला ने 'क्रू' का रिव्यू करते हुए कहा- इस फिल्म की एक अच्छी बात थी कि ये उस सोच पर वार करती है कि महिला ही महिला की दुश्मन है लेकिन बाकी सब पर यकीन करना बेहद मुश्किल है. जैसे फिल्म के एक सीन में प्लेन लैंडिंग का सीन, एक तिजोरी तोड़ रही है और तीनों औरतों अलग अलग चीजें करती आ रही हैं. ये थोड़ा हकीकत से परे लगता है. बेशक इस फिल्म में तीन लीड एक्ट्रेसेज थीं और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा बिजनेस रहा है. ऐसे में जाहिर है इस तरह की फिल्मों के लिए दरवाजे खुले हैं. इसका बस यही फायदा मिला कि फिल्म मेकर्स को ये भरोसा मिल गया है कि वुमेन सेंट्रिक फिल्में भी चल जाती हैं.

'एनिमल' फिल्म जो रणबीर कपूर के करियर की बेहद खूबसूरत फिल्मों में मानी जाती है. इस फिल्म का रिव्यू करते हुए शर्मिला ने कहा - एनिमल में महिलाओं के प्रति द्वेष था. लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं जो चाहती हैं कि उन्हें उसी तरह प्यार मिले जैसा कि फिल्म में दिखाया गया है. उन्होंने बताया कि फिल्म को लेकर बहस और विवाद के बावजूद, कोई भी इसकी बॉक्स ऑफिस सफलता को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता. दर्शकों में बहुत सी महिलाएं थीं जिन्होंने कहा कि मैं चाहती हूं कि कोई मुझे भी ऐसे ही प्यार करे.

उन्होंने कहा कि कोई भी फिल्म जो बहुत चलती है, आप उसे बकवास नहीं कह सकते. आपको उससे जुड़ना होगा, कोशिश करनी होगी और समझना होगा कि वास्तव में यहां क्या हो रहा है.

शर्मिला ने यह भी कहा कि जिस बजट पर फिल्में बनती हैं, उसमें अंतर हमेशा यह निर्धारित करता है कि कोई फिल्म हिट है या नहीं. किरण राव की फिल्म लापता लेडीज से एनिमल की सफलता की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि बाद वाली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सैकड़ों करोड़ नहीं कमाए, लेकिन यह अपने आप में एक हिट फिल्म थी क्योंकि यह छोटे बजट में बनी थी. लापता लेडीज काफी खूबसूरत फिल्म है. बता दें कि फिल्म लापता लेडीज को आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म के निर्देशक आमिर की एक्स वाइफ किरण राव हैं.

'डबल एक्सएल' एक्ट्रेस हुमा कुरैशी की शादी की चर्चा, छा गईं रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग तस्वीरें

सोनाक्षी सिन्हा की बेस्ट फ्रेंड्स में से एक हुमा कुरैशी भी उनकी शादी के बाद रिसेप्शन पार्टी में शामिल हुई थीं। इस पार्टी में हुमा कुरैशी अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह के साथ पहुंची थीं। इस मौके की ढेर सारी तस्वीरों में दोनों साथ-साथ नजर आ रहे हैं। अब खबर है कि सोनाक्षी के बाद शादी के बंधन में बंधने वाली अगली जोड़ी हुमा कुरैशी की है।

बता दें कि हुमा और रचित की डेटिंग की खबरें तेज हैं। सोनाक्षी की शादी की इन तस्वीरों में 'डबल एक्सएल' में साथ नजर आ चुकीं हुमा कुरैशी को रचित के साथ देखकर उनकी लव स्टोरी की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि इसे लेकर दोनों में से

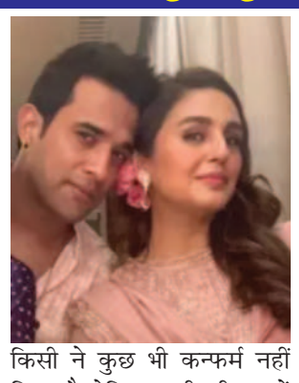

किसी ने कुछ भी कन्फर्म नहीं किया है लेकिन शादी की खबरों का सिलसिला अब इन्हें लेकर शुरू हो चुका है।

कौन हैं ये रचित सिंह

हुमा कुरैशी को तो आप जानते ही हैं लेकिन अगर रचित को लेकर आपके मन में सवाल हैं तो बता दें कि वो जाने माने एक्टिंग कोच और एसपायरिंग एक्टर हैं। बताया जाता

है कि वह आलिया भट्ट से लेकर रणवीर सिंह, वरुण धवन, विक्की कौशल, अनुष्का शर्मा जैसे कई कलाकारों के साथ एक्टिंग कोच के तौर पर भी काम कर चुके हैं। वहीं रचित रवीना टंडन की वेब सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में भी दिख चुके हैं, जिसमें उन्होंने वेदांत का किरदार निभाया था।

रचित से पहले हुमा के बॉयफ्रेंड कौन थे

बताते चलें कि रचित से पहले हुमा ने डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर मुद्दसर अजीज को डेट किया था। हालांकि, दोनों कई साल पहले अलग हो चुके हैं। खबर है कि करीब तीन साल तक डेट करने के बाद हुमा और मुद्दसर का साल 2022 अक्टूबर में ब्रेकअप हो गया था।

'हीरामंडी' में शर्मिन को देख शरवरी ने कह दी दिल की बात, करियर के शुरुआती दिनों का किया जिक्र

शरवरी वाघ की गिनती प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में होने लगी है। वह धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना मुकाम बनाने की ओर बढ़ रही हैं। उन्हें दर्शकों और फिल्म आलोचकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। हाल में ही उनकी फिल्म 'मुंजा' रिलीज हुई है। इस फिल्म में भी उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई है। आज हर कोई उनके बारे में बात कर रहा है। इस फिल्म के बाद से अभिनेत्री की लोकप्रियता राष्ट्रीय स्तर पर काफी बढ़ी है। हाल में ही उन्होंने हीरामंडी अभिनेत्री शर्मिन सहगल को लेकर भी प्रतिक्रिया दी है।

बतौर सहायक निर्देशक शरवरी और शर्मिन ने की थी शुरुआत

शरवरी इस वक्त 'मुंजा' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच वह काफी इंटरव्यू भी दे रही हैं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने शर्मिन सहगल को लेकर बात की है। दोनों ही अभिनेत्रियों ने अपने करियर की शुरुआत में रणवीर सिंह और दीपिका अभिनीत फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में बतौर सहायक निर्देशक काम

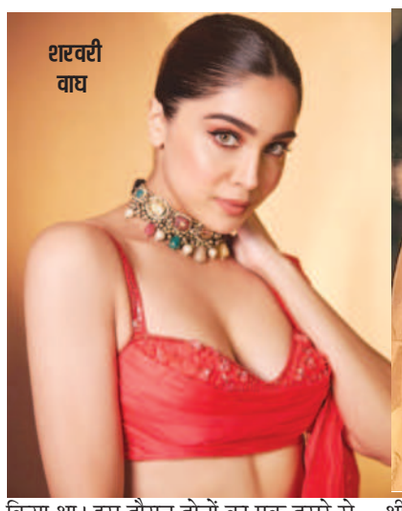

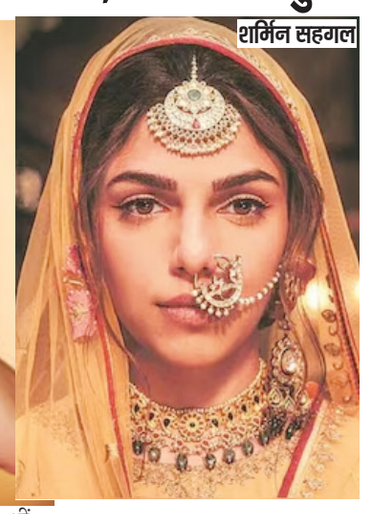

किया था। इस दौरान दोनों का एक दूसरे से परिचय हुआ था। गौरतलब है कि दोनों ही अभिनेत्रियां अपने-अपने काम के लिए काफी चर्चा बटोर रही हैं। शरवरी 'मुंज्या' के लिए तारीफें बटोर रही हैं। वहीं, शर्मिन मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं।

'हीरामंडी' में शर्मिन को देख कर खुश हैं शरवरी

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने शर्मिन को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि 'बाजीराव मस्तानी' की शूटिंग के दौरान उन्हें काफी आनंद आया, क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें संजय लीला भंसाली जैसे निर्देशक का मार्गदर्शन मिला। इस इंटरव्यू के दौरान शर्मिन को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों अलग-अलग यूनिट में काम करते थीं, लेकिन एक-दूसरे से उनकी जान-पहचान हो चुकी थी। शरवरी ने बताया कि उन्हें तब से पता था कि शर्मिन एक अभिनेत्री बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों में अभिनय और प्रदर्शन के लिए जुनून था और मैं उन्हें हीरामंडी में देखकर बहुत खुश हूं।

'वेदा' में जॉन अब्राहम के साथ आएंगी नजर

बात करें शरवरी के वर्क फ्रंट की तो फिलहाल वह 'मुंजा' की सफलता का आनंद उठा रही हैं। इसके अलावा वह जुनैद खान की हालिया रिलीज फिल्म 'महाराज' में भी कैमियो करती नजर आईं हैं। इसके बाद उनकी एक एक्शन फिल्म 'वेदा' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह अभिनेता जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह आलिया भट्ट के साथ यशराज की एक जासूसी पर आधारित फिल्म में नजर आने वाली हैं।

अमिताभ बच्चन ने मुंबई में खरीदा नया दफ्तर पहले से इतनी प्रॉपर्टी के मालिक हैं बिग बी

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। उम्र के इस पड़ाव पर भी वह काफी सक्रिय हैं और लगातार काम कर रहे हैं। अभिनेता

अपनी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उन्होंने महाभारत के चर्चित पात्र अश्वत्थामा का किरदार निभाया है। अब तक जारी हुए ट्रेलर में वह काफी दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म आगामी गुरुवार को रिलीज होने वाली है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा अमिताभ इन दिनों प्रॉपर्टी खरीदने को लेकर भी काफी चर्चा में हैं। अभिनेता ने हाल में ही मुंबई मे करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी है।

मुंबई में खरीदी 59.58 करोड़ रुपये मूल्य की तीन प्रॉपर्टी

इस वक्त अमिताभ बच्चन द्वारा मुंबई में करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदे जाने की खबरें सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता ने मुंबई में 59.58 करोड़ रुपये की कुल कीमत के तीन कार्यालय संबंधी प्रॉपर्टी खरीदी है। उनकी खरीदी हुई ये तीनों 2701, 2801 और 2901 नंबर प्रॉपर्टी 8,429 वर्ग फीट के संयुक्त क्षेत्र में फैली हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वीर सावरकर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुए इस सौदे में तीन कार पार्किंग स्थल भी शामिल हैं और इसके लिए उन्होंने 3.57 करोड़ रुपए की स्टैम्प ड्यूटी भी चुकाई है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उनका ये ऑफिस सिग्नेचर बिल्डिंग में हैं, जहां काजोल, सारा अली खान और कार्तिक आर्यन जैसे स्टार्स के ऑफिस भी हैं। मुंबई मे पहले से हैं चार बंगले, जिनमें जलसा,जनक,वत्स और प्रतीक्षा हैं शामिल।

गोल्ड स्कीम मामले में धोखाधड़ी के आरोपों पर शिल्पा-राज ने तोड़ी चुप्पी, जारी किया आधिकारिक बयान

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर हाल ही में, एक निवेशक को सोने की योजना में धोखा देने का आरोप लगाया गया था। अभिनेत्री और उनके पति ने 2014 के गोल्ड स्कीम धोखाधड़ी मामले में चुप्पी तोड़ी है। मुंबई के व्यापारी पृथ्वीराज सरेमल कोठारी के आरोपों का जवाब देते हुए कपल ने किसी भी अपराध को करने से इनकार किया है। शिल्पा और राज ने आज यानी 26 जून को अपने वकील प्रशांत पाटिल के जरिए अपना आधिकारिक बयान साझा किया है। आइए जानते हैं शिल्पा और राज ने क्या कहा है।

पृथ्वीराज सरेमल कोठारी की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के आधिकारिक बयान से पता चलता है कि कपल जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करते हुए कानूनी रूप से इस मुद्दे से निपटेंगे। बयान के अनुसार, शिकायतकर्ता ने 2022 में राज और शिल्पा के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। उसी साल पुलिस की जांच के बाद पाया गया कि शिकायतकर्ता ने भुगतान के वैध माध्यम से 90 लाख रुपये की पूरी

कथित राशि प्राप्त की थी।

शिल्पा और राज के वकील के बयान में कहा गया है, मेरे मुवक्किलों ने ईमानदारी से ये दस्तावेज पुलिस विभाग को सौंपे थे। मामले की सच्चाई जानने के बाद पुलिस ने मेरे मुवक्किलों को न्याय दिलाया। बयान में आगे बताया गया है कि जांच के बाद शिकायतकर्ता ने न्यायालय में सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत निजी शिकायत दर्ज कराई। अब दो साल बाद न्यायालय ने पुलिस को मामले की दोबारा जांच करने का निर्देश दिया है।

बयान में कहा गया है, हमें जांच की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर पूरा भरोसा है। सच्चाई सामने आएगी। मेरे मुवक्किलों ने कोई अपराध नहीं किया है और यह मेरे मुवक्किलों के पास मौजूद दस्तावेजों से साबित हो चुका है। साथ ही कहा गया है कि शिकायतकर्ता और कपल के बीच हुए चालान से पता चलता है कि उक्त अनुबंध में मध्यस्थता का प्रावधान है।

बयान में आगे कहा गया है, यदि शिकायतकर्ता को कथित ब्याज राशि के बारे में कोई शिकायत है, तो निश्चित रूप से मध्यस्थता का प्रावधान लागू किया जा सकता है। हालांकि, कमर्शियल विवादों को निपटाने के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के कार्य को सर्वोच्च न्यायालय और हमारे देश के विभिन्न माननीय उच्च न्यायालयों के निर्णयों द्वारा अस्वीकृत किया गया है। अंत में, बयान में कहा गया है कि शिल्पा और राज जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करते हुए कानूनी रूप से लड़ाई लड़ेंगे।

लंदन में 17 घंटे एयरपोर्ट पर फंसी रहीं अदिति

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' के लिए चर्चा में हैं। उन्होंने संजय लीला भंसाली की डेब्यू सीरीज में बिब्बो जान का किरदार निभाया है। इसके अलावा अदिति हाल ही में, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की रिसेप्शन पार्टी में भी नजर आई थीं। अब हाल ही में अभिनेत्री लंदन पहुंची थीं और उनके साथ वहां कुछ ऐसा हो गया, जिसके बाद उन्हें अपने इस फैसले पर जरूर पछतावा हुआ होगा।

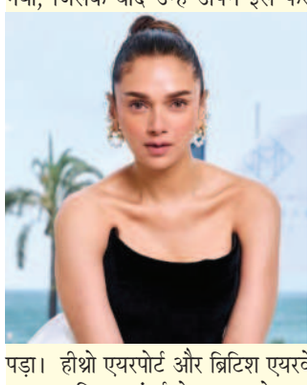

आइए जानते हैं कि मामला क्या है। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने हीथ्रो एयरपोर्ट और ब्रिटिश एयरवेज के खिलाफ एक्स पर अपनी शिकायत लिखी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अभिनेत्री को और अन्य यात्रियों को उनके सामान के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। एयरलाइन द्वारा जल्द से जल्द समाधान का वादा करने के बावजूद अभिनेत्री को 17 घंटे बाद भी अपने लगेज के लिए इंतजार करना पड़ा। हीथ्रो एयरपोर्ट और ब्रिटिश एयरवेज को निशाने पर लेते हुए अदिति ने एक्स पर लिखा, मुंबई से फ्लाइट दोपहर 2:15 बजे लंदन में उतरी। अभी शाम के 6:02 बज रहे हैं। थके हुए यात्री, भूखे बच्चे, व्हीलचेयर पर बैठे लोग खाली लगेज बेल्ट पर इंतजार कर रहे हैं, उनके पास कोई जानकारी नहीं है और कोई जिम्मेदारी नहीं है, सिवाय क्यूआर कोड के, जो उस एयरपोर्ट के लिए दिए जा रहे हैं, जहां कथित तौर पर तकनीक क्रैश हो गई है! जब ब्रिटिश एयरवेज ने उनसे माफी मांगी, तो अदिति ने जवाब दिया, एयरपोर्ट पर 5 घंटे तक इंतजार किया... और अब मैं अपने बैग के बिना एयरपोर्ट से निकल रही हूं, जैसा कि कई अन्य परेशान लोग हैं। जिन लोगों के पास दवाइयां, एपिपेन और अन्य जरूरी सामान हैं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि हमें 24 घंटे के भीतर हमारा सामान मिल जाएगा। इस गड़बड़ी के लिए माफी मांगना वाकई काफी नहीं है... यह शर्मनाक है।

अर्जुन कपूर की बर्थडे पार्टी में नहीं नजर आईं मलाइका अरोड़ा, फैंस बोले- पक्का ब्रेकअप हो गया

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के रिश्ते को लेकर लंबे समय से खबर आ रही है कि दोनों का ब्रेकअप हो चुका है। हालांकि दोनों में से किसी ने इस खबर की पुष्टि नहीं की। हालांकि अब ये बात सच होती नजर आ रही है। 26 जून को अर्जुन कपूर का 39वां जन्मदिन था और उन्होंने इस दिन ग्रैंड पार्टी की, जिसमें बॉलीवुड से जुड़े लोग और परिवार वाले शामिल हुए, लेकिन मलाइका नदारद दिखीं।

अर्जुन कपूर की बर्थडे पार्टी में आदित्य रॉय कपूर, जान्हवी कपूर, वरुण धवन, संजय कपूर, महीप कपूर समेत कई स्टार्स पहुंचे थे, लेकिन मलाइका कहीं नजर नहीं आईं। जिसके बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है और ये बात वह लोग दुनिया से छिपा रहे हैं।

बता दें कि लंबे समय से दोनों के रिश्ते में खटास की खबरें आ रही हैं। इसी बीच मलाइका ने कई बार इंस्टाग्राम पर क्रिप्टिक पोस्ट भी शेयर की, जो उनके रिश्ते में आई दरार की तरफ इशारा करती

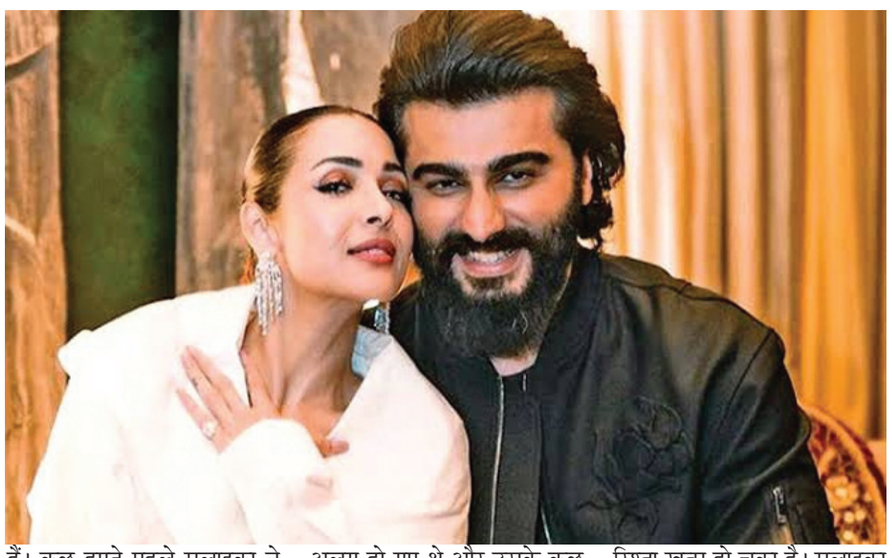

हैं। कुछ हफ्ते पहले मलाइका ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें लिखा था, "सिर्फ वही लोग आपकी लाइफ में डिजर्व करते हैं जो आपको प्यार देते हैं और आपकी रिस्पेक्ट करते हैं।"

सालों तक साथ रहने के बाद हुए अलग?

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान साल 2017 में एक दूसरे से अलग हो गए थे और उसके कुछ समय बाद से ही मलाइका और अर्जुन का अफेयर शुरू हुआ था। दोनों अकसर साथ में स्पॉट किए जाते थे और 2019 में उन्होंने अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया था। इनकी बात परिवार तक भी पहुंची थी और कई बार इनकी शादी की अफवाह भी उड़ी, लेकिन अब लगता है कि शायद ये रिश्ता खत्म हो चुका है। मलाइका ने 25 जून को करिश्मा कपूर के जन्मदिन पर उन्हें बधाई देने के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था, लेकिन अर्जुन के जन्मदिन पर न तो वह खुद नजर आईं और न उन्होंने इंस्टाग्राम पर कोई पोस्ट शेयर किया। ऐसे में फैंस ये सोचने पर मजबूर हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ चुकी है।

किरकिरी होने के बाद नागार्जुन ने पूरी की फैन की मुराद जिसे बॉडीगार्ड ने मारा धक्का, उसे लगाया गले

बीते दिनों साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता नागार्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। उसमें वे मुंबई एयरपोर्ट से निकलकर आ रहे थे। इस दौरान एक दिव्यांग प्रशंसक उनसे मिलने के लिए दौड़ा, लेकिन नागार्जुन के बॉडीगार्ड ने प्रशंसक को न सिर्फ रोक दिया, बल्कि जोर से धक्का भी मारा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने नागार्जुन की आलोचना की। वीडियो वायरल होते देख नागार्जुन ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी। अब उन्होंने इस प्रशंसक से मुलाकात भी की है।

नागार्जुन के बॉडीगार्ड ने जिस दिव्यांग प्रशंसक को धक्का मारा था, अभिनेता आज उससे मिलते नजर आए हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जो विरल भियानी के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया है। इसमें वे प्रशंसक को गले लगाते दिख रहे हैं। साथ ही कहते दिख रहे हैं, 'आपकी गलती नहीं थी'।

दो दिन पहले ही नागार्जुन मुंबई

एयरपोर्ट पर नजर आए थे। इस दौरान उनके साथ एक्टर धनुष और उनका बेटा भी साथ थे। अभिनेता की सुरक्षा के लिए आसपास कई बॉडीगार्ड्स साथ चल रहे थे। भी एक दिव्यांग फैन अचानक नागार्जुन के करीब आया, जिसे बॉडीगार्ड ने खींचकर दूसरी तरफ धक्का देते हुए हटाया। बॉडीगार्ड ने धक्का इतनी तेज दिया कि शख्स गिरते-गिरते बचा। यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद नागार्जुन ने एक्स पर पोस्ट कर माफी मांगी।

नागार्जुन ने वायरल वीडियो री-शेयर कर लिखा, 'यह अभी मेरे संज्ञान में आया है... ऐसा नहीं होना चाहिए था!! मैं उस सज्जन से माफी मांगता हूं और भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक सावधानी बरतूंगा'!! लोगों ने उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भी खूब आलोचना की और कहा कि आपने सबकुछ नोटिस किया था, लेकिन फिर भी नजरअंदाज कर दिया। सोशल मीडिया यूजर्स ने न सिर्फ नागार्जुन बल्कि, धनुष की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, धनुष ने भी इस मामले में कुछ नहीं किया, जबकि उन्होंने सब देखा था।

आज बुधवार को नागार्जुन ने अपने उस दिव्यांग प्रशंसक से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने फैन को गले लगाया। इस दौरान फैन की खुशी भी देखने लायक थी। इस पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जब सबने वाट लगा दी, तब सुधरे'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'यही है सोशल मीडिया की ताकत'। एक यूजर ने लिखा, 'नुकसान पहले ही हो चुका है। अब क्या फायदा?'

बच्चे की परवरिश में ही उलझ पड़ते हैं मां-बाप ये सलाह मान ली तो घर में रहेगी सुख-शांति

बच्चों की परवरिश करना किसी भी एक पेरेंट का काम नहीं है बल्कि इसमें मां-बाप दोनों की अहम भूमिका होती है। कई बार मां और बाप का पेरेंटिंग स्टाइल यानी उनके परवरिश करने का तरीका एक-दूसरे से काफी अलग होता है और इस चक्कर में दोनों के बीच अक्सर टकराव देखने को मिलता है।

अगर आपके घर में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है, तो आज इस आर्टिकल की मदद से आप जान सकते हैं कि इस सिचुएशन को आपको कैसे हैंडल करना चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं कि पेरेंट्स के पेरेंटिंग स्टाइल में मतभेद होने पर क्या करना चाहिए या क्या करना सही होता है।

कॉमन ग्राउंड देखें

जब पेरेंट्स बच्चों के लिए सही नियम बनाते हैं, तब बच्चे ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। जब मां-बाप बच्चे के अलग-अलग नियम बनाते हैं या एक-दूसरे के नियमों का उल्लंघन करने के लिए कहते हैं, तो ऐसी स्थिति में बच्चा कंफ्यूज हो सकता है। आप दोनों एक-दूसरे से बात कर लें और इस कफ्यूजन को दूर कर लें।

बात करते रहें

परिवार की समस्याओं, जरूरतों और शेड्यूल के बारे में आप रोज बात करें। जिन चीजों को लेकर परेशानियां हो रही हैं, उन पर आराम से बात करें। बात करने से हर समस्या को हल किया जा सकता है इसलिए आप इस तरीके से अपने मतभेदों को सुलझाने की कोशिश करें।

बच्चे को बीच में न लाएं

आप बच्चे को अपने मतभेदों के बीच में लेकर न आएं। जैसे कि आप बच्चे को शनिवार को लाइब्रेरी ले जाना चाहते हैं और आपका पार्टनर उसे हाइक पर ले जाना चाहते हैं। आप कॉम्प्रोमाइज और को-ऑपरेट का रास्ता देखें। बहस करने से कोई फायदा नहीं है इसलिए इससे बचना ही बेहतर होगा। आप दोनों की प्राथमिकता अपने बच्चे को अच्छी परवरिश देना है न कि उसके लिए मुश्किलें खड़ी करना है।

बंद दरवाजे में जताएं असहमति

पेरेंटिंग को लेकर या अन्य किसी बात को लेकर आपके और आपके पार्टनर के बीच असहमति है, तो आप उसे अपने बच्चे के सामने ही हल करने की गलती न करें। आप अकेले में अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। जब आपका पार्टनर बच्चे को डिसिप्लिन सिखा रहा हो, तब आप बीच में दखल न दें। इससे बच्चे को लगेगा कि आपके पार्टनर की ज्यादा वैल्यू नहीं है।

एक-दूसरे को सपोर्ट करने की कोशिश करें

आप दोनों एक-दूसरे को सपोर्ट करने और समझने की कोशिश करें। बात करें कि आप दोनों को एक-दूसरे के पेरेंटिंग स्टाइल में क्या अच्छा लगता है, आप कैसे एक-दूसरे को सपोर्ट कर सकते हैं और कहां पर सुधार की जरूरत है। इससे आपको एक-दूसरे की खामियां निकालने के बजाय अपनी कमियों को ठीक करने का मौका मिलेगा।

फ्रिजर में रखने के बाद भी क्यों पिघल जाती है आइसक्रीम, ये गलतियां होती हैं बड़ी वजह

भीषण गर्मी ने लोगों को जीना मुहाल कर दिया है, कूलिंग और ठंडी खाने-पीने की चीजों से लोगों को प्यार हो गया है। एक यही हैं जो तपन से राहत दिलाने का काम करती हैं। इनमें आइसक्रीम की तो बात ही अलग है, दुनिया में बहुत की कम इंसान होंगे तो कहेंगे कि उन्हें आइसक्रीम पसंद नहीं। सभी की पसंदीदा आइसक्रीम की डिमांड गर्मियों में सबसे ज्यादा रहती है।

आइसक्रीम यहां रखें

आइसक्रीम को फ्रिजर में रखते वक्त आपको ध्यान देना है कि दरवाजे के यहां कभी नहीं रखें। क्योंकि फ्रीजर के अंदरूनी हिस्से के मुकाबले दरवाजे के पास तापमान अलग होता है, जिसकी वजह से आइसक्रीम पिघल जाती है। इसके अलावा कभी भी स्मेल करने वाले खाद्य पदार्थ को आइसक्रीम के साथ ना रखें। इसकी वजह से न सिर्फ आइसक्रीम का टेस्ट खराब हो सकता है, बल्कि स्मेल पर भी असर पड़ेगा।

तापमान का रखें ध्यान

कई बार फ्रिज में बर्फ जम जाती है लेकिन आइसक्रीम नहीं। तो इसका सबसे बड़ा कारण है कि आइसक्रीम को जमने के लिए न्यूनतम -12 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है, हालांकि सबसे बेहतर तापमान -18 डिग्री सेल्सियस माना जाता है। जबकि पानी 0 डिग्री सेल्सियस पर जमने लगता है। ऐसे में कंप्रेसर पूरी क्षमता से काम नहीं भी कर रहा है तब भी बर्फ जमेगी लेकिन आइसक्रीम पिघल जाएगी। इसलिए कंप्रेसर को ठीक कराने की जरूरत होगी, साथ ही आप तापमान भी आइसक्रीम को जमाने के हिसाब से सेट करें।

ढक्कन से भी पड़ता फर्क

जब भी आइसक्रीम फ्रिज में रखते हैं तो उसका ढक्कन सही से लगाना चाहिए। दरअसल ढक्कन ठीक से नहीं लगा होने पर आइसक्रीम हवा के संपर्क में आती है, जिसकी वजह से इसके पिघलने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं कई बार फ्रीजर बहुत ज्यादा खाली होने से भी फर्क पड़ता है क्योंकि फ्रीजर में सामान रहने से ठंडी हवा वहीं बंध जाती है और आइसक्रीम जमी रहती है।

बीड़ी-गुटके से दांतों पर जम गई पीली काई? तेल में ये चीज डालकर रगड़ें, सुबह तक दूध सी चमकेगी बत्तीसी

बीड़ी, सिगरेट पीने, तंबाकू और गुटका खाने से दांत खराब होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। आपने देखा होगा कि ऐसे लोगों के दांतों पर पीले रंग की काई जम जाती है और कुछ लोगों के दांत काले भी हो जाते हैं। बीड़ी का धुंआ और तंबाकू दांतों को सिर्फ पीला ही नहीं करता बल्कि मुंह की बदबू, पायरिया, दांतों का कमजोर होना, मसूड़ों में खून आना, दांतों का गलना या उखड़कर गिरना आदि समस्याएं हो सकती हैं।

दांतों को सफेद और मजबूत करने के उपाय? दांतों को सफेद करने का आसान तरीका तो यही है कि ऐसी स्थिति में आप गुटका और तंबाकू छोड़ दें। इसके अलावा अगर आप डॉक्टर के बिना भी दांतों को सफेद करना चाहते हैं, तो आप नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

दांतों के लिए नारियल का तेल

नारियल के तेल को दांतों को चमकाने के लिए काफी पसंद किया जाता है। नारियल का तेल वास्तव में प्लैक को कम करने, मसूड़ों की सूजन को रोकने और यहां तक कि सांस की दुर्गंध को भी कंट्रोल करने में मदद करता है।

ऑयल पुलिंग भी है बेहतर उपाय

नारियल तेल को ऑयल पुलिंग के लिए भी बेहतर माना जाता है। मुंह में रहने वाले बैक्टीरिया फैटी झिल्ली से घिरे होते हैं और ऑयल पुलिंग से प्लैक को कम करने में मदद मिलती है और दांत भी चमकते हैं।

दांत और मसूड़ों के लिए नारियल तेल के फायदे

यह बहुत सस्ता है, खासकर अन्य व्हाइटनिंग उपचारों की तुलना में

यह गले की खराश को शांत करता है

फटे और सूखे होठों को ठीक करने में मदद करता है

मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद करता है

यह मुंह में झाग नहीं बनता

इसमें कोई हानिकारक रसायन नहीं होते

इस्तेमाल करने में आसान

मुंह में सूजन कम करता है

मसूड़ों से खून आने को रोकने में मदद करता है

नारियल के तेल से दांत कैसे सफेद करें

नारियल के तेल से दांत सफेद करने के लिए एक चम्मच तेल अपने मुंह में रखें और इसे 5 से 20 मिनट तक अपने मुंह में घुमाना शुरू करें। आपको इसे अच्छी तरह घुमाना होगा ताकि मसूड़ों और दांतों सहित सभी हिस्सों ता पहुंच जाए। इसके बाद थूक दें और पानी से कुल्ला कर लें।

नारियल तेल में मिलाएं हल्दी

हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं। इसमें मौजूद करक्यूमिन यौगिक को सफेद करने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। बस 1/2 चम्मच हल्दी को 1/4 चम्मच पिघले नारियल के तेल के साथ मिलाएं और इसे टूथपेस्ट की तरह इस्तेमाल करें। बेहतर नतीजों के लिए इस मिश्रण को अपने दांतों पर 5 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से ब्रश कर लें।

क्या आपके पौधे में भी गुलाब की जगह दिखती हैं सिर्फ पत्तियां, तो तुरंत आजमा लें माली वाली ट्रिक

गुलाब का पौधा हर कोई अपने घर में लगा लेता है, लेकिन बुरा तब लगता है जब प्लांट में सिर्फ पत्तियां नजर आती हैं फूल खिलते ही नहीं। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है तो माली वाली आसान ट्रिक्स जान लीजिए। इससे आपका गार्डन या बालकनी गुलाब के फूलों से खिल उठेगी।

गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोगों के घर में गुलाब का पौधा जरूर होता है। वैसे ये पौधा जितना खूबसूरत है इसकी मेंटेनेंस करना उतना ही मुश्किल काम है। कभी फूल नहीं खिलते तो कभी फंगस लग जाती है। अब गुलाब के पौधे में गुलाब ही नहीं होंगे तो बुरा लगना भी लाजमी है। क्योंकि नर्सरी में हमेशा पौधे में गुलाब के फूल रहते हैं।

इसलिए आप किसी भी वेरायटी का गुलाब लगाए , उसकी मेंटेनेंस थोड़ी ज्यादा करनी होगी। नहीं तो शुरुआत में तो उसमें फूल आएंगे, लेकिन बाद में नहीं। ऐसे में हम आपको गुलाब में फूल लाने और गार्डन को खूबसूरत बनाने के लिए माली वाली ट्रिक बता रहे हैं। जो आपके बहुत काम आने वाली हैं।

पौधे की मिट्टी बदलें

गुलाब के पौधे में फूल नहीं आने का कारण इसकी मिट्टी हो सकती है, जिसे साल में एक बार बदलने की जररूत होती है। क्योंकि मिट्टी से न्यूट्रिएंट्स खत्म होने लगते हैं इसलिए पौधे की मिट्टी को साइट से 5-6 इंच तक खोदिए और इसमें थोड़ी सी नीम खली, गोबर की खाद और फ्रेश गार्डन सॉइल मिला दें।

इससे गुलाब के पौधे को बेहतर न्यूट्रिएंट्स मिलेंगे। मिट्टी बदलने के बाद पौधे को धूप में रखें और नियमित पानी दें। वहीं अगर पौधा 2-3 साल से एक ही गमले में लगा है, तो रीपॉट करें। रीपॉटिंग से नई जड़ें निकलने की वजह से बेहतर फूल आते हैं।

कटिंग करना जरूरी

फूलों वाले पौधों की नई ब्रांच में ही फूल आते हैं, इसलिए कटिंग बहुत जरूरी होती है। हर मौसम में पौधे की छंटाई करनी चाहिए, इससे नई कोपलें फूटेंगी और पौधा लंबाई में बढ़ने की जगह घना होने लगेगा। पौधे की कटिंग करते समय ध्यान रखें कि गुलाब में कीड़े बहुत जल्दी लगतो हैं और फंगस का खतरा भी रहता है।

ऐसे में कटिंग वाली जगह में हल्दी या फिर फंगीसाइड लगाना बिल्कुल भी न भूलें। साथ ही पौधे को कीड़ों और फंगस से बचाने के लिए नीम ऑयल को पानी मिलाकर इसका छिड़काव करें।

गुलाब के पौधे के लिए खाद

हैवी फीडर वाले इस पौधे से अच्छी फ्लावरिंग चाहिए तो खाद भी अच्छी देनी होगी। इसके लिए एक किलो गोबर की खाद, एक किलो वर्मी कम्पोस्ट, एक किलो सीवीड एक्सट्रैक्ट ग्रेनुअल्स, और एक किलो बायोजाइम ग्रेनुअल्स इन सभी को मिलाकर पौधे के लिए एक फर्टिलाइजर मिक्स बना लीजिए। अब हर महीने मिट्टी को थोड़ा सा खोद कर इस खाद को डालें।

बारिश में ये काम करना न भूलें

बारिश के मौसम में ज्यादा पानी की वजह से गुलाब का पौधे की जड़ सड़ने का खतरा रहता है। इसलिए आपको समय-समय पर पौधे की गुड़ाई करनी चाहिए। जब भी खुला मौसम दिखे तब ऊपरी हिस्से की मिट्टी को थोड़ा सा खोद दें और घास, सड़ी हुई पत्तियां आदि साफ कर लीजिए। इसकी वजह से गुलाब के पौधे की जड़ों को हवा लगेगी, फिर यह सड़ेंगी नहीं।

चीनी तो बस बदनाम है, वैज्ञानिकों ने माना- यह छोटी सी गलती है डायबिटीज का असली कारण

डायबिटीज का क्या कारण है, डायबिटीज क्यों होती है या डायबिटीज किसे होती है? डायबिटीज के लिए हमेशा चीनी को जिम्मेदार माना जाता है। बेशक मीठे का अधिक सेवन शुगर की बीमारी का कारण बनता है लेकिन एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों को इस बात का प्रमाण मिला है कि प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करने से भी डायबिटीज का खतरा होता है क्योंकि इन्स्में खतरनाक केमिकल पाया जाता है।

'डायबिटीज' नामक जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि खाने और पीने के पैकेजों को बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन बीपीए, जो प्लास्टिक की पानी की बोतलों में भी पाया जाता है, शरीर में शुगर का संतुलन बनाने वाले हॉर्मोन 'इंसुलिन' के प्रति सेंस्टिविटी को कम कर सकता है। इस रिसर्च के नतीजे अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन में प्रस्तुत किए जाएंगे।

डायबटीज का कारण बनता है बीपीए

पहले के अध्ययनों में पहले ही यह बताया जा चुका है कि प्लास्टिक और एपॉक्सी रेजिन बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन बिस्फेनॉल ए (बीपीए) मानव शरीर में हॉर्मोन्स के संतुलन को बिगाड़ सकता है। यह पहला मौका है जब किसी शोध में बीपीए को डायबिटीज से जोड़ा गया है, लेकिन पहले किसी भी अध्ययन में इस बात का सीधा परीक्षण नहीं किया गया था।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

कैलिफोर्निया पॉलिटेक्निक स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक बयान में कहा है कि यह पहला ऐसा अध्ययन है जिसमें बताया गया है कि बीपीए का सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने इसकी मात्रा पर लगाम लगाने और प्लास्टिक बोतल का कम इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

कैसे हुआ अध्ययन

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 40 हेल्दी लोगों को शामिल किया। इन लोगों को दो ग्रुप में बांटा गया। एक ग्रुप को निष्क्रिय पदार्थ (प्लेसीबो) दिया गया, वहीं दूसरे ग्रुप को प्रति किलो ग्राम वजन के हिसाब से रोजाना लगभग 50 माइक्रोग्राम बीपीए दिया गया।

क्या निकाल नतीजा

अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को BPA दिया गया उनमें 4 दिनों बाद इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता कम हो गई। जबकि निष्क्रिय पदार्थ लेने वाले लोगों में ऐसी कोई कमी नहीं देखी गई।

प्लास्टिक बोतल से बचने की सलाह

अध्ययन में ये भी बताया गया है कि स्टेनलेस स्टील या कांच की बोतलें और बीपीए-free डिब्बे इस्तेमाल करने से बीपीए के संपर्क को कम किया जा सकता है, जिससे डायबिटीज का खतरा भी कम हो सकता है। आजकल प्लास्टिक की बोतलें हर जगह इस्तेमाल की जाती हैं। ये सुविधाजनक जरूर हैं लेकिन इनके रसायनिक तत्वों के सेहत पर पड़ने वाले खतरों को लेकर चिंताएं भी लगातार बढ़ रही हैं।

प्लास्टिक बोतल से कैंसर का भी खतरा

हाल ही में इको-एनवायरनमेंट एंड हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि धूप में पड़ी हुई प्लास्टिक की पानी की बोतलें हानिकारक रसायन छोड़ सकती हैं। कुछ खास तरह की बोतलों से बहुत जहरीले कार्बनिक तत्व निकलते हैं, जिनमें n-hexadecane जैसे कैंसर पैदा करने वाले रसायन भी शामिल हैं। ये नतीजे सेहत के लिए गंभीर खतरे की ओर इशारा करते हैं।

अज्ञेय और मर्ढेकर के साहित्य में आधुनिकता का मूल्य

अज्ञेय और मर्ढेकर हिंदी-मराठी के दो प्रमुख साहित्यकार रहे हैं। दो भिन्न भाषा, भिन्न प्रदेश, भिन्न सांस्कृतिक स्थितियाँ और भिन्न परिवेश में दोनों व्यक्तित्वों की बुनावट इन दोनों में वैषम्य के कारक हैं। किंतु दोनों ने अपनी-अपनी भाषा-साहित्य को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभायी। विशेषतः आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में इन दोनों ने साहित्य सर्जन में मौलिक योगदान दिया है। विविध विधाओं, विविध शैलियों और विविध संवेदनाओं का प्रत्याख्यान किया है। अपनी अनुभूति की प्रामाणिकता को सर्वोपरि मानते हुए अपने अनुभव जगत को सार्वकालिक सत्य के साथ सम्पृक्त किया है। दोनों लोकधर्मी चेतना के लेखक हैं।

आधुनिक हिंदी साहित्य में उदित आधुनिकता की पृष्ठभूमि और आधुनिक मराठी साहित्य में उदित आधुनिकता की पृष्ठभूमि पर तुलनात्मक दृष्टिक्षेप डालेंगे। विशेषतः दोनों भाषाओं के साहित्य में आधुनिकता के उदय संबंधी और सम-विषम रेखाओं का अध्ययन करना आवश्यक है। वे सम और विषम स्थितियाँ इस प्रकार है- आधुनिक हिंदी साहित यमें आधुनिकता तथा आधुनिक मराठी साहित्य में आधुनिकता के उदय के मूल में ब्रिटीशों का आगमन, औद्योगिक क्रांति, विज्ञान का प्रचार और प्रसार तथा नवीन इहलौकिक दृष्टिकोण कारक तत्व के रूप में काम कर रहे हैं। तकनीकी विकास दोनों भाषाओं में आविर्भूत आधुनिकता के केंद्र में कार्यरत है। आधुनिक हिंदी साहित्य में आधुनिकता तथा आधुनिक मराठी साहित्य में आविर्भूत आधुनिकता की वैचारिक पृष्ठभूमि में काफी समानता है। पश्चिमी चिंतक, कवि टी. एस. इलियट, डार्विन, फ्रायड, मार्क्स, नीत्शे की बड़ी भूमिका रही है। इनके चिंतन ने हिंदी तथा मराठी साहित्य में आधुनिकता के उदय हेतु उर्वरा भूमि बनायी। हिंदी में आधुनिकता का आरंभ हिंदी नवजागरण से और आधुनिकतावाद का आरंभ प्रयोगवाद से होता है। ठीक उसी तरह मराठी में आधुनिकता का आरंभ म. फुले के साहित्य (1855) से होता है और आधुनिकतावाद की चर्चा 1939-45 के बीच होती है। दोनों भाषाओं में लगभग एक ही समय में आधुनिकता के उदित होने का तथ्य सामने आता है। हिंदी साहित्य में आधुनिकता का जन्म साहित्य की स्थापित मान्यताओं को चुनौति देने के लिए हुआ है। ठीक यही स्थिति मराठी साहित्य में भी दिखाई देती है। आधुनिक हिंदी-मराठी साहित्य की पृष्ठभूमि में समरेखाएँ यही है कि, दोनों भाषाओं के साहित्य में प्रयोगशीलता, प्रखर बौद्धिकता, नगरीय बोध, सूक्ष्म सौंदर्यबोध तथा शिल्प में नवीनता को सर्वाधिक महत्व दिया गया। परिणामतः नया काव्य बोध, नया मूल्य बोध और नया भाव-बोध हिंदी मराठी साहित्य में प्राप्त होता है। हिंदी-मराठी साहित्य में आधुनिकता के तमाम लक्षण लक्षित होते हैं। विशेषतः व्यक्तिवादी चेतना की प्रवृत्ति दोनों में समान रूप से दिखाई देती है। आधुनिक हिंदी-मराठी साहित्य की पृष्ठभूमि में सार्त्र का अस्तित्ववाद, मार्क्स का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, स्वच्छंदता-विरोध, महानगरीय बोध आदि तत्व पाये जा सकते हैं। विशेषतः शिल्प में रूपवाद और भाव में व्यक्ति सत्य या सत्यान्वेषण की झांकि प्राप्त होती है। मनोलोक की जटिलताएँ लेकर इन दोनों भाषाओं में साहित्य सृजन हुआ। आधुनिक हिंदी-मराठी साहित्य की पृष्ठभूमि में 'वरण की स्वतंत्रता', 'स्वाधीनता की चेतना' (रचनाशीलता की स्वाधीनता) इन दो मूल्यों को सर्वाधिक महत्व दिया गया। आधुनिक हिंदी-मराठी साहित्य में दुर्बोधता और प्रश्नाकुलता को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। बदला हुआ समाजजीवन और बदली हुई समाज मानसिकता बनाम व्यक्ति मानसिकता को केंद्र में रखकर सन 1940 के बाद हिंदी-मराठी साहित्य में आधुनिकता-एक प्रवृत्ति विशेष के रूप में उभरी। करीब-करीब दोनों भाषाओं के साहित्य में व्यक्ति की अनुभूति की प्रामाणिक अभिव्यक्ति होने लगती है।

आधुनिक हिंदी साहित्य का दौर नवजागरण काल से होता है। भारतेंदु आधुनिक युग के प्रणेता बने, गद्य के उन्नायक बनें। ब्रिटिशों का आगमन, शिक्षा का आरंभ, मशीनी सभ्यता का विकास, विज्ञान के खोज, तकनीकी विकास और देश का बदलता आर्थिक ढाँचा, ये वे पदचिह्न हैं, जिनसे आधुनिकता के आने की करतल ध्वनि सुनाई देती है। समाज, संस्कृति और भौतिक जीवन में आते बदलावों ने आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को गति दी। किंतु आधुनिकता को एक तत्व के रूप में साहित्य के अंतर्गत प्रतिष्ठित करने का श्रेय अज्ञेय को ही जाता है। 'तारसप्तक' (1943) का प्रकाशन आधुनिकता का प्रस्थानबिंदू है। इसलिए 'तारसप्तक' और अज्ञेय की सर्जनात्मक उपस्थिति 'आधुनिकता' का प्रस्थानबिंदू है। ठीक इसी तरह मराठी में म. फुले को (तृतीय रत्न 1855) आधुनिक मराठी साहित्य का उद्गाता माना जा सकता है। उनकी जीवनदर्शी कहानियाँ हिंदी साहित्य के शिखरकलश बनती है। मर्ढेकर ने भी मराठी साहित्य प्रवाह को एकदम परिवर्तित किया। युद्ध पीडित मनुष्य की दुर्दशा, यंत्र सभ्यता से कुचले जाने की स्थिति, महानगरीय जीवनबोध और जीवन की आपाधापी का जीवंत चित्र मर्ढेकर उपस्थित करते हैं। ग्रामीण परिवेश के साथ जोड़कर वैश्विक परिदृश्य तक फैलने का सामर्थ्य उनकी रचनाओं में लक्षित होता है। चेतनाप्रवाह शैली में लिखे गये उपन्यास, 'पादाकुलक' छंद में लिखी गई कविताएँ और सौंदर्यशास्त्रीय दृष्टि से की गई कलावादी स्थापनाएँ उन्हें अपने पूर्ववर्तीयों से पृथक कर देती है। उनकी प्रतिभा का लोहा मानना ही पडता है। विशेषतः रात्रीचा दिवस (रात का दिन) में व्यक्ति की आंतरिक छटपटाहट, द्वंद्व, सपनों को टूटते जाने की कशमकश अंकित हुई है। तांबडी माती (लाल मिट्टी) में ग्रामीण परिवेश में जी रहे मनुष्यों के आंतरिक और बाह्य संघर्ष को उभारा गया है। तो 'पानी' में विस्थापन की पीड़ा का सजग आविष्कार हुआ है।

स्वगत, निवेदन, चेतना प्रवाही विवेचन एक नये परिदृश्य को खोलता है। इसी कारण इन दोनों ने अनेक विधाओं में अपनी सीमाओं को पहचानते हुए नयी चीजें दी। 'शेखर' का शेखर, 'नदी के द्वीप' की रेखा और 'अपने अपने अजनबी' की सेल्मा हमें नया बोध देते हैं। अपने युग और वर्ग का सजग प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि अज्ञेय और मर्ढेकर ने इस क्षेत्र में निश्चित रूप से उल्लेखनीय योगदान दिया है।

अज्ञेय और मर्ढेकर ने शिल्प के स्तर पर नूतन प्रयोग किये। शेखर में आत्मकथात्मक, प्रत्यग्दर्शन प्रविधि का अवलंब, नदी के द्वीप में पत्र शैली, प्रत्यग्दर्शन प्रणाली का सुबोध परिचय तथा 'अपने अपने अजनबी' में डायरी शैली का उत्कृष्ट नमुना पेश किया गया है।

अज्ञेय और मर्ढेकर ने भारतीय साहित्य को नये सरोकारों से मण्डित किया। इन दोनों के साहित्य को आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय समाजजीवन की नयी व्याख्या की। अनुभव के नये लोक से परिचित कराया। अपने समकालीन समाजजीवन के प्रश्नों से जुड़ते हुए वैश्विक मनुष्य को स्थापित करने का सजग प्रयास किया। विशेषतः आधुनिक भावबोध, प्रयोगशील वृत्ति, चिंतनशील दृष्टि और वैविध्यपूर्ण अभिव्यक्ति से भारतीय साहित्य को समृद्ध करने में महती भूमिका निभायी है। संवेदना, शैली, चरित्र, शिल्प और भाषा के स्तर पर उनके योगदान को भारतीय समाज और साहित्य रसिक वर्ग हमेशा याद करता रहेगा।

क्योंकि भारतीय साहित्य को वैश्विक स्तर पर ले जाने का दोनों का प्रयास अत्यंत स्पृहणीय रहा है। अर्थात दोनों में अनेक सीमाएँ हैं। बावजूद इसके भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य को बदलने में दोनों का विशिष्ट योगदान रहा है। अर्थात आनेवाला समय दोनों की रचनाओं का समय-समय पर पाठ करता रहेगा। समय की कसौटी पर खरा उतरने का सामर्थ्य दोनों के साहित्य में है।

दोनों का व्यक्तित्व, लेखन, चिंतन और सामाजिक सरोकारों को लेकर जितने प्रकार का साम्य है, उतने प्रकार से वैषम्य भी दिखाई देता है। विषम रेखाओं के अनेक स्थल हैं, जिनसे हम परिचित हो सकते हैं। वस्तुतः दो भिन्न व्यक्ति कभी भी समान नहीं हो सकते। व्यक्तित्व, दृष्टि, अभिव्यक्ति पक्ष और चिंतन को आयाम हर एक की अलग होती है। अंततः इतना ही कहेंगे कि दोनों के योगदान से भारतीय साहित्य निश्चित रूप से लाभान्वित हुआ है, बहुत अधिक समृद्ध हुआ है।

डॉ. उमाकांत जाधव , लातुर

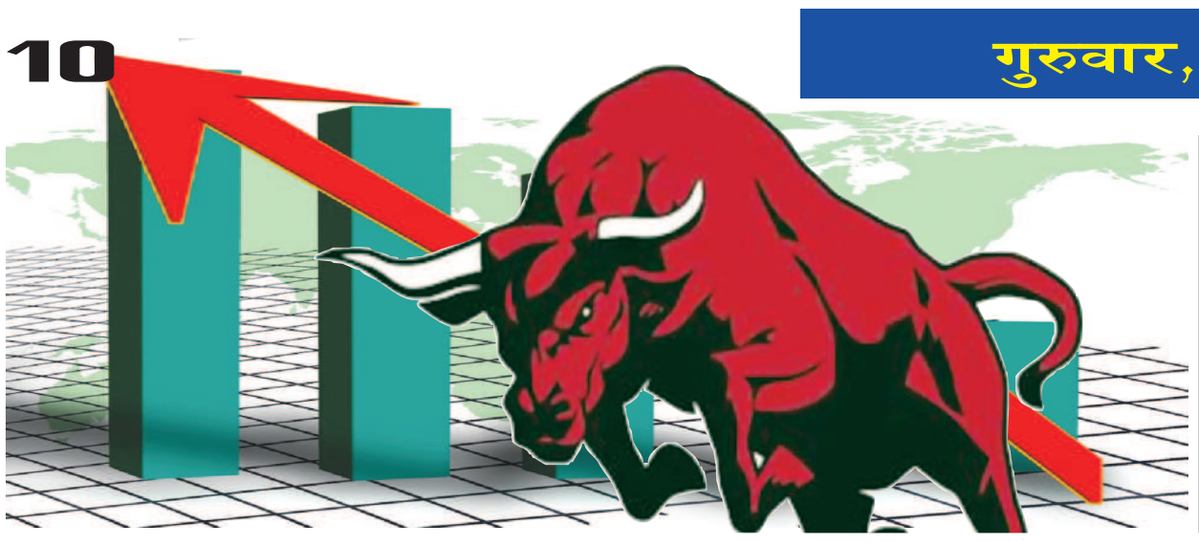

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 जल्द होगी लॉन्च

एक करोड़ घर बनाने का टारगेट

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय अब प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 की शुरुआत को लेकर तैयारियां कर रहा है। भारत सरकार 2015-16 से प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू कर रही है और ग्रामीण और शहरी परिवारों को इसका फायदा मिल रहा है। मंत्रालय ने पिछले 9 वर्षों में लागू की गई महत्वपूर्ण योजनाओं को आगे बढ़ाने की तैयारियां के बारे में बताते हुए कहा कि जल प्रबंधन में सामुदायिक

भागीदारी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। साथ ही स्मार्ट सिटी मिशन में एडवांस अर्बन इनोवेसन और टेक्नोलोजी का प्रयोग किया जा रहा है। मंत्रालय की अडिशनल सेक्रेटरी डी. थारा ने अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) में महिलाओं के स्वयं-सहायता समूह की भागीदारी के बारे में कहा कि इस मिशन को कम्यूनिटी बेस्ड बनाकर पानी के इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े सुधार की नींव रखी जा रही है। महिलाओं के ग्रुप को ट्रेनिंग देकर उन्हें वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भेजा जा रहा है। जल परीक्षण सुविधाओं की कार्यप्रणाली के बारे में बताया जा रहा है। महिलाओं को अमृत योजना तथा जल इंफ्रास्ट्रक्चर पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी देने के साथ शिक्षित किया जा रहा है।

इसके साथ ही स्टूडेंट्स को भी मिशन के साथ जोड़ा जा रहा है और उन्हें आईकार्ड देकर वाटर कनेक्शन चेक करने, जलाशयों का स्टेटस जांचने समेत जल इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। इससे कंपनी की रिपोर्ट भी वेरिफाई हो जाती है। अभी तक महिलाओं के 350 सेल्फ हेल्प ग्रुप को वॉटर सेक्टर से जोड़ा जा चुका है। कई शहरों में इस मिशन के बाद पानी की समस्या दूर हो गई है। आवास मंत्रालय के डीजी- मीडिया राजीव जैन का कहना है कि पिछले 9 वर्षों में शहरी क्षेत्र में निवेश में काफी इजाफा हुआ है।

5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी सिर्फ 7 राउंड में खत्म

सरकार ने जुटाए 11,300 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत की दूसरी 5G स्पेक्ट्रम नीलामी सात राउंड के बाद बुधवार दोपहर को सात राउंड में खत्म हो गई है। यह नीलामी एक दिन से थोड़ा ज़्यादा समय तक चली। इससे सरकार ने करीब 11,300 करोड़ रुपये मिले हैं। बताया जा रहा है कि भारती एयरटेल इस नीलामी में सबसे ज्यादा बोली लगाने वाली कंपनी है।

इसने कम खर्च वाले सब-गीगाहर्ट्ज 900 मेगाहर्ट्ज बैंड के साथ-साथ 1800 और 2100 मेगाहर्ट्ज बैंड में भी स्पेक्ट्रम खरीदा है।

वहीं मार्केट लीडर रिलायंस जियो ने 1800 मेगाहर्ट्ज बैंड में 5G बैंडविड्थ खरीदी है, जबकि वोडाफोन आइडिया ने संभवतः 900/1800/2500 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदा है।

सरकारी जांच में बायजू को राहत का दावा

प्रशासन में खामियां मिलीं पर धोखाधड़ी किए जाने के सबूत नहीं

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार की एक जांच में बायजू के प्रशासन में खामियां पाई गईं, लेकिन वित्तीय धोखाधड़ी के आरोपों पर ऑनलाइन-शिक्षा स्टार्टअप को राहत दी गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की साल भर चली जांच में फंड की हेराफेरी या वित्तीय खातों में हेराफेरी जैसे गलत कामों का कोई सबूत नहीं मिला। हालांकि जांच में, कंपनी के प्रशासन में कमियां मिलीं जिन्होंने स्टार्टअप के बढ़ते घाटे में योगदान दिया। नाम सार्वजनिक ना करने की शर्त पर सूत्रों ने कहा, जांचकर्ताओं की रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार सरकार की यह जांच रिपोर्ट संस्थापक बायजू रवींद्रन के लिए बहुत हद तक राहत की तरह है। उनपर असंतुष्ट निवेशकों की ओर से कुप्रबंधन का आरोप लगाया गया है। प्रोसस वेंचर्स और पीक एक्सवी पार्टनर्स, पूर्व में सिकोइया कैपिटल इंडिया सहित तीन शेयरधारकों ने

व्यावसायिक प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रण जैसे मुद्दों पर रवींद्रन के साथ मतभेदों के कारण पिछले साल बायजू के बोर्ड को छोड़ दिया था।

रिपोर्ट ने कम से कम अस्थायी रूप से उन मुद्दों पर भारतीय अधिकारियों द्वारा कंपनी पर किसी नई जांच की संभावना को भी समाप्त कर दिया गया है, जिनकी पहले से ही जांच हो चुकी है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, बायजू, पीक एक्सवी और प्रोसस के प्रतिनिधियों ने फिलहाल इस विषय पर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में सीधे तौर पर यह नहीं बताया गया है कि क्या रवींद्रन व्यक्तिगत रूप से कंपनी के शासन में चूक के लिए दोषी हैं या क्या वह कंपनी चलाने के लिए योग्य हैं?

बता दें कि असंतुष्ट निवेशकों ने प्रबंधन और अनुपालन विफलताओं का हवाला देते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। हालांकि यह रिपोर्ट कंपनी की व्यापक समस्याओं को दूर करने की दिशा में कम ही सही पर राहत प्रदान करती है। घाटे से जूझ रहे स्टार्टअप के त्वरित विस्तार के कारण इसे नकदी की कमी और इसके मूल्यांकन में गिरावट जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा। फिलहाल कंपनी स्टार्टअप भारत और अमेरिका में कई मुकदमें लड़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि जांच में पाया गया कि कमजोर कॉरपोरेट गवर्नेंस और अनुपालन प्रथाओं के साथ-साथ फंडिंग के माहौल में बदलाव से कंपनी नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ। जांचकर्ताओं ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि स्टार्टअप वित्त और अनुपालन की देखरेख के लिए पेशेवरों को लाने में विफल रहा, जिससे नुकसान हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बायजू ने सभी निदेशकों के साथ अधिग्रहण के पूर्ण विवरण का खुलासा नहीं किया और इस तरह के सौदों को मंजूरी देने के लिए बैठकें अल्प सूचना पर बुलाई गई थीं। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार यह संस्थापकों का यह तर्क भी सही है कि कुछ निदेशक प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में निवेशक भी थे। एड-टेक कंपनी का मूल्य अपने चरम पर 22 अरब डॉलर था। कोविड-19 महामारी के दो वर्षों के दौरान व्यवसाय में वृद्धि हुई, लेकिन जैसे-जैसे संक्रमण कम हुआ और कक्षाएं फिर से शुरू हुईं, इसकी नकदी सिकुड़ती गई। यह अब भारत और विदेशों में दिवालियापन से जुड़े कई मामलों से जूझ रहा है। हालांकि बायजू ने नए शेयर जारी करके मौजूदा निवेशकों से 100 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन एक भारतीय अदालत ने उस पैसे का उपयोग करने से रोक दिया है। वर्तमान में रवींद्रन अपनी कंपनी के मुख्य व्यवसाय के पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रत्येक छात्र के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर भी जोर दे रहे हैं। वे कंपनी को बचाए रखने और व्यक्तिगत ऋण बढ़ाने सहित वित्तीय दबावों को कम करने के लिए सभी पड़ावों पर अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 0.58 गुना सब्सक्राइब हुआ

मुंबई , 26 जून (एजेंसियां)। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ के सब्सक्रिप्शन का आज दूसरा दिन है। पहले दिन यह इश्यू टोटल 0.58 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह IPO 0.73 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 0.02 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में 0.93 गुना सब्सक्राइब हुआ।

रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 27 जून तक बोली लगा सकते हैं। 2 जुलाई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर लिस्ट होंगे। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड इस IPO के जरिए 1,500 करोड़ जुटाना चाहती है।

इसके लिए कंपनी 1,000 करोड़ के 35,587,189 नए शेयर इश्यू कर रही है। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए 500 करोड़ के 17,793,594 शेयर बेच रहे हैं। मैक्सिमम 689 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 267- 281 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 53 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 281 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,893 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 689 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,609 खर्च करने होंगे।

ग्रे मार्केट में एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का प्रीमियम 30.96% IPO ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 30.96% यानी 87 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 281 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 368 पर हो सकती है।

डिपॉजिट आ नहीं रहा, कर्ज कहां से दे रहे बैंक, आरबीआई ने शुरू की जांच

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आरबीआई बैंकों की स्पेशल ऑडिट कर रहा है। इसकी वजह ये है कि कई बैंक डिपॉजिट के अनुपात में कर्ज ज्यादा दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बैंकों की डिपॉजिट से ज्यादा कर्ज को देखते हुए आरबीआई ने बैंकों के साथ विशेष ऑडिट की। इस ऑडिट में रिजर्व बैंक ने लिक्विडिटी कवरेज रेशो को बनाए रखने के लिए एलिजिबल सिक्योरिटीज की उनकी होल्डिंग्स को भी वेरिफाई किया है। सूत्रों के अनुसार आरबीआई डिजिटल बैंकिंग चैनल्स से अचानक दिखाई दे रही डिपाजिट की निकासी से भी चिंतित है। एक एक्सपर्ट ने बताया कि आरबीआई की यह कार्रवाई सेंट्रल बैंक की पूर्व में लिक्विडिटी की आशंकाओं के साथ मेल खाती है। गौरतलब है कि 2008 के ग्लोबल फाइनेंशल संकट के बाद बैंकों के लिए यह जरूरी कर दिया गया था कि उन्हें एक स्पेशिफाईड अमाउंट में गवर्मेंट बॉन्ड रखने हैं, जिन्हें 30-दिनों के स्ट्रेस पीरियड को मैनेज करने और कैश आउटफ्लो होने पर जल्दी से बेचा जा सके। एक बैंकर ने बताया कि डिपॉजिट पर अच्छी इंटरेस्ट रेट ऑफर करने के बाद भी बैंक्स फंड को जमा करने के लिए स्ट्रगल कर रहे हैं। क्रेडिट डिमांड में तेज इजाफा हो रहा है। ऐसे में रिक्स मैनेज करने के लिए एक स्पेशिफाइड मैडेटरी डिपॉजिट अमाउंट अलग रखने की अनिवार्यता को लेकर सेंट्रल बैंक संजीदा है। ऐसे में या तो बैंक फंड रेज करने के लिए सिक्योरिटी इशू करें या डिपॉजिट रेट्स को बढ़ाएं। अगर ऐसा करते है तो बैंक के इंटरेस्ट मार्जिन पर अतिरिक्त दबाव आ रहा है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार कर्मशल बैंकों का सीडी रेशो बढ़ रहा है। सीडी रेशो बताता है कि बैंकों में जितना पैसा जमा किया जाता है, उसके सापेक्ष कितना पैसा बैंक लोन के रूप में बांट रहे हैं।

कार वालों को मिल सकती है सौगात

ट्रेन के एमएसटी की तरह टोल का भी होगा मंथली पास!

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आप रेलगाड़ी में सफर करते हों तो आपको पता होगा कि भारतीय रेल अपने दैनिक यात्रियों को मंथली सीजन टिकट या एमएसटी पास जारी करता है। ठीक इसी तरह से आने वाले समय में टोल रोड का इस्तेमाल करने के लिए कार वालों को भी ऐसे मंथली या एनुअल पास जारी किए जा सकते हैं। इससे जहां टोल चोरी करने की घटनाओं में कमी आएगी, वहीं सरकारी खजाने में और बढ़ोतरी होगी। लोगों को झंझट से मुक्ति मिलेगी, वह अलग। दिल्ली में ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम पर इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन हुआ था। इसी दौरान केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टोल नाकों के लिए कार वालों को मंथली और एनुअल पास जारी करने का विचार दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार वालों को मंथली और एनुअली पास जारी करने की भी एक सोच है। यह तो सेक्रेटरी अनुराग जैन और एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव सोचे। गडकरी का कहना है कि टोल नाकों के लिए मंथली या एनुअली पास जारी करने से सड़क बनाने वालों को पैसा भी मिलेगा और झंझट भी खत्म हो जाएगा। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर की कार वालों को मंथली पास जारी करने वाली बात कहने को आने वाले समय में इसे सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। जिसमें टोल नाको पर इस तरह का सिस्टम शुरू हो सकता है। हालांकि, अभी भी देश में कुछ जगह ऐसे मंथली पास जारी किए जाते हैं। लेकिन यह मंथली पास केवल टोल नाको के आसपास रहने वाली आबादी के लिए है। जिनके आईडी से पहचान सुनिश्चित करके उनसे कुछ पैसा लेकर ऐसे पास जारी किए जाते हैं।

सेटेलाइट पर आधारित टोल लेने वाले सिस्टम में विभाग शुरूआत में हाइब्रिड मॉडल पर काम कर रहा है। जिसमें टोल नाको की दो लेन को सेटेलाइट आधारित टोल देने वाली गाड़ियों के लिए और बाकी वर्तमान सिस्टम फास्टैग वाली गाड़ियों के लिए रखा जाए। फिर जैसे-जैसे जीएनएसएस आधारित यह इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन बढ़ता जाएगा।

सेंसेक्स 78,674 और निफ्टी 23,868 रिकॉर्ड स्तर पर बंद

डेवलपमेंट इंजीनियर्स का शेयर 65% चढ़ा, एनर्जी और बैंकिंग शेयर्स में रही तेजी

मुंबई , 26 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 26 जून को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 78,759 और निफ्टी ने 23,889 का स्तर छुआ। इसके बाद ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 620 अंक की तेजी के साथ 78,674 के स्तर पर बंद हुआ।निफ्टी में भी 147 अंक की तेजी रही। ये 23,868 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले कल यानी 25 जून को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था। आज बैंकिंग, IT और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बढ़त है।

DEE डेवलपमेंट इंजीनियर्स का शेयर 67% ऊपर लिस्ट

DEE डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर आज 67% प्रीमियम के साथ बाजार में लिस्ट हुआ। NSE पर ये 67% ऊपर 339 रुपए पर लिस्ट हुआ। BSE पर ये 60% से ज्यादा के प्रीमियम 325 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इशू प्राइस 203 रुपए था। इन दोनों ही कंपनी के IPO 19 से 21 जून तक खुले थे।

वहीं एकमे फिनट्रेड का शेयर की बाजार में फ्लैट लिस्टिंग हुई। BSE पर कंपनी का शेयर 4.75% प्रीमियम के साथ 125.7 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं, NSE पर ये 5.83% प्रीमियम के साथ 127 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 120 रुपए था।

एशियाई बाजारों में भी आज देखने को मिली है। जापान का निक्केई में 1.26% की बढ़त रही। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.76% और हांगकांग के हैंग सेंग में भी 0.09% की तेजी रही।

अमेरिकी बाजार में भी मंगलवार को मिला-जुला कारोबार रहा। डाउ जोन्स 299 (0.76%) अंक गिरकर 39,112 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक 220 (1.26%) अंक चढ़कर 17,717 पर बंद हुआ। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने मंगलवार को 1175 करोड़ के शेयर खरीदे। इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) ने भी 149 करोड़ के शेयर बेचे। व्रज आयरन एंड स्टील का IPO आज से ओपन हो रहा व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO आज से ओपन होगा।

गड्ढे युक्त, कीचड़ युक्त सडकें हो तो

टोल टैक्स किस बात का ? गडकरी ने कह दी दिल की बात

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगर सड़कें अच्छी हालत में नहीं हैं। लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग एजेंसियों द्वारा टोल वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। वे सैटेलाइट आधारित टोलिंग पर एक वैश्विक कार्यशाला में बोल रहे थे, जिसे इस वित्तीय वर्ष के दौरान 5,000 किलोमीटर तक लागू किया जाएगा। अपनी बातों को बेबाकी से कहने के लिए मशहूर गडकरी ने कहा, 'अगर आप अच्छी सेवाएं नहीं देते हैं, तो आपको टोल नहीं वसूलना चाहिए। हम उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने और अपने हितों की रक्षा करने के लिए टोल वसूलने की जल्दी में हैं। सड़क की हालत अच्छी नहीं होती है तो मुझे ढेरों शिकायतें मिलती हैं और सोशल मीडिया पर हर जगह पोस्ट होते हैं। आपको उपयोगकर्ता शुल्क वहीं वसूलना चाहिए जहां आप सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सड़क प्रदान नहीं करते हैं। अगर आप गड्ढों और कीचड़ वाली सड़कों पर टोल वसूलते हैं, तो लोगों की नाराजगी होगी। हमें (राजनीतिक नेताओं को) लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ता है।' मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियों के क्षेत्रीय अधिकारियों को टोल प्लाजा पर लंबे समय तक इंतजार करने के कारण लोगों को होने वाली परेशानी के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए तथा शिकायत दर्ज करने और उनके त्वरित निवारण के लिए एक तंत्र होना चाहिए। हालांकि सरकार ने 2021 में राजमार्गों पर टोल भुगतान के लिए फास्टैग का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है, जिससे टोल लेन के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा सके और वर्तमान में लगभग 98% लेन-देन वाहनों पर लगे इन स्मार्ट टैग के माध्यम से हो रहा है। लेकिन देश भर से प्लाजा पर कतारों की कई रिपोर्टें आई हैं। इसे खत्म करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम बेस्ड टोल संग्रह के रोल आउट और विस्तार पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अगले कुछ वर्षों में एनएच नेटवर्क से टोल गेट हटाना है। कमर्शियल वाहनों से होगी शुरुआत राजमार्ग प्राधिकरण इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव करता है, जिसमें केवल वाणिज्यिक वाहनों से शुरुआत की जाएगी और टोल प्लाजा के प्रत्येक तरफ एक लेन समर्पित की जाएगी ताकि वे बिना रुके गुजर सकें।

सोना 230 रुपए गिरकर 72,000 रुपए पर आया

चांदी में भी 1,000 रुपए की गिरावट, एक किलो चांदी 90 हजार रुपए पर आई

मुंबई , 26 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 26 जून को गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 230 रुपए गिरकर 72,000 रुपए पर आ गया है। कल इसके दाम 72,230 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी 1,000 रुपए गिरकर 90,000 रुपए में बिक रही है।

हालांकि, इस साल अब तक सोने के दाम 8,130 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 72,160 रुपए प्रति किलो पर थी। यानी, चांदी इस साल 17,840 रुपए बढ़ चुकी है।

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,000 रुपए है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-43 बजे
चंद्र-	कुंभ में	कर्क...	07-10 बजे
मंगल	मेष में	सिंह...	09-22 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या..	11-29 बजे
गुरु-	वृष में	तुला....	13-33 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	15-43 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-57 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	20-04 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-54 बजे
		मीन...	23-32 बजे
		मेष....	01-08 बजे
		वृष....	02-53 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-48 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 18-39 तक उपरान्त सप्तमी
मास - आषाढ़ कृष्ण, गुरुवार 27 June
नक्षत्र - शतभिषा 11-36 तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - आयुष्मान 00-27 तक उप सौभाग्य
करण- गर 07-47 तक उप वणिज
विशेष:- पंचक
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:58 से 15:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	05:48 - 07:24 शुभ	अमृत.	18:50 - 20:15 शुभ
रोग	07:24 - 09:02 अशुभ	चंचल.	20:15 - 21:36 शुभ
उत्पात	09:02 - 10:41 अशुभ	रोग	21:36 - 22:58 अशुभ
चंचल	10:41 - 12:19 शुभ	काल	22:58 - 00:19 अशुभ
लाभ	12:19 - 13:58 शुभ	लाभ	00:19 - 01:41 शुभ
अमृत	13:58 - 15:36 शुभ	उत्पात	01:41 - 03:03 अशुभ
काल	15:36 - 17:15 अशुभ	शुभ	03:03 - 04:24 शुभ
शुभ	17:15 - 18:50 शुभ	अमृत	04:24 - 05:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है तो आपको एक उन्नत पद पर पदोन्नत किया जा सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं जो कुछ आपने सोचा है ,वो सब करने की कोशिश करें आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप एक आणशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यों से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएम विष्णुदेव साय ने ओम बिरला को दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

कांग्रेस के बयान पर कसा तंज

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने बिरला को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि उनका पिछला पांच साल का कार्यकाल भी बहुत अच्छा रहा है। सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चली। अब उनको दोबारा मौका मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि उनकी अध्यक्षता में लोकसभा अच्छे से चलेगी। वहीं छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट की दो मंत्री पद खाली होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने कहा कि जल्द ही इसका विस्तार होगा। वहीं कांग्रेस के एक अनार सौ बीमार वाली बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनके मुंह से यह सब कहना शोभा नहीं देता है। अपने घर को संभाले, अपने घर में झांक कर देखें। आज कांग्रेस की क्या दुर्गति हो गई, यह सब जान रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सक्षम है।

सीएम सोरेन की चेतावनी- मादक पदार्थ बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

नशामुक्त झारखंड का रखा लक्ष्य

रांची, 26 जून (एजेंसियां)। झारखंड को नशामुक्त बनाने का झारखंड सरकार ने लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने चेतावनी दी है कि नशा बेचने वाले और मादक पदार्थों की खेती में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार हमारा लक्ष्य झारखंड को नशा मुक्त बनाना है।

झारखंड में मादक पदार्थों की तस्करी में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में 164 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यही नहीं मई 2024 तक 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नशीली सामग्री जब्त की जा चुकी है। इसको लेकर झारखंड सरकार ने चिंता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य राज्य को नशा मुक्त बनाना है। सोरेन ने कहा, छात्र और युवा राज्य और देश का भविष्य हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि नशा बेचने वालों और मादक पदार्थों की खेती में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वाले युवाओं को निशाना बनाते हैं। उन्हें नशीले पदार्थों की लत में फंसाते हैं। इससे न केवल युवाओं का भविष्य बर्बाद होता है, बल्कि राज्य और देश का भविष्य भी बर्बाद होता है। हमें झारखंड को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के किसी भी हिस्से में मादक पदार्थों की खेती मिलती है तो वे प्रशासन को सूचित करें।

एक सप्ताह तक चलाया गया जागरूकता अभियान

नशा मुक्ति झारखंड की दिशा में मादक पदार्थों के इस्तेमाल के खिलाफ एक सप्ताह का जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान 19 जून को शुरू हुआ। इसके तहत पूरे राज्य में मैराथन, साइकिलिंग, क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इसके समापन समारोह पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार मादक पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों की खेती में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रसार पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि यदि उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में मादक पदार्थों की खेती मिलती है तो वे प्रशासन को सूचित करें।

रिम्स कॉलेज छात्र थे, रॉन्ग साइड घुसी तेज रफ्तार कार, 3 की हालत गंभीर

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। रायपुर में बुधवार सुबह करीब 6 बजे दो कारों में जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में 2 मेडिकल स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि, रॉन्ग साइड चलाने के कारण ये हादसा हुआ, जो इतना भीषण था कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। घटना मंदिर हसौद थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, रायपुर से एक कार में सवार होकर दो मेडिकल स्टूडेंट गोढ़ी स्थित रिम्स जा रहे थे। तेज रफ्तार में होने के चलते जिंदल मोड़ के पास उनकी कार बेकाबू होकर सड़क पार कर रॉन्ग साइड पर चली गई। इस दौरान सामने से आ रही दूसरी कार से जा भिड़ी। हादसे में दोनों मेडिकल स्टूडेंट के सिर पर गंभीर चोटें आई। जिस कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रिम्स से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों का नाम स्मिथ पटेल और ऋषभ प्रसाद है। स्मिथ पीजी मेडिसिन में फर्स्ट ईयर में पढ़ रहा था। वहीं, ऋषभ प्रसाद एमबीबीएस इंटर्नशिप कर रहा था।

हालांकि पुलिस ने इन नामों की पुष्टि अभी नहीं की है। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके अलावा मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। पुलिस परिजन से संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

झारखंड के 9 जिलों में बारिश का अलर्ट

40 किमी की रफ्तार से चल सकती है हवा, सरायकेला रहा सबसे गर्म

रांची, 26 जून (एजेंसियां)। झारखंड में आज 9 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बोकारो, धनबाद, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, जामताड़ा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू और सिमडेगा शामिल है। इस दौरान 40 से 50 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग की तरफ से आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

राज्य में मानसून की एंट्री के बाद भी कई जिलों में गर्मी से राहत नहीं मिली है। राजधानी रांची में पिछले तीन दिनों से बारिश नहीं हुई है। जिसके बाद यहां का पारा एक बार फिर से चढ़ने लगा है।

राज्य में पिछले 24 घंटे में कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश पलामू के मनातु में 48.0 एमएम दर्ज की गई है। जबकि सबसे अधिक तापमान सरायकेला का रहा। यहां का पारा 41 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम तापमान चाईबासा में 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

फिर चढ़ने लगा है पारा

राज्य में मानसून के आगमन के बाद से ही तापमान में गिरावट आई थी। लेकिन एक बार फिर राज्य के कई हिस्सों में पारा 40 के आंकड़े को पार करने लगा है। राज्य में एक बार फिर हीटवेव का असर दिखने लगा है। गोड्डा का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं गुमला, जामताड़ा में भी पारा 38 के आंकड़े के पार है। गढ़वा का तामपान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

बाल संप्रेषण गृह से दो अपचारी बालक फरार

मारपीट और चोरी के मामले में बाल गृह गए थे दोनों

कोरबा, 26 जून (एजेंसियां)। कोरबा में चोरी और मारपीट के मामले में दो अपचारी कोरबा के रिसदी स्थित बाल संप्रेषण गृह से फरार हो गए। पड़ोसी जिला नवागढ़ और बलौदा बाजार जिले के रहने वाले यह दोनों अपचारी काफी समय से यहां थे। बताया जा रहा है कि सुरक्षा के लिए लगाए गए होमगार्ड पुरुषोत्तम कुमार को चकमा देकर यह दोनों यहां से भाग निकले। इस घटना के बाद बालगृह में हड़कप मच गया और इसकी सूचना महिला बाल विकास विभाग और सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। विभिन्न प्रकार के आपराधिक मामलों में भूमिका निभाने वाले नाबालिकों को जेल के बजाय संप्रेषण गृह में रखने की व्यवस्था की गई है। आईसीडीएस की देखरेख में बाल संरक्षण गृह कोरबा नगर के रिसदी क्षेत्र में चल रहा है। जानकारी के अनुसार यहां पर नवागढ़ और बलौदा बाजार क्षेत्र के दो अपचारी को मारपीट और चोरी के प्रकरण में रखा गया था। परिसर में सुरक्षा के लिए होमगार्ड की तैनाती की गई है और इसी को चकमा देने के साथ यह अपचारी फरार हो गए। इसकी जानकारी होने पर पुलिस को अवगत कराया गया। मामला गंभीर था इसलिए पुलिस के साथ-साथ संचालन से जुड़े हुए आईसीडीएस के अधिकारियों ने यहां का जायजा लिया। एडिशनल एसपी नेहा वर्मा ने बताया कि प्रकरण में अगली कार्रवाई की जा रही है। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। वहीं घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अन्य लोगों का बयान दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है।वहीं पुलिस इस मामले में अपचारी बालक के परिजन से संपर्क कर रही है वहीं इसके अलावा बस स्टैंड रेलवे स्टेशन और आसपास खोजबीन में जुट गई है।

नीट पेपर लीक, हजारीबाग पहुंची सीबीआई

ओएसिस स्कूल पहुंची आठ सदस्यीय टीम प्राचार्य सहित अन्य से पूछताछ

रांची/हजारीबाग, 26 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले की जांच अब सीबीआई कर रही है। इसी क्रम में सीबीआई की आठ सदस्यीय टीम हजारीबाग पहुंची है। यहां टीम कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल में जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सीबीआई की टीम चार गाड़ी से आई है। टीम में दो इनोवा और दो क्रेटा है। मिली जानकारी के अनुसार पहले दो गाड़ियां आई इसके बाद पीछे से दो गाड़ियां आई हैं।

सीबीआई की टीम पहुंचने के साथ ही कैंपस के मेन गेट को लॉक कर दिया है। बताया जा रहा है कि संदेह के आधार पर स्कूल के प्राचार्य और एग्जाम के सिटी कॉर्डिनेटर डॉ एहसान उल हक से पूछताछ की जा रही है।

प्राचार्य ने कहा था, स्कूल से नहीं हुआ पेपर लीक

दो दिन पहले इसी स्कूल के प्राचार्य और एग्जाम के सिटी कॉर्डिनेटर डॉ एहसान उल हक ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि ओएसिस स्कूल में नीट का पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने यह आशंका जाहिर की थी कि ब्लू डार्ट कूरियर के हजारीबाग सेंटर से एसबीआई ब्रांच पहुंचने के दौरान एसओपी का पालन नहीं किया गया था। ऐसे में इसी बीच पेपर में किसी तरह की छेड़छाड़ हुई हो।

नौ बक्से में परीक्षा केंद्र आए थे क्वेश्चन पेपर

एनटीए के सिटी कॉर्डिनेटर डॉ एहसान उल हक ने बताया कि हजारीबाग के पांच केंद्रों पर 5 मई को एनटीए के मापदंडों के अनुसार परीक्षा ली गई। कुल 9 बक्सों में सील प्रश्न पत्र एसबीआई बैंक में 5 मई 2024 को सुबह 7:30 के बाद रिसीव कर हजारीबाग के सभी पांच परीक्षा केंद्रों के सेंटर सुपरिटेंडेंट और ऑब्जर्वर को बैंक मैनेजर की उपस्थिति में सील बंद बक्से सौंपे गए थे। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई थी।

परीक्षा केंद्र पर क्वेश्चन पेपर सात लेयर में कवर हो कर आते हैं। पहला लेयर कार्टन से कवर होता है। जिस पर टेपिंग की हुई होती है। इसके बाद एक आयरन बॉक्स होता है। इसमें दो लॉक लगे होते हैं। एक लॉक उसमें दी गई आरी से काटना होता है। दूसरा लॉक डिजिटल होता है, जो समय पर स्वतः खुल जाता है।

उन्होंने बताया कि जब क्वेश्चन पेपर हमारे पास आए थे तब वो उसी तरह कवर थे, जैसा होता है। जब क्वेश्चन पेपर बॉक्स रिसिव किया जाता है, तब बैंक के दो कस्टोडियन मौजूद होते हैं। उस दिन वो थे। बतौर सिटी कॉर्डिनेटर मैं था। इसके अलावा पांच सेंटर के सुपरिटेंडेंट मौजूद थे। साथ ही एनटीए के पांच ऑब्जर्वर भी थे।

इसके बाद बॉक्स रिसिव कर अलग-अलग सेंटर पर भेजा गया। परीक्षा के दिन क्वेश्चन पेपर बांटने से पहले निर्धारित समय पर आयरन बॉक्स का एक लॉक खोल दिया गया।

दूसरा डिजिटल बॉक्स था जो स्वतः नहीं खुला। इसके बाद एनटीए के निर्देश पर आरी से काट कर उसे खोला गया।

33 लाख परिवारों को सरकार देगी 15 लाख रु. का स्वास्थ्य बीमा

गैस सिलेंडर पर भी सब्सिडी

रांची, 26 जून (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने झारखंड के 33 लाख परिवारों को 15 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा देने का फैसला किया है। इस योजना का नाम अबुआ स्वास्थ्य बीमा योजना होगा। इसका लाभ उन परिवारों को मिलेगा जिनके पास लाल, हरा या गुलाबी राशन कार्ड है। मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना को नई योजना में विलय (मर्ज) कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग को योजना का प्रस्ताव तुरंत तैयार करने और कैबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान नई योजना की घोषणा की। सीएम ने खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान लाल-पीला राशन कार्डधारियों को रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी देने का प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया है। गैस सिलेंडर पर किसे, कितनी और कैसे सब्सिडी दी जाए, इसका मानक तय करने को कहा है। दोनों योजनाओं को जुलाई से लागू की तैयारी की जा रही है। सीएम ने राज्य में हरा राशन कार्ड के लिए 20 लाख लाभुकों के तय लक्ष्य को बढ़ाने का निर्देश दिया। पेट्रोल सब्सिडी के नियम को सरल बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दो पहिया वाहन चालकों के लिए मुख्यमंत्री सपोर्ट योजना की शुरुआत की थी। लेकिन इसका लाभ बहुत कम लोग ले रहे हैं, इसलिए नियमों को सरल बनाएं।

रसोई गैस सब्सिडी योजना के लिए मानक तय करने का निर्देशः मुख्यमंत्री ने रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक जल्द तय करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह एक अति महत्वपूर्ण योजना है, जिसका मकसद गरीब और वंचित परिवारों को किफायती दर पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ में शाला प्रवेशोत्सव, चॉकलेट के साथ बच्चों का वेलकम

कहीं छात्राओं के पैर धुलवाए, कहीं आरती उतारी गर्मी–लू के चलते 10 दिन देरी से खुले स्कूल

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में समेर वेकेशन खत्म होने के बाद आज से स्कूल खुल गए हैं। पहले दिन प्रदेश के सभी स्कूलों में धूमधाम से प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है। पहले 18 जून से स्कूल खुलने वाले थे, लेकिन भीषण गर्मी को देखते हुए सरकार ने इसे एक हफ्ते के लिए बढ़ाकर 26 जून तक कर दिया था।

प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के कारण 22 अप्रैल से ही 15 जून तक गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई थी। वहीं, 16 जून को रविवार और 17 जून को बकरीद होने के कारण स्कूल 18 जून से स्कूल खुलने थे।

बच्चों को शाला प्रवेश उत्सव के दौरान वेलकम पार्टी भी दी गई। स्कूलों में बच्चों का तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। बोर्ड परीक्षा/ स्थानीय परीक्षा में मेधावी अंक पाने वाले बच्चों को सम्मानित भी किए जाने की तैयारी है। स्कूल परिवार की ओर से उत्कृष्ट पालकों का भी सम्मान किया जाएगा। कोंडागांव जिले के उत्कृष्ट विद्यालय मड़ानार में शाला प्रवेश उत्सव 'मेरे बगिया के फूल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के शिक्षकों ने नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत पुष्पमाला, रोली कुमकुम लगाकर चरणवंदन के साथ किया। बच्चों के हाथों केक कटवाकर पौधारोपण भी किया गया। इससे पहले छात्राओं के पैर भी धोए गए। जांजगीर-चांपा जिले के सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस दौरान पेरेंट्स भी शामिल हुए। स्कूली छात्र-छात्राओं के माथे पर तिलक लगाकर और चॉकलेट देकर प्रवेश कराया गया। बच्चों को पुस्तकें और ड्रेस भी बांटी गई। स्कूल खुलने का उत्साह बच्चों में भी दिख रहा था।

महासमुंद जिले में भी नए शिक्षा सत्र में बृजराज पाठशाला में प्रवेश उत्सव मनाया गया। नव प्रवेशी बच्चों को शाला परिसर में तिलक लगाकर, गणवेश, पुस्तक, बैग और चॉकलेट वितरण किया गया।

बिलासपुर जिले में भी स्कूलों में टीचर्स और बच्चों ने मिलकर प्रवेश उत्सव मनाया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों का बुके देकर स्वागत किया। हालांकि, पहले दिन बच्चों की उपस्थिति कम ही रही। इसके चलते स्कूलों में प्रवेश उत्सव के लिए अलग-अलग दिन तय किए गए हैं। इस दौरान जनप्रतिनिधियों के साथ ही पेरेंट्स को भी बुलाया जाएगा। स्कूल के पहले दिन हाई स्कूलों में सप्लीमेंट्री एग्जाम भी शुरू हुए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से लगातार स्कूलों की मरम्मत और छात्रों के लिए जरूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल परिसर और भवन को आकर्षक बनाने, साफ-सफाई, पेंटिंग और मरम्मत जैसे काम 10 जून तक निपटा लेने के निर्देश दिए गए थे। शाला प्रवेश उत्सव का जोर-शोर से व्यापक प्रसार-प्रसार करने, बैनर-पोस्टर लगाए जाने और ग्रामीण क्षेत्र में मुनादी करवाने के भी निर्देश दिए गए थे।

युवक ने लड़की को चाकू से गोद डाला

दिनदहाड़े किए 11 वार, फिर रेता गला सड़क पर कोई बचाने नहीं आया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में बुधवार को एक लड़की की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। लड़की अपने भाई के साथ बैंक पहुंची थी। इसी दौरान बाहर एक युवक ने उसके पेट में धारदार हथियार (चाकू) से कई वार किए और गला रेत दिया। फिर वहां से भाग निकला। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, झगराखाड़ निवासी रंजना यादव (21) अपने चचेरे भाई के साथ मेन रोड स्थित एक्टिवा से स्टेट बैंक की शाखा में पहुंची थी। रंजना जैसे ही एक्टिवा से उतरी एक युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर पहुंचा और उस पर धारदार हथियार से एक के बाद एक कई वार कर दिए। इससे रंजना की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ने उस पर 11 वार किए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। उसने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जिले में नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश की जा रही है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि लड़की और आरोपी के बीच करीब 3 मिनट तक बातें होती हैं। इसके बाद युवक चाकू से वार करता है। वारदात के बाद आरोपी ने धारदार हथियार को लड़की के शव के पास ही फेंक दिया। इसके बाद कुछ देर वहीं खड़ा रहा। खास बात यह है कि इस दौरान मेन रोड पर काफी भीड़ थी। युवक को लड़की पर हमला करते हुए लोग देख रहे थे, लेकिन किसी ने भी उसे रोकने की हिम्मत नहीं की। लड़की के भाई ने बताया कि, आरोपी युवक लगातार उनका पीछा कर रहा था। बैंक के बाहर पहुंचते ही रंजना से मोबाइल मांगते हुए विवाद करने लगा। रंजना ने उसे मोबाइल दिया और फिर कभी नहीं मिलने की बात कही। तभी युवक ने चाकू निकाल लिया और रंजना पर हमला कर दिया। लड़की की छोटी बहन ने बताया कि, रंजना का दुर्गेश नाम के एक लड़के से दोस्ती थी।

दो गैंग के बीच फायरिंग

एनिवर्सरी पार्टी से लौटते समय जोश और स्टालिन गैंग टकराए, दो लोगों को आई चोट

भिलाई, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में बदमाशों के बीच गैंगवार हुआ है। मंगलवार-बुधवार देर रात ग्लोब चौक के सेक्टर-7 में अमित जोश ग्रुप और स्टालिन ग्रुप के बीच फायरिंग की खबर है। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेकाहारा में भर्ती कराया गया है। डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा भी आज भिलाई दौरे पर हैं।

जानकारी के मुताबिक, सेक्टर-6 का रहने वाला अमित जोश निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ दुर्ग-भिलाई के अलग-अलग थानों में मारपीट और गंभीर अपराधों में कई केस दर्ज हैं। इसका स्टालिन ग्रुप से पुराना विवाद है। स्टालिन ग्रुप के रोशन स्टालिन के साथ प्रखर चंद्राकर और मुकुल सोना जैसे लोग जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि, करीब एक सप्ताह पहले रोशन स्टालिन ने अमित जोश के बहनोई लक्की पर ब्लेड से हमला किया था। जिससे उनके बीच विवाद बढ़ गया। 25 जून को अमित की एनिवर्सरी थी। देर रात 1-2 बजे के बीच पार्टी करने के बाद जोश और उसका एक साथी बाइक से घूमने निकले थे। जैसे ही ग्लोब चौक के आगे पहुंचे उन्हें बाइक पर तीन लड़के दिखे। वे लड़के दूसरे ग्रुप के बताए जा रहे हैं, जो बाहर से आए थे। उन्हें देखते ही जोश ने उन पर गोली चलाई और भाग गए। इस हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना है कि दोनों तरफ से फायरिंग हुई है। बताया जा रहा है कि, विश्रामपुर निवासी रमनदीप सिंह अपने दोस्त सुनील यादव और आदित्य सिंह से मिलने भिलाई आया था। सुनील यादव जियो कंपनी का कर्मचारी है। आदित्य सिंह उड़ान अकादमी में पीएससी की तैयारी कर रहा है।

मॉब लिंचिंग, बजरंग दल ने घेरा कोतवाली थाना

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ मॉब लिंचिंग केस में पुलिस ने बीजेवाईएम नेता सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद बजरंग दल भड़क गया है। बजरंगियों ने साधु-संतों के साथ बुधवार को जेल भरो आंदोलन के लिए रायपुर में सिटी कोतवाली का घेराव कर दिया। थाने के बाहर ही प्रदर्शन के साथ कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। चित्रकूट से राजीव लोचन महाराज, सर्वेश्वर दास महाराज और आचार्य वेद प्रकाश समेत करीब 5 हजार बजरंग दल कार्यकर्ता गिरफ्तारी देने पहुंचे हैं। थाने के बाहर ही हंगामा जारी है। आंदोलन के दौरान बड़ा बवाल न हो इसलिए पुलिस भी एहतियात बरत रही है।

साय कैबिनेट में नए चेहरे को मिल सकती है जगह

पीएम मोदी से मिलकर लौटे मुख्यमंत्री, हफ्ते भर में तय हो जाएगा मंत्री का नाम

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जिसके नाम की चर्चा चली, उसकी एक न चली। ये लाइन प्रदेश में मुख्यमंत्री पद का जिम्मा दिए जाने से लेकर, कैबिनेट में शामिल करने, सांसद का टिकट देने, केंद्र में मंत्री बनाने तक ट्रेंड में रही। मीडिया की सुर्खियों और पार्टी के लोगों की जुबान पर जिनका नाम सबसे ज्यादा था, भाजपा ने उससे किनारा करते हुए किसी नए को ही ला खड़ा किया।

ऐसे में सवाल ये है कि क्या अब साय मंत्रिमंडल में नए मंत्री को शामिल किए जाने को लेकर भी यही ट्रेंड देखने को मिलेगा? बृजमोहन अग्रवाल सांसद बनकर दिल्ली जा चुके हैं। साय कैबिनेट में उनकी जगह खाली है। इस खाली जगह को भरने में अनुभव की दमदारी कि बजाय किसी ऐसे नए चेहरे को मौका दिए जाने की चर्चा शुरू हो चुकी है, जो जातीय समीकरणों पर भी खरा हो।

फाइल लेकर पीएम से मिलने पहुंचे सीएम साय

आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री से मिलकर प्रदेश में चलाई जा रही योजनाओं पर बात की है। मगर सूत्र बता रहे हैं कि बात तो मंत्रिमंडल के विस्तार पर भी हुई है। पार्टी के बड़े नेताओं को सीएम विष्णु देव साय ने प्रदेश के सियासी और सामाजिक हालातों से अवगत कराया है। खबर है कि मंत्रिमंडल में किस विधायक को मौका दिया जाना है ये तय भी कर लिया गया है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान सीएम के हाथ में एक फाइल दिखी। इसमें छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट और एंटी नक्सल ऑपरेशन की जानकारी थी, जिसे मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। संसद भवन परिसर में दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक प्रदेश के राजनीतिक हालात पर बात हुई। देश के गृह मंत्री अमित शाह से भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुलाकात की। इस दौरान शाह ने सीएम साय से सरकार के काम काज और योजनाओं की जानकारी ली। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट X पर तस्वीर साझा करते हुए सीएम ने लिखा- दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात कर उन्हें छत्तीसगढ़ की परिस्थितियों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री साय दिल्ली से लौट आए हैं। उन्होंने दिल्ली रवाना होने से पहले कैबिनेट में बदलाव के सवाल पर कहा था- थोड़ा इंतजार करिए, हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक हफ्ते भर के भीतर में मंत्री किसे बनाया जाएगा इसका ऐलान कर दिया जाएगा।

केन्या में टैक्स बिल के खिलाफ सड़कों पर हजारों लोग

संसद में आग लगाई, सांसदों को टनल से रेस्क्यू किया, भारत ने एडवाइजरी जारी की

केन्या, 26 जून (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश केन्या में मंगलवार को नए टैक्स बिल के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। वे संसद के बाहर लगे बैरिकेड्स को पार कर अंदर घुस गए, जहां सांसद बिल पर चर्चा कर रहे थे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने संसद में आग लगा दी। इस दौरान पुलिस की फायरिंग में 5 लोगों को मौत हो गई, वहीं करीब 31 लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस प्रदर्शन में ज्यादातर युवाओं ने हिस्सा लिया। संसद में हिंसा के दौरान सांसदों के एक अंडरग्राउंड टनल के जरिए बाहर निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने संसद के परिसर में तोड़फोड़ भी की। वहीं केन्या में मौजूद भारतीय दूतावास ने भी नागरिकों को सावधानी बरतने की अपील की है। भारतीयों से कहा गया है कि वे बेवजह घर से बाहर न निकलें और हिंसा वाली जगहों से दूर रहें। साथ ही लगातार दूतावास के संपर्क में रहें। केन्या की राजधानी नायरोबी में प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया। इन प्रदर्शनों में

केन्या की सोशल एक्टिविस्ट और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन औमा ओबामा भी शामिल थीं। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नारे लगाते हुए कहा कि केन्या कभी आजाद नहीं हो पाया। यहां अब भी उपनिवेशवाद जारी है। केन्या में कई हफ्तों से टैक्स बिल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है। इस बिल के तहत राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार देश में टैक्स बढ़ाने वाली है। इसके तहत देश में पढ़ाई से लेकर सभी जरूरी सेवाओं पर रेवेन्यू बढ़ाया जाएगा।

इस बिल को मई में पेश किया गया था। संसद में मौजूद ज्यादातर सांसद इस बिल के समर्थन में हैं। उनका मानना है कि यह सरकारी कामों को पूरा करने के लिए जरूरी है। रेवेन्यू बढ़ाने पर होने वाली कमाई के जरिए सरकार देश में सड़कों का निर्माण, स्कूलों में टीचर्स को हायर और किसानों को फर्टिलाइजर के लिए सब्सिडी दे पाएगी। वहीं देश के ऊपर कर्ज का बोझ भी कम होगा।

सांसदों के मुताबिक, अगर बिल लागू नहीं किया गया तो सरकारी संस्थाओं में काम ठप हो जाएगा। मंगलवार को बिल पर हुई वोटिंग के दौरान 195 में से 106 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया।

नेपाली धर्मगुरु नाबालिग से रेप के मामले में दोषी करार

12 साल की जेल हो सकती है, तपस्या भंग करने पर मारपीट भी करता था

काठमांडू, 26 जून (एजेंसियां)। नेपाली धर्मगुरु राम बहादुर बोमजन 15 साल की साध्वी के साथ रेप करने के आरोप में दोषी पाया गया है। ब्रिटिश मीडिया इंडिपेंडेंट के मुताबिक बुद्ध बॉय के नाम से मशहूर 33 साल के राम बहादुर को इस साल जनवरी में यौन उत्पीड़न के साथ-साथ 4 लोगों की किडनैपिंग के मामले में गिरफ्तार किया था।

सरलाही कोर्ट ने सोमवार को उसे नाबालिग के यौन उत्पीड़न का दोषी पाया और अब मामले में 1 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, राम बहादुर को कम से कम 12 साल की जेल हो सकती है।

द काठमांडू पोस्ट ने पुलिस की चार्जशीट के हवाले से लिखा कि राम बहादुर ने 2016 में 15 साल की साध्वी को अपने कमरे में बुलाया था और उसके साथ जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बनाए थे। उसने साध्वी को धमकी भी दी थी कि वो इस बारे में किसी को न बताए।

मारपीट भी करता था धर्मगुरु

इस साल जनवरी में राम बहादुर की गिरफ्तारी के दौरान

पुलिस ने उसके घर से 30 मिलियन नेपाली रुपए (भारतीय करेंसी में करीब 2 करोड़ रुपए) जब्त किए थे। इसके अलावा 16 देशों की करेंसी भी मिली थी। राम बहादुर के भक्तों के मुताबिक उसने काफी कम उम्र में तपस्या शुरू कर दी थी। वह बिना पानी, भोजन, नींद के साधना करता था। इसलिए उसे 'बुद्ध बॉय' के नाम से भी बुलाया जाने लगा।

पुलिस का कहना है कि बोमजन पर भक्तों और साध्वियों का शारीरिक और यौन उत्पीड़न करने के आरोप हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'वह भक्तों और साध्वियों के साथ मारपीट करता था।'

जब बोमजन से इस बारे में पूछा गया को उसने कहा, "भक्त और साध्वियां तपस्या के दौरान मुझे परेशान करती थीं, इसलिए मैं उनके साथ मारपीट करता था।"

अमेरिका की गर्मी को नहीं सह सका पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का मोम का स्टैचू

पिघल कर गिर गई मूर्ति

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छह फुट ऊंची मोम की प्रतिमा पिघल गई। अमेरिका के महान नेताओं में गिने जाने वाले लिंकन का स्टैचू वाशिंगटन डीसी की भीषण गर्मी को नहीं सह पाया और पिघल जाने की वजह से उसका आकार बुरी तरह से बिगड़ गया। वाशिंगटन डीसी के एक प्राइमरी स्कूल के बाहर अब्राहम लिंकन की मोम की मूर्ति लगाई गई थी। गर्मी की वजह से लिंकन मेमोरियल की रिप्लिका इस मूर्ति का सिर पिघल गया और पैर धड़ से अलग हो गए। मूर्ति का दाहिना पैर भी सोमवार तक पिघल गया।

वाशिंगटन डीसी में शनिवार को तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इसे सेफ मोम की मूर्ति सह नहीं सकी, जिसे अमेरिकी कलाकार सैंडी विलियम्स IV ने बनाया था। इस मूर्ति को इसी साल फरवरी में नॉर्थवेस्ट वाशिंगटन के स्कूल परिसर के बाहर स्थापित किया गया था। प्रतिमा स्थापित करने वाले संगठन कल्चरल डीसी ने कहा कि गर्मी में पिघल जाने के बाद हमारे कर्मचारियों ने लिंकन के सिर को गिरने और टूटने से बचाने के लिए खुद से हटा दिया है।

अमेरिका में पड़ रही है तेज गर्मी

कल्चरल डीसी ने कहा है कि लिंकन की 3,000 पौंड मोम की मूर्ति पर भीषण गर्मी ने बड़ा प्रभाव डाला है। अब्राहम लिंकन की मूर्ति को इस स्कूल में सितंबर तक रखा जाना था लेकिन गर्मी ने इस प्लान पर प्रभाव डाला है। लिंकन की मूर्ति का यह इंस्टॉलेशन डीसी के गृह युद्ध-काल के प्रतिबंधित शिविरों, शरणार्थी शिविरों के इतिहास को याद दिलाना है, जिनमें पूर्व में गुलाम बनाए गए और अफ्रीकी अमेरिकियों को रखा गया था। कैंप बार्कर उस स्थान पर स्थित था जहां गैरीसन एलीमेंट्री अब खड़ा है। अमेरिका के कई हिस्सों में इस साल अत्यधिक तापमान देखा जा रहा है, मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं ने मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इस महीने गर्म हवाओं के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। अमेरिका के लोग बीते कई दशकों में सबसे ज्यादा गर्मी का अनुभव कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने भी गर्मी को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने के लिए कहा है।

झूठे मामले में सजा मिलने पर अब भारतीय मूल की पीड़िता से गवाह मांग रहे माफी

महिला ने कहा– मैं गर्भवती

लंदन, 26 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक भारतीय मूल की आठ सप्ताह की गर्भवती महिला को गलत आरोपों में जेल की सजा काटनी पड़ी थी। यह मामला अब इसलिए सामने आया है क्योंकि इंग्लैंड में एक डाकघर की भारतीय मूल की पूर्व प्रबंधक ने उस इंजीनियर की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसके सबूत के चलते उन्हें दोषी ठहराया गया था। 47 साल की सीमा मिश्रा की सजा अप्रैल 2021 में रद्द कर दी गई थी। उस समय अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि महिला को 12 साल पहले गलत आरोपों में दोषी माना गया था। बता दें, महिला पर आरोप था कि उसने उप डाकपाल के पद पर कार्यरत होते हुए डाकघर की शाखा से 75 हजार पाउंड चोरी किए थे। घोटाले की चल रही जांच को लेकर सीमा ने अदालत में कहा, 'पूर्व फुजित्सु इंजीनियर गैरेथ जेनकिंस ने बहुत देर से माफी मांगी है। वो भी बहुत कम। जेनिकिंस सदियों पहले माफी मांग सकते थे। जिस हालत से मैं गुजरी हूं उसे कोई नहीं समझ सकता।'

बता दें, महिला की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में सामने आई, जब घोटाले की जांच में गैरेथ जेनकिंस ने एक लिखित बयान दिया था कि उन्हें नहीं पता कि मिश्रा सजा के दौरान गर्भवती थीं और इसके बारे में उन्हें कई वर्षों बाद पता चला था। उन्होंने कहा था, 'जो भी हुआ वह बहुत ही दुखद है। मैं उनके साथ जो भी हुआ, उसके लिए मिश्रा और उनके परिवार से सिर्फ माफी ही मांग सकता हूं।' बता दें, डाकघर घोटाले में अब पुलिस झूठी गवाही या अदालत से झूठ बोलने को लेकर जांच कर रही है।

भारतीय-अमेरिकी दंपती को कोर्ट ने सुनाई सजा

रिश्तेदार को गैस स्टेशन पर काम करने के लिए मजबूर करने का आरोप

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की एक अदालत ने अपने रिश्तेदार को तीन साल से अधिक समय तक जबरदस्ती अपने गैस स्टेशन और सुविधा स्टोर पर काम कराने के आरोप में एक भारतीय दंपती को जेल की सजा सुनाई है। दरअसल, दंपती ने स्कूल में दाखिला दिलाने के बहाने से अपने रिश्तेदार को अमेरिका लेकर आया था। आरोपियों की पहचान 31 वर्षीय हरमनप्रीत सिंह और 43 वर्षीय कुलबीर कौर के तौर पर की गई है। जहां हरमनप्रीत सिंह को 135 महीने और कुलबीर कौर को 87 महीने की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही दोनों को पीड़ित को 1.87 करोड़ रुपये देने का आदेश भी दिया गया है।

झूठे वादे कर रिश्तेदार को ले आया अमेरिका

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग के सहायक अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा कि आरोपी दंपती ने पीड़ित के साथ अपने संबंध का फायदा उठाते हुए उससे झूठे वादे कर उसे

अमेरिका ले आए। उन्होंने आगे बताया कि आरोपियों ने पीड़ित के आव्रजन दस्तावेजों को जब्त कर लिया और न्यूनतम वेतन देकर उसे काम करने के लिए मजबूर किया। टॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा कि इस सजा से यह संदेश जाता है कि हमारे समुदाय में जबरन श्रम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्याय विभाग ने बताया कि मुकदमें के दौरान पेश किए गए सबूतों से पता चलता है कि आरोपी हरमनप्रीत सिंह अपने रिश्तेदार और एक नाबालिग को स्कूल में दाखिला दिलाने का लालच देकर उन्हें अमेरिका लेकर आया। अमेरिका आने के बाद उसने अपने रिश्तेदार के आव्रजन दस्तावेज को जब्त करने के बाद उन्हें अपने स्टोर में तीन साल (2018 से 2021) के लिए जबरन काम करने को मजबूर किया।

पीड़ित से 12-17 घंटे काम करवाता था आरोपी

दोनों आरोपी अपने रिश्तेदार से स्टोर की साफ सफाई से लेकर खाना बनाना, स्टॉक करना और कैश रजिस्टर को संभालने का काम करवाता था। वह न्यूनतम वेतन पर पीड़ित से हर दिन 12-17 घंटे काम करवाता था। आरोपी ने कई दिनों तक पीड़ित को स्टोर के पीछे सोने के लिए छोड़ देता था। पीड़ित को भोजन भी समय से उपलब्ध नहीं कराया जाता था। इसी के साथ उसने अपने रिश्तेदार को शिक्षा में मदद करने से भी इनकार कर दिया था।

हरमनप्रीत सिंह ने पीड़ित को कुलबीर कौर से शादी करने के लिए मजबूर किया। इस शादी का इस्तेमाल कर वह पीड़ित के परिवार की संपत्ती हड़पने की धमकी भी देता था। उसपर पीड़ित के बाल खींचकर मारने-पीटने का भी आरोप लगा है।

नाटो के नए महासचिव बने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रूटे

ब्रुसेल्स, 26 जून (एजेंसियां)। ब्रुसेल्स में 32 देशों के गठबंधन के मुख्यालय में नाटो राजदूतों की बैठक के दौरान रूटे की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके समकक्ष नौ से 11 जुलाई को वाशिंगटन में एक शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से उनका स्वागत करेंगे। नाटो ने बुधवार को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूटे को अपना अगला महासचिव नियुक्त किया है। रूटे को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब यूक्रेन में युद्ध जारी है और यूरोपीय सुरक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है। ब्रुसेल्स में 32 देशों के गठबंधन के मुख्यालय में नाटो राजदूतों की बैठक के दौरान रूटे की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके समकक्ष नौ से 11 जुलाई को वाशिंगटन में एक शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से उनका स्वागत करेंगे।

मोदी 3.0 में अमेरिका और भारत एक साथ मिलकर करेगा काम

बोले अमेरिकी राजदूत गार्सेटी

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने एक बार फिर भारत और अमेरिका संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान जब महत्वाकांक्षी भारत अमेरिका के साथ मिलकर काम करेगा, तभी रक्षा साझेदारी, अहम उभरती प्रौद्योगिकियों और आर्थिक समृद्धि में प्रगति हासिल की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को बधाई देते हुए गार्सेटी ने कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल द्विपक्षीय संबंधों के सपनों को हकीकत में बदलने का समय है। उन्होंने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में हमारे लिए अपने सपनों को साकार करने और उन्हें हकीकत में बदलने का समय है।'

अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'चाहे रक्षा साझेदारी के लिए हम साथ मिलकर काम कर रहे हों, चाहे हमारी महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियां हों या आर्थिक समृद्धि लाने के लिए हम जो काम कर रहे हों, मुझे लगता है कि मोदी 3.0 में

ये तीन चीजें महत्वाकांक्षी भारत को अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हुए देख सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि मोदी 3.0 इस बारे में है कि हम अमेरिका और भारत के बीच एक बार फिर ऐसे संबंध बनाएं जो न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि दुनिया में अच्छा काम करे। जो दुनिया को दिखा सके कि लोकतंत्र तानाशाही से बेहतर हैं। एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र एक ऐसी चीज है जो हर इंसान के लिए फायदेमंद है।' भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर हाल ही में एक साल पूरा करने वाले गार्सेटी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान हमने राजकीय यात्रा देखी, राष्ट्रपति जी-20 के दौरान यहां आए और 150 से अधिक समझौते हुए।

कनाडा से किनारा करने लगे भारतीय छात्र

स्टडी वीजा मांगने वालों की संख्या हुई आधी, विशेषज्ञों ने ट्रूडो को बताया जिम्मेदार

ओटावा, 26 जून (एजेंसियां)। कनाडा जाने की चाह रखने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से घटी है। इसकी बड़ी वजह कनाडा की ट्रूडो सरकार की ओर से हालिया समय में लगाए गए प्रतिबंध हैं। कनाडाई सरकार ने नियम बनाया है कि पोस्ट-ग्रेजुएशन करने वाले छात्र अब देश में पोस्ट-ग्रेजुएट वर्क परमिट के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। कनाडा के विदेशी छात्रों में भारतीयों की बड़ी संख्या हैं। भारतीयों में भी पंजाबी छात्रों के लिए कनाडा फेवरेट रहा है लेकिन चंडीगढ़ और पंजाब से बहुत आवेदक कनाडाई छात्र वीजा की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं कनाडा के स्टडी वीजा आवेदनों से जुड़े होर्डिंग और बिलबोर्ड भी पंजाब के शहरों से गायब हो रहे हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इमिग्रेशन एजेंट कनाडा के प्रति घटते आकर्षण की वजह कनाडा सरकार द्वारा वर्क परमिट पर लगाए गए प्रतिबंधों को देते हैं। चंडीगढ़ में रहने वाले गुरतेज संधू लंबे समय से इमिग्रेशन के मामे देख रहे हैं। उनका कहना है कि हालिया समय में नाटकीय बदलाव दिख रहे हैं। कनाडाई अध्ययन वीजा आवेदनों की संख्या घटकर आधी हो गई है। इसमें और भी गिरावट आना तय है क्योंकि अब पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को वर्क परमिट से भी वंचित किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने पोस्ट-ग्रेजुएट वर्क परमिट (पीजीडब्ल्यूपी) पर हाल ही में जो फैसला लिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय छात्रों, विशेषकर भारतीयों को निराश किया है। नए नियमों में पोस्ट-ग्रेजुएशन करने वाले छात्र अब कनाडा में प्रवेश करते समय एयरपोर्ट या समुद्री सीमा पर पीजीडब्ल्यूपी के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। गुरतेज संधू ने कहा कि पहले कनाडा में प्रवेश करने वाले लोगों को अपने विजिटर वीजा को वर्क परमिट में बदल दिया जाता था। यह सुविधा विभिन्न कारणों से वापस नहीं ली गई है। इस साल जनवरी में, कनाडाई सरकार ने गारंटीड इन्वेस्टमेंट सर्टिफिकेट (जीआईसी) शुल्क को भी बढ़ाकर दो गुना कर दिया गया है। दूसरी ओर ग्रेजुएट छात्रों को वर्क परमिट से भी वंचित कर दिया गया।

भारतीय मूल के युवक को 10 साल की कैद

दो गुटों की लड़ाई में था शामिल एक व्यक्ति की गई थी जान

सिंगापुर सिटी, 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय मूल के एक युवक को एक मामले मे एक साल की जेल और 2,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। 2023 में एक होटल में एक झगड़े में युवक शामिल था, इस झगड़े में एक की व्यक्ति की मौत हो गई थी। शार्विन जय नायर ने मंगलवार को भारतीय मूल के शर्विन जय नायर को एक मामले में सजा सुनाई गई। यह मामला वर्ष 2023 का है। जहां दो गुटों में एक होटल में लड़ाई हो गई। इस दौरान दूसरे गुट के एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में मोहम्मद इसरत इस्माइल को दोषी करार दिया गया। एक ऑर्चर्ड रोड के पर्यटक मोहम्मद इसरत इस्माइल की इस झगड़े में मौत हुई थी।

नासा ने खींची दुर्लभ तूफान की फोटो

जमीन की जगह अंतरिक्ष में गई बिजली, चमकदार रोशनी का क्या है रहस्य?

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। नासा की ओर से समय-समय पर हमारे ब्रह्मांड की आश्चर्यजनक तस्वीरें शेयर की जाती रही हैं। अंतरिक्ष प्रेमी इन तस्वीरों को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने इस बार एक मनमोहक छवि जारी की है, जो अंतरिक्ष की न होकर धरती की है। तस्वीर भूटान में हिमालय की ओर तूफान से निकली विशाल बिजली को दिखाती है। देखने में ये बिजली जितनी मनमोहक है वह उतनी ही खतरनाक है। आम तौर पर बिजली बादलों से धरती की ओर गिरती है। लेकिन ये बिजली आसमान की ओर निकली है।

पिछले सप्ताह नासा के एस्ट्रोनॉमी पिक्चर ऑफ द डे की ओर से इस फोटो को शेयर किया

गया था। इस तरह की बिजली को 21वीं सदी में ही खोजा गया है। इसमें चार लंबे-लंबे जेट अंतरिक्ष की ओर जाते दिखाई देते हैं। आम बिजली जमीन की तरफ गिरने के दौरान शाखाओं में बंट जाती है। वहीं यह बिजली तूफान और पृथ्वी के आयनमंडल के बीच अंतर को खत्म कर देता है। तूफान का रंग भी अलग-अलग होता है। जहां से यह निकलता है उसे ब्लू जेट। वहीं ऊपरी शाखा को रेड स्प्राइट्स कहा जाता है। नासा ने बताया कि इस बिजली को 'जाइगैंटिक जेट्स' कहा जाता है। बादलों से बलों या बादलों से जमीन पर गिरने वाली बिजली से यह बेहद अलग और शक्तिशाली होती है। वेदर डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक जाइगैंटिक जेट्स जमीन पर गिरने वाली सामान्य बिजली की जगह 50 गुना ज्यादा शक्तिशाली होते हैं। पृथ्वी की सतह से ये लगभग 80 किमी की ऊंचाई तक जा सकते हैं। इससे जुड़े कई शोध चल रहे हैं, फिर भी इनके निकलने का सटीक कारण अभी भी रहस्य है। ऐसा माना जाता है कि वायुमंडल की विभिन्न परतों के बीच विद्युत आवेश को संतुलित करने में उनकी भूमिका है। वैज्ञानिक अभी भी इस तरह की अनोखी घटनाओं का पता लगाने में जुटे हुए हैं। नासा के मुताबिक ऐसे तूफान सैकड़ों किलोमीटर दूर से साफ दिखाई दे सकते हैं। हालांकि इसका दिखना भी किस्मत की बात है। इससे पहले साल 2019 में एक विमान यात्री ने एक विशाल जेट बिजली की फोटो क्लिक की थी।

भारत ने जंग में इजराइल को हथियार दिए

1500 किलो विस्फोटक, 12 टन रॉकेट भेजे, चेन्नई से इजराइली तट पहुंचा हथियारों से लदा जहाज

यरूशलम, 26 जून (एजेंसियां)। भारत ने हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल को हथियार निर्यात किए हैं। कतर के मीडिया अलजजीरा ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का दावा किया है। इसके मुताबिक, भारत ने इजराइल को 20 टन रॉकेट इंजन, 12.5 टन विस्फोटक चार्ज वाले रॉकेट, 1500 किलो विस्फोटक सामान और 740 किलो गोला-बारूद सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 15 मई को बोरकम नाम का एक कार्गो जहाज स्पेन के तट पर पहुंचा था। यहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनी झंडा लहराते हुए अधिकारियों से

जहाज की जांच की मांग की। ईयू संसद के वामपंथी सदस्यों ने स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज से अपील की थी कि वे जहाज को स्पेन के तट पर रुकने की इजाजत न दे। हालांकि, इससे पहले कि स्पेन कोई फैसला करता, बोरकम जहाज वहां से स्लोवेनिया के कोपर तट पर चला गया। स्पेन की वामपंथी समर पार्टी ने कहा था कि जहाज का जाना इस बात का सबूत है कि उस पर इजराइल के लिए हथियार लदे हुए थे। अब अलजजीरा ने इन दावों की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जहाज 2 अप्रैल को चेन्नई के तट से रवाना हुआ था, जो इजराइल के अश्दोद पोर्ट जा रहा था। यह तट गाजा पट्टी से करीब 30 किमी की दूरी पर मौजूद है। मरीन ट्रैफिकिंग वेबसाइट के हवाले से बताया गया कि जहाज ने इजराइल पहुंचने के लिए लाल सागर का रास्ता नहीं अपनाया, क्योंकि वहां हूती विद्रोही लगातार हमला करते रहते हैं।

पाकिस्तान बोला- भारत के साथ रिश्ते सुधारने को तैयार

कहा- दुश्मनी में भरोसा नहीं रखते, लेकिन भारत अपना दबदबा बढ़ाने के लिए फैसले नहीं थोप सकता

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने मंगलवार को भारत के साथ रिश्ते सुधारने की वकालत की है। पाकिस्तान सरकार के थिंक टैंक आईएसएसआई की 51वीं सालगिरह पर एक समारोह को संबोधित करते हुए डार ने कहा, "हम दुश्मनी में भरोसा नहीं करते हैं। हम भारत के साथ अच्छे पड़ोसी की तरह रिश्ते बनाते हुए जम्मू कश्मीर विवाद को शांतिपूर्ण और सही तरह से हल करना चाहते हैं।"

इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच सालों से दिक्कतें रही हैं। हमें लगता है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल से साथ ही अब समय आ गया है कि हम दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने पर गंभीरता से विचार करें। यह सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया के हित में होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा बातचीत के जरिए मसलों को सुलझाने का समर्थक रहा है, लेकिन हम कभी भी भारत के एकतरफा फैसलों को पाकिस्तान पर थोपे जाने और क्षेत्र में अपना दबदबा बनाने की कोशिशों को स्वीकार नहीं करेंगे।

भारत को चेतावनी देते हुए डार ने कहा कि पाकिस्तान साउथ एशिया में स्थिरता बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। अगर भारत की हिंदुत्व वाली सरकार ने सैन्य कार्रवाई करने की कोई भी कोशिश की तो हम उसका जवाब जरूर देंगे। जहां एक तरफ पाकिस्तान के मंत्री भारत के साथ रिश्ते सुधारने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएन महासभा में बैठक के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने एक बार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान को जवाब देते हुए भारत के प्रतिनिध प्रतीक माथुर ने कहा, "आज एक डेलिगेशन ने इस बैठक का इस्तेमाल झूठे नेरेटिव को फैलाने के लिए किया।"

माथुर ने कहा वह पाकिस्तान के बयान का कोई जवाब नहीं देंगे, क्योंकि यह सभा के समय की बर्बादी होगी।

बिरला को फिर लोकसभा अध्यक्ष बनाने की स्क्रिप्ट कैसे लिखी

मोदी ने मंत्रिमंडल विस्तार में दिए थे संकेत, ओम अब राजस्थान के नए पावर सेंटर

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। मोदी 3.0 में ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने गए। बिरला का लगातार दूसरी बार इस पद पर आना राजस्थान के बदलते राजनीतिक समीकरण की तरफ भी इशारा कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से इतर बिरला प्रदेश में नए पावर सेंटर के रूप में उभरे हैं। बिरला उन बिरले नेताओं में से हैं, जो लगातार दूसरी बार इस पद तक पहुंचे हैं। हालांकि, पिछली बार की तरह इस बार पद की राह आसान नहीं थी।

भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जब 7 और 8 जून को दिल्ली में बैठकों का दौर चला, तब यह तय हो गया था कि राजस्थान से चार मंत्री और एक लोकसभा स्पीकर मतलब 4+1 फॉर्मूला बरकरार रखा जाए। बिरला के नाम पर एनडीए में सर्वसम्मति बनाई गई। राजनाथ सिंह और कुछ वरिष्ठ नेताओं ने विपक्षी पार्टियों के नेताओं को भी बिरला के नाम पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास किया था, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने फिर ओम बिरला पर भरोसा जताया है। हालांकि, इसके संकेत मोदी 3.0 के मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान ही दे दिए थे। पीएम मोदी ने अपनी पुरानी टीम के कई दिग्गजों के पोर्टफोलियों

तक नहीं बदले थे। राजनाथ सिंह को फिर से रक्षा मंत्री और अमित शाह को दोबारा गृहमंत्री बनाया।

नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, अश्विनी वैश्नव, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव को पिछले पोर्टफोलियों के साथ टीम में बनाए रखा। इस कारण लग रहा था कि बिरला फिर लोकसभा अध्यक्ष बन सकते हैं। तीसरी बार लोकसभा स्पीकर का फैसला इलेक्शन से

आजाद भारत के लोकसभा इतिहास में 15 मई 1952 को पहली लोकसभा के स्पीकर का इलेक्शन हुआ था। इसके बाद आपातकाल के दौरान 1976 में भी लोकसभा स्पीकर के लिए मत विभाजन हुआ था। अब 2024 में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद पर तीसरी बार चयन चुनाव से हुआ है। क्योंकि इस बार पिछली बार की तरह इस पद के लिए विपक्ष से सहमति नहीं बन पाई थी। हालांकि बिरला की जीत तय थी और हुआ भी वही।

नए और पुराने संसद भवन में संचालन : ओम बिरला के नाम बतौर अध्यक्ष पुराने और नए संसद भवन दोनों सदनों के संचालन का अनुभव है, जो एक अनोखा रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड शायद ही कभी टूट सके। 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन हुआ था। लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष : बिरला यदि इस पद पर अपना दूसरा कार्यकाल भी पूरा कर लेते हैं, तो उनके नाम एक रिकॉर्ड और दर्ज हो सकता है। साढ़े तीन दशक बाद लगातार 2 बार लोकसभा का कार्यकाल पूरे करने वाले नेता। इससे पहले बलराम जाखड़ ने साल 1980 से 1985 और 1985 से 1989 तक अपने दोनों कार्यकाल पूरे किए।

लोकसभा अध्यक्ष रहते जीते : लोकसभा अध्यक्ष रहते लगातार दूसरी बार चुनाव जीत कर संसद पहुंचने वालों में 20 साल बाद ओम बिरला का नाम दर्ज हुआ है। गौरतलब है कि 1999 के बाद कोई भी लोकसभा अध्यक्ष दोबारा चुनाव जीतकर लोकसभा सदन में नहीं पहुंचा था। ओम बिरला से पहले पीए संगमा ही ऐसे स्पीकर थे, जिन्होंने लगातार चुनाव जीता था।

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद राजस्थान की राजनीति में बड़े बदलाव सामने आए हैं। पहले वसुंधरा राजे बड़ा पावर सेंटर हुआ करती थीं, लेकिन अब समीकरण अलग हैं। बतौर मुख्यमंत्री भजनलाल पावर सेंटर हैं ही, लेकिन ओम बिरला को लगातार दूसरी बार संवैधानिक पद मिलने और मोदी-शाह के नजदीकी होने के कारण वे एक बड़े पावर सेंटर के रूप में देखे जा रहे हैं।

बिरला की खासियतों में से एक है माइक्रो मैनेजमेंट, जिसने उन्हें संगठन के कामों और जनता के बीच पकड़ बनाने में फायदा दिया। वे कई बार वे भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने माइक्रो मैनेजमेंट के फंडे समझाते भी आए हैं। कई बार पार्टी ने उनके लिए विशेष सत्र भी रखे हैं। उनके लोकसभा क्षेत्र में शादी-ब्याह हो या किसी का निधन हो जाए, बिरला पहले तो उपस्थित होने का प्रयास करते हैं, यदि उपस्थित नहीं हो पाते, तो फोन जरूर करते हैं।

उनके लोकसभा क्षेत्र में बाढ़ आई हो या कोई और नुकसान हुआ हो, वे हमेशा मौके पर पहुंच हैं। चाहे वे सांसद रहे या लोकसभा अध्यक्ष, संकट के दौरान लोगों को मदद का प्रयास किया है और प्रशासन की बैठकें लेकर या निर्देश देकर जनता तक मदद पहुंचाई है।

पहली बार मुफ्त गेहूं के बदले मिलेगा 5 किलो बाजरा

भजनलाल सरकार की बड़ी सौगात

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसान सम्मान निधि के बढ़ाने के बाद अब एक और बड़ा तोहफा देने जा रहे है। पहली बार सरकार प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरा खरीदने की तैयारी कर रही है। समर्थन मूल्य पर खरीदा गया बाजरा तीन महीने यानी नवंबर, दिसंबर एवं जनवरी में खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े 4.46 करोड़ लोगों को गेहूं की एवज में मुफ्त दिया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से चर्चा हो चुकी है।

गेहूं से महंगा बाजरा

राजस्थान में समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद नहीं की जाती है। गेहूं 2400 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा जाता है। बाजरे का समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल है। इस हिसाब से बाजरा करीब 225 रुपए क्विंटल महंगा पड़ेगा। खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े एक करोड़ 6 लाख से अधिक परिवारों के जुड़े 4.46 करोड़ लोगों को सरकार 5 किलो अनाज देती हैं। राजस्थान में बाजरे का उत्पादन करीब 50 लाख मीट्रिक टन होता है। तीन महीने के हिसाब से सरकार 8 से 10 लाख मीट्रिक टन बाजरा किसानों से खरीदेगी। अभी राजस्थान में बाजरे की खरीद नहीं होती है और यहां के किसान हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में बेचने जाते हैं। इससे किसानों को बड़ा फायदा मिलेगा।

बाजरा कितना उपयोगी

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने स्वास्थ्य विभाग से भी एक रिपोर्ट मांगी है कि बाजरा किस तरह से स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। महिलाओं में आयरन की कमी पाई जाती है और बाजरा कमी को पूरा करने में सार्थक साबित हो सकता है।

कांग्रेस नेताओं पर केस को लेकर गहलोत बोले

ये सरकार की बौखलाहट, कांग्रेस न डरी है न डरेगी

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस नेताओं पर राजकार्य में बाधा डालने और रास्ता रोकने को लेकर दर्ज की गई FIR पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया आई है। गहलोत ने इस कार्रवाई को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार की बौखलाहट है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व खेल मंत्री अशोक चांदना सहित दर्जनों कांग्रेस नेताओं पर FIR दर्ज किए जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया एक-एक करके सामने आ रही है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने इसे सरकार की बौखलाहट बताया है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के आयोजन में कथित गड़बड़ी को लेकर राजस्थान के कोटा शहर में सोमवार को उग्र प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट करके कहा कि कोटा में NEET पेपर लीक के मामले पर हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर पीसीसी प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर FIR दर्ज करना सरकार की बौखलाहट है। उन्होंने लिखा कि पेपर लीक को स्वीकार कर लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई की बजाय उनके लिए न्याय मांगने वालों पर FIR करना उचित नहीं है। कांग्रेस न्याय की लड़ाई लड़ने में ऐसे फर्जी मुकदमों से ना तो डरी है और ना डरेगी।

किसानों को मिली डबल किसान सम्मान निधि, मैसेज देखते ही झूमे किसान

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। नरेन्द्र मोदी ने गत सप्ताह पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी की। इस दौरान प्रदेश में अपेक्स बैंक (राजस्थान राज्य सहकारी बैंक) में गफलत हो गई। बैंक ने अपने खाताधारक करीब 70 हजार किसानों को डबल भुगतान कर दिया। एक ही दिन में दो-दो हजार की दो किस्त उनके खातों में जमा करा दी।

बैंक प्रशासन ने मामले का हल निकालने की बजाय उसे दबाने का प्रयास किया। यहां तक कि सरकार को भी इसकी जानकारी नहीं दी। अब सरकार को इस गड़बड़ी की भनक लगी तो अपेक्स बैंक से रिपोर्ट मांगी गई है।

योजना के तहत केन्द्र सरकार एक साल में किसानों को छह हजार रुपए की आर्थिक सहायता देती है। यह सहायता दो-दो हजार रुपए की तीन किस्तों में दी जाती इसके तहत केन्द्र सरकार सबंधित बैंक को राशि ट्रांसफर कर देती है, जिसे बैंक खाताधारक के खाते में जमा करती है।

प्रदेश में लाभार्थी किसानों की संख्या करीब 65 लाख है। इनमें से हजार किसानों के खाते सहकारी बैंकों में हैं। इन किसानों के खातों में 14 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान हो गया। हालांकि बैंक के एमडी धनसिंह देवल का कहना है कि मुझे मामले की जानकारी नहीं है।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक का कहना है कि यह मामला जानकारी में आया है। बैंक से रिपोर्ट मांगने के साथ ही जिम्मेदार से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल से मिले मंत्री और विधायक

सिरोही में बढ़ रहे अपराध को रोकने पर की चर्चा

सिरोही, 26 जून (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा बाली विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान विधानसभा क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली कटौती समस्या, चोरी-अपराध प्रकरण, पाली शहर में असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल खराब करने संबंधी अन्य मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान क्षेत्र में लगातार हो रही भीषण गर्मी और आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए बिजली कटौती कम से कम करने और पर्याप्त संसाधनों को उपलब्ध करवाने की मांग की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों का कहना था कि बिजली कटौती के कारण क्षेत्र में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में जीवन दुश्वार हो गया है। शहरी क्षेत्र में कई लघु उद्योगों पर पड़ रहे कुप्रभाव से अवगत करवाते हुए इनके समाधान के बारे में चर्चा की गई। क्षेत्र में हो लगातार हो चोरी और अपराध की वारदात, पोमजी महाराज मंदिर में हत्या प्रकरण, बजरी माफियाओं के आतंक, बजरी की दर निर्धारण करने और पाली शहर में असामाजिक तत्वों द्वारा संचालित अवैध बूचड़खानों को बन्द करवाने और पशुधन को बचाने के लिए अवैध बूचड़खानों के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे आमजन पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के प्रकरण एवं लगातार हो रहे अपराधों पर नियंत्रण करवाने के बारे में चर्चा की गई। सिरोही में अर्बुदा गोशाला के निर्माण कार्यों को शीघ्र शुरू करवाने की मांग की गई। सुमेरपुर एवं शिवगंज के बीच जवाई नदी पर नया पुलिया निर्माण करने, बिपरजॉय तूफान से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और पुलों के निर्माण, तूफान में नुकसान के मुआवजा को शीघ्र दिलाने, सुमेरपुर बाली के लिए देवनारायण आवासीय योजना में आवासीय विद्यालय स्वीकृत करवाने की मांग और जोधपुर राई का बाग स्टेशन का नाम सुधार करने संबंधित विभिन्न मांगों को जल्द से जल्द पूरा करवाने का आग्रह किया है।

'संसद में फीलिंग 5 स्टार होटल जैसी'

हनुमान बेनीवाल ने लोकतंत्र के मंदिर को लेकर की टिप्पणी

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल लगातार अपने बयानों से चर्चा में बने रहते है। बेनीवाल ने संसद सदस्य की शपथ ग्रहण की। इस दौरान भी वे अलग अंदाज में नजर आए। इस बार उन्होंने नई संसद को लेकर अजीबोगरीब टिप्पणी कर दी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में नई संसद को लेकर कहा कि 'लोकसभा में फीलिंग ही नहीं आ रही थी। इसमें फीलिंग आई होटल जैसी। जैसे फाइव स्टार होटल में घूम रहे हो।'

'ऑल पार्टी मीटिंग में हमें नहीं बुलाते'- बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि 'ऑल पार्टी मीटिंग के लिए

लोकसभा अध्यक्ष से बात होती थी, तो कहते थे कि जगह की कमी है। छोटी पार्टियों को बुला नहीं पाते। ऑल पार्टी मीटिंग के लिए जब प्रधानमंत्री सभी पार्टियों को बुलाता है तो सभी पक्ष-विपक्ष के नेता बैठते है। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष को भी ऑल पार्टी मीटिंग में सभी पार्टियों को बुलाना चाहिए। लेकिन 5 साल में हमें कभी नहीं बुलाया।'

'संसद में फीलिंग होटल जैसी'- बेनीवाल

उन्होंने आगे कहा कि 'जो नई लोकसभा बनी थी हम उससे सहमत नहीं थे। हम न उसके उद्घाटन में गए और न ही लोकार्पण में गए। हमने बहिष्कार किया था। क्योंकि इसमें फीलिंग ही नहीं आ रही थी। इसमें फीलिंग आई होटल जैसी। जैसे फाइव स्टार होटल में घूम रहे हो। जो एमपी चुनकर आता है, लोकतंत्र को बचाने के लिए अन्दर जाते ही न तो इसकी ऑडियो सुनाई दे रही है और न ही कोई पहचान में आ रहा है, दूर-दूर तक। मोदी जी ने नाम लिखने की होड़ में ये बनाया है।'

डूंगरपुर में एमबीबीएस स्टूडेंट की रैगिंग, किडनी और लिवर डैमेज

300 उठक-बैठक लगवाई थी, करवानी पड़ी डायलिसिस; 7 स्टूडेंट्स सस्पेंड

डूंगरपुर, 26 जून (एजेंसियां)। डूंगरपुर में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के 50 से ज्यादा स्टूडेंट के साथ रैगिंग हुई। इसके बाद कई की हालत बिगड़ गई। सीनियर स्टूडेंट ने फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट को कॉलेज के पास एक पहाड़ी पर बुलाया। उनसे 300 से ज्यादा उठक- बैठक करवाई। एक लड़के की किडनी और लिवर डैमेज हो गया है। एक अन्य लड़के को भी हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा था। उधर, आरोपी सेकेंड ईयर के 7 स्टूडेंट को कॉलेज से सस्पेंड कर दिया गया है। मामला डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज का है।

सदर थानाधिकारी गिरधारी सिंह ने बताया- मेडिकल कॉलेज डूंगरपुर के प्रिंसिपल एस बाला मरगुनवेलू की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। रैगिंग की ये पूरी घटना डेढ़ महीने पहले 15 मई की है। रिपोर्ट के अनुसार- मेडिकल कॉलेज में ही फर्स्ट ईयर एमबीबीएस के स्टूडेंट हर्षित खन्ना (बदला हुआ नाम) के साथ रैगिंग हुई है। सेकेंड ईयर एमबीबीएस के सीनियर स्टूडेंट देवेंद्र मीणा, अंकित यादव, रविंद्र कुलरिया, सुरजीत, विष्णेंद्र धायल, सिद्धार्थ परिहार और अमन रागेरा ने हर्षित खन्ना को कॉलेज के पास ही एक पहाड़ी पर बुलाया। इसके बाद उसकी रैगिंग करते हुए 300 से ज्यादा उठक-बैठक करवाई थी।

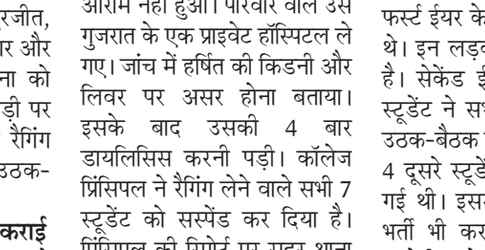

प्रिंसिपल ने रिपोर्ट दर्ज कराई

उसका डूंगरपुर के हॉस्पिटल में इलाज करवाया गया, लेकिन कोई आराम नहीं हुआ। परिवार वाले उसे गुजरात के एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। जांच में हर्षित की किडनी और लिवर पर असर होना बताया। इसके बाद उसकी 4 बार डायलिसिस करनी पड़ी। कॉलेज प्रिंसिपल ने रैगिंग लेने वाले सभी 7 स्टूडेंट को सस्पेंड कर दिया है। प्रिंसिपल की रिपोर्ट पर सदर थाना पुलिस ने 7 स्टूडेंट के खिलाफ रैगिंग का केस दर्ज कर लिया है। सदर थानाधिकारी गिरधारी सिंह मामले की जांच कर रहे हैं।

40 सीनियर स्टूडेंट ने ली रैगिंग

पीड़ित स्टूडेंट हर्षित खन्ना ने बताया- मेरे साथ फर्स्ट ईयर के 50 से ज्यादा स्टूडेंट थे। इन लड़कों साथ भी रैगिंग हुई है। सेकेंड ईयर के 40 सीनियर स्टूडेंट ने सभी जूनियर स्टूडेंट से उठक-बैठक करवाई। मेरे साथ 3 से 4 दूसरे स्टूडेंट की तबीयत बिगड़ गई थी। इसमें से एक लड़के को भर्ती भी करवाया गया था। मैंने आरोपी स्टूडेंट के खिलाफ 20 जून को एंटी रैगिंग कमेटी को रिपोर्ट दी थी। कमेटी ने तुरंत एक्शन लेते हुए 25 जून तक जांच पूरी कर ली। कॉलेज प्रशासन ने 25 जून को केस दर्ज करवाया है।

पीड़ित स्टूडेंट हर्षित खन्ना ने बताया- रैगिंग के बाद मेरी तबीयत बिगड़ गई। पहले तो मैंने डूंगरपुर के ही डॉक्टरों को दिखाया और दवाएं खाईं। पर आराम नहीं हुआ। इसके बाद गुजरात के हॉस्पिटल में दिखाया। 25 से 30 मई तक गुजरात के हॉस्पिटल में भर्ती रहा। इसके बाद घर आया। तबीयत में ज्यादा सुधार नहीं थी। इसलिए कॉलेज नहीं गया। 6 जून को मैं अपने पिता के साथ जैसे-तैसे कॉलेज गया। रैगिंग के डर की वजह से मैंने रिपोर्ट नहीं दी। 10 जून को प्री-एग्जाम की वजह से रिपोर्ट नहीं दी।

बकरा चोरी के शक में मासूमों को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा

मामले में 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

अजमेर, 26 जून (एजेंसियां)। अजमेर के श्रीनगर गांव में बकरा चोरी करने के शक में दो मासूमों को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटने का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों बच्चे बालोद का दड़ा गांव के बताए जा रहे हैं। अजमेर के निकटवर्ती श्रीनगर गांव में दो बच्चों को किडनैप कर उनके साथ मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। बच्चे की मां का कहना है कि आरोपी दोनों मासूमों को चोरी का आरोप लगाकर उठा ले गए थे और इसके बाद गांव में एक पेड़ से बांधकर जमकर उन्हें पीटा। बच्चे रोते-गिड़गिड़ाते रहे लेकिन किसी भी ग्रामीण ने उनकी मदद नहीं की। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को छुड़ाया। मामले में अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार घटना अजमेर के बालोद का दड़ा गांव में 24 जून की है, जिसका वीडियो आज सामने आया है। मामले में 34 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दी थी कि 24 जून की सुबह 10 बजे अचानक उसके घर पर गांव के ही कानाराम, मुकेश, बबलू और ओमप्रकाश जबरन घुस आए और उसके 14 साल के बच्चे को उठाकर ले गए। जब महिला ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो कहा कि इसने बकरा चोरी किया है और इसके लिए वे सजा देंगे।

महिला ने बताया कि ये लोग उसके बेटे को कानाराम के घर ले गए। ऐसे ही एक अन्य व्यक्ति के बेटे को भी उठाकर लाए और दोनों बच्चों को रस्सियों से बांधकर पेड़ से लटका दिया और बेल्ट से बेरहमी से पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। इधर दोनों बच्चों को छुड़वाने के लिए परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों बच्चों को छुड़ाया। दोनों बच्चों के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। एडिशनल एसपी ग्रामीण अजमेर दीपक कुमार ने बताया कि मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गजा महाराज हत्या केस में चेला गिरफ्तार

जालौर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर पुलिस ने आठ माह पूर्व में हुई वृद्ध संत गजाराम की हुई हत्या के बहुचर्चित मामले में खुलासा करते हुए वृद्ध संत की हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल जालौर जिले के जसवंतपुरा थाना क्षेत्र के पचेरी गांव पहाड़ी क्षेत्र नीलकंठ महादेव कुटिया में रहने वाले संत गजाराम की आठ माह पूर्व अज्ञात हमलावर ने हत्या कर शव लोहे के बक्से में बंद कर दिया था। पुलिस ने वारदात का पर्दाफाश कर संत के चेले सुंदरनाथ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 06 नवंबर 2023 को भवानीशंकर पुत्र गजाजी जाति पुरोहित निवासी पंसेरी ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि 06 नवम्बर 2023 को पंसेरी में नीलकंठ महादेव मंदिर में कुटिया में रह रहे उसके पिताजी गजा महाराज की अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर शव को कुटिया में रखी टंकी में बांधकर डाल दिया है, जिस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वहीं मामले में पाली रेंज पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने प्रेसवार्ता कर मामले का खुलासा किया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए उप महानिरीक्षक पुलिस रेंज पाली द्वारा प्रकरण को ट्रेस आउट करने के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक जालोर को विशेष निर्देश दिये गये।

कचरे के ढेर से 6 माह का भ्रूण मिलने से सनसनी

पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा

अलवर, 26 जून (एजेंसियां)। अलवर के बनर्जी का बास इलाके में कुएं पर कूड़े के ढेर से करीब 6 से 7 माह का भ्रूण मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के ठाकुर वाला कुआं पर सड़क किनारे कचरे में करीब 6 से 7 माह का भ्रूण मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर जब कुत्ते कचरे से भ्रूण को निकालकर नोंच रहे थे, तभी मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। उसके बाद लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया और भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

यहां रहने वाले जितेंद्र राठौर ने बताया कि बनर्जी का बास, ठाकुर वाला कुएं पर कूड़े के ढेर में सड़क किनारे कुत्तों के झुंड को देखकर लोग मौके पर पहुंचे तो वहां भ्रूण पड़ा मिला, जिसे कुत्ते नोच रहे थे। लोगों ने कुत्तों को मौके से भगाया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और भ्रूण को जिला अस्पताल के मोर्चरी हाउस में रखवाया। प्रथम दृष्टया भ्रूण 6 से 7 महीने का लग रहा है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सूखते जलाशयों से किसान चिंतित

सिद्दीपेट, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के तहत बनाए गए चार जलाशयों में पानी पंप करने में अनिश्चितता पूर्ववर्ती मेडक जिले और यदाद्री-भोंगीर जिले के कुछ हिस्सों के किसानों को चिंतित कर रही है।

चूंकि गोदावरी के पार बनाए गए मेडिगड्डा बैराज से पानी छोड़ा गया था, जो मिड् मानेर के माध्यम से इन जलाशयों में पानी पंप करने के लिए बनाया गया था। इसलिए वर्तमान परिस्थितियों में यहां से पानी पंप करने की संभावना धूमिल दिखाई देती है। सिंचाई अधिकारी येलमपल्ली परियोजना से पानी पंप करने की योजना बना रहे थे, अगर उन्हें गोदावरी के ऊपरी हिस्से से पर्याप्त पानी मिला। हालांकि, अभी तक ऊपरी हिस्से से पानी मिलने के कोई संकेत नहीं मिले हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में बाबली परियोजना, एसआरएसपी और तेलंगाना में येलमपल्ली दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के बाद भी खाली थे।

सिद्दीपेट में निर्मित चार जलाशय अनंतगिरी जलाशय, रंगनायक सागर, कोंडापोचम्मा सागर और मल्लन्ना सागर थे। सिद्दीपेट और राजन्ना सिरिसिला जिलों के बीच दोनों जिलों की सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाए गए अनंतगिरी जलाशय में 3.5 टीएमसी की पूर्ण भंडारण क्षमता के मुकाबले 0.73 टीएमसी पानी था। सिद्दीपेट जिले के सिद्दीपेट शहर, सिद्दीपेट ग्रामीण, चिन्नाकोदुर, नारायणरावपेट, चेरियाला, मद्दुर और नांगनूर मंडल के कुछ हिस्से और सिरसिल्ला जिले के इलांथकुंटा, मुस्ताबाद और तंगलापल्ली मंडलों को अनंतगिरी से सिंचाई का पानी मिलेगा। परियोजना के तहत प्रस्तावित आयाकट 30,000 एकड़ का है, लेकिन वे 15,000 एकड़ को सिंचाई का पानी प्रदान कर सकते हैं क्योंकि कई नहरों पर काम चल रहा है यह परियोजना सिद्दीपेट, सिद्दीपेट ग्रामीण, नारायणरावपेट, चिन्नाकोदुर, नांगनूर, दुब्बाक, कोंडापाक और कुकुनुरपल्ली मंडलों के कुछ हिस्सों के लिए सिंचाई के पानी का स्रोत है। इस परियोजना में 3 टीएमसी के पूर्ण जलाशय स्तर के मुकाबले 0.70 टीएमसी पानी था। अब उपलब्ध पानी पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। परियोजना के तहत प्रस्तावित अयाकट 1.10 लाख एकड़ है।

हालांकि, कुछ नहरों के अधूरे होने के कारण सिंचाई विभाग 65,000 एकड़ के लिए पानी उपलब्ध करा सकता है। गजवेल निर्वाचन क्षेत्र में बने कोंडापोचम्मा सागर का पूर्ण जलाशय स्तर 15 टीएमसी है, लेकिन इसमें सिर्फ 4.5 टीएमसी पानी था।

परियोजना के तहत प्रस्तावित अयाकट गजवेल निर्वाचन क्षेत्र के मुलुगु, जगदेवपुर और मरकूक मंडलों और यदाद्री-भोंगीर जिले के तुर्कपल्ली, अलेर और राजापेट मंडलों में 2.85 लाख एकड़ है, लेकिन वे आखिरी यासांगी तक केवल 60,000 एकड़ में सिंचाई का पानी उपलब्ध करा सके क्योंकि नहरों का काम अभी भी जारी था।

वेलडांडा एसआई और ड्राइवर एसीबी के जाल में

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को एम. रवि , एसआई, वेलडांडा पुलिस स्टेशन, कलवाकुर्ती सब-डिवीजन, नागर कुर्नूल जिला, ने तिलकनगर कॉलोनी, कलवाकुरथी, नागरकुरनूल जिला के शिकायतकर्ता डेरानागुला वेंकटेश से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी और जी. विक्रम, (102 एम्बुलेंस ड्राइवर, सरकारी अस्पताल कलवाकुर्ती के माध्यम से इसे स्वीकार कर लिया। इसका देने का उद्देश्य "शिकायतकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज न किया जाए क्योंकि एसआई ने शिकायतकर्ता के घर से विस्फोटक सामग्री जब्त की थी। ड्राइवर से राशि बरामद की गई।

आरोपी एसआईने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अनुचित और बेईमानी से अपना कर्तव्य निभाया। इसलिए, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके समक्ष पेश किया गया। एसीबी अधिकारियों ने नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों की अदालत के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष कहा कि उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने पर कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए फोन नंबर 1064 (टोल फ्री नंबर) पर कॉल करें।

सरकार को सिंगरेणी कंपनी का साथ देना चाहिएः सीपीआई

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई विधायक कुणामनेनी संबाशिवराव ने आज कहा कि वे सिंगरेनी कंपनी के बिना तेलंगाना की कल्पना नहीं कर सकते, राज्य सरकार को सिंगरेनी नीलामी के मामले में साहसपूर्वक खड़ा होना चाहिए, जो तेलंगाना राज्य के लिए एक बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता था कि उनके बच्चों को खदानों में नौकरी मिल जाएगी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अब स्थिति बदल रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि लाखों श्रमिक अपनी आजीविका के लिए सिंगरेणी पर निर्भर हैं और कहा कि निजीकरण के कारण उनकी आजीविका खोने का खतरा है। उन्होंने कहा कि वे सिंगरेनी की रक्षा करना चाहते हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार प्रदान करती है। अगर सिंगरेनी नहीं होगी, तो कोयला आधारित उद्योगों को गंभीर नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी नीलामी के खिलाफ 5 जुलाई को बंद का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी राज्य भर में 15 दिनों तक भूख हड़ताल करेगी और सिंगरेनी नीलामी के खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने राज्य सरकार से झूठ बोलने के बजाय लोगों की ओर से संघर्ष की तैयारी करने का आह्वान किया।

जय फिलिस्तीन' का नारा लगा सांसदी गंवा बैठेंगे ओवैसी?

हैदराबाद/नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सांसद के तौर पर शपथ लेते समय जय भीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। इसके बाद अब सियासत गरमा गई है। ओवैसी की शिकायत राष्ट्रपति तक पहुंच गई। उन्हें संसद पद से अयोग्य ठहराने की मांग की जाने लगी है। हालांकि, इस नारे को अब लोकसभा के रिकॉर्ड से पूरी तरह हटा दिया गया है।

18वीं लोकसभा सत्र का दूसरा दिन था और उसी समय यह घटना हुई। एआईएमआईएम के मुखिया ओवैसी ने फिलिस्तीन की जय बोलने के बाद कहा कि वे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। हालांकि, नारे के बार सियासत भी काफी तेज हो गई है। सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी ने खासतौर पर मांफी मांगने की मांग की है। यहां तक कि एक वकील ने कहा कि फिलिस्तन के लिए निष्ठा दिखाने के लिए उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को एक चिट्ठी लिखकर ओवैसी को अयोग्य ठहराए जाने की मांग की है।

नियमों की जांच करेंगे: किरेन रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उन्हें ओवैसी की फिलिस्तीन टिप्पणी के बारे में कुछ सदस्यों से शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि हमारी फिलिस्तीन या किसी दूसरे देश से कोई दुश्मनी नहीं है। मुद्दा यह है कि शपथ लेते वक्त किसी दूसरे देश की तारीफ में नारे लगाना किस हद तक सही है? हमें नियमों की जांच करनी होगी। इसके बाद ही आगे किसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में बार-बार ऑर्टिकल 102 का जिक्र किया जा रहा है। संविधान का अनुच्छेद 102 संसद सदस्य के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के आधार तय करता है। विपक्षी पार्टियां कह रही हैं कि लोकसभा मेंबर के रूप में शपथ लेते समय किसी दूसरे देश की तारीफ करना बिल्कुल गलत है।

आर्टिकल 102 में क्या-क्या बताया गया

अब हम बात करेंगे आर्टिकल 102 की इसमें कहा गया है कि किसी भी शख्स की लोकसभा या राज्यसभा की मेंबरशिप रद्द हो सकती है। अगर वह संसद में बताए गए पद के अलावा, केंद्र सरकार या राज्य सरकार के अधीन आने वाले लाभ का कोई पद ले। अगर किसी नेता की मानसिक स्थिति सही नहीं और कोर्ट भी इस बात को स्वीकार कर ले तो वह अयोग्य ठहराया जा सकता है। दसवीं अनुसूची, जिसे दलबदल विरोधी अधिनियम के रूप में जाना जाता है।यदि कोई सांसद अपनी मूल पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होता है, तो उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य होने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। आर्टिकल 102 कहता है कि किसी और देश के प्रति निष्ठा जताने पर भी सदस्यता जा सकती है। इसी मामले पर ओवैसी पूरी तरह से विपक्षी दलों के घेरे में है।

इजरायल- फिलिस्तीन विवाद में भारत का रुख

भारत और फिलिस्तीन विवाद को खत्म करने के लिए टू स्टेट सॉल्यूशन के पक्ष में रहा है। हाल के दिनों में भारत ने फिलिस्तीनी शरणार्थी के लिए दी जाने वाली सहायता में भी काफी इजाफा किया है। इसके बाद भी भारत ने हमेशा तटस्थ रुख ही अपनाया है। भारत इजरायल और फिलिस्तीन के विवाद में कभी किसी एक पक्ष के साथ नहीं खड़ा रहा है। भारत और इजरायल के बीच काफी अच्छे संबंध है और फिलिस्तीन के साथ भी यह काफी अच्छे रहे हैं।

भाजपा नेता ने ओवैसी की लोकसभा सदस्यता निलंबित करने की मांग की

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने मांग की कि एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की लोकसभा सदस्यता निलंबित की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने सांसद के रूप में शपथ लेते समय भारतीय संसद में जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। असदुद्दीन ओवैसी, जो भारतीय धरती पर पैदा हुए और पले-बढ़े हैं, उन्हें भारतीय संसद के सदस्य के रूप में शपथ लेते समय किसी विदेशी देश का नाम नहीं लेना चाहिए, उन्होंने कहा कि ओवैसी को किसी अन्य मंच पर दूसरे देश के मुसलमानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना चाहिए था। सुभाष ने कहा, संसद में शपथ ग्रहण समारोह एक पवित्र समारोह होता है क्योंकि निर्वाचित सांसद संविधान की रक्षा करने का वादा करते हुए शपथ लेते हैं, उन्होंने कहा कि किसी विदेशी देश का नाम जपना दुश्मन देश के पक्ष में नारा लगाने जैसा है। उन्होंने यह भी कहा कि ओवैसी को अपने देश में अपने समुदाय के लोगों के कल्याण की बिल्कुल भी परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि लेकिन उन्हें इस बात की चिंता है कि फिलिस्तीन के मुसलमान भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद का इस्तेमाल कर सस्ती लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की लोकसभा सदस्यता निलंबित करने की मांग की।

पेद्दापल्ली में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

पेद्दापल्ली, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। धर्माराम मंडल के मल्लापुर के पास बुधवार को सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब विपरीत दिशाओं से आ रही एक आरटीसी बस और ऑटो रिक्शा ट्रॉली आपस में टकरा गईं। ट्रॉली चालक हैदराबाद निवासी अनवर (25) और गोदावरीखानी निवासी अफजल (55) की मौके पर ही मौत हो गई।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा पुस्तक वितरण

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा मोंढा मार्केट स्थित गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को नोटबुक, पेन, पेंसिल इत्यादि लेखन सामग्री एवं पुस्तक वितरण किया गया। शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन के अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में शीतल जैन, पूनम बोहरा, वंदना दुग्गड, मीना दुग्गड, संतोष गुजरानी, मंजू गांधी, अनीता सुराणा, मोना वर्मा, कविता मांडण, पुष्पा कोठारी, सुनीता डूंगरवाल पायल, सुमन घोडेला आदि सहभागी हुए।

इंजीनियरिंग छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बने जगदीश सीरवी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय इंजीनियरिंग छात्र संगठन के तेलंगाना (हैदराबाद) प्रदेश अध्यक्ष पद पर जगदीश सीरवी को नियुक्त कर दिया गया। ईएस ओ ईडिया के के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महामंत्री अनिल याग्रिक एवं महामंत्री राजकुमार चक्रवर्ती की सहमती से जगदीश सीरवी को तेलंगाना (हैदराबाद) प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सीरवी ने बताया की तेलंगानो प्रदेश कार्यकारणी जल्दी घोषित की

दूसरी वार्षिक फोटोग्राफी प्रदर्शनी के लिए हैदराबाद तैयार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फ़ोटोग्राफ़रों का शहर का जीवंत और सक्रिय समुदाय फ़ोटोवॉक हैदराबाद, शहर में अपनी दूसरी वार्षिक फ़ोटोग्राफ़ी प्रदर्शनी की मेज़बानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अगस्त में होने वाला यह कार्यक्रम, पलों को कैद करने और लेंस के ज़रिए कहानियाँ कहने के सामूहिक जुनून का जश्न है।

फ़ोटोग्राफ़रों को अपने काम को व्यापक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हुए, यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ने, सुझाव और तकनीक साझा करने और अमूल्य प्रदर्शन प्राप्त करने का अवसर देता है। व्यक्ति उम्मीद कर सकते हैं कि उनका काम फ़ोटोग्राफ़ी के प्रति उत्साही, संभावित ग्राहक और उद्योग के पेशेवरों द्वारा देखा जाएगा।

प्रतिभागियों को सात श्रेणियों में तस्वीरें प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है- वास्तुकला, परिदृश्य, सड़क फोटोग्राफी, पोर्ट्रेट, ब्लैक एंड व्हाइट, वन्यजीवन, और मोबाइल फोटोग्राफी। कोई भी, चाहे वह अनुभवी पेशेवर हो या उत्साही शौकिया, अपने कौशल का प्रदर्शन करने में अपना हाथ आजमा सकता है।

नशामुक्त समाज का निर्माण हो : न्या. रमेश

आसिफाबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान व जिला न्यायाधीश एमवी रमेश ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण हो। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश युवराज और सिरपुर विधायक हरीश बाबू के साथ एकीकृत कार्यालय भवन परिसर के सम्मेलन कक्ष में जिला महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी विरोधी दिवस में शामिल हुए।

जिला न्यायाधीश ने कहा कि युवाओं को थ्री एल (लव, लस्ट, लिकर) के प्रति सतर्क रहना चाहिए। युवाओं पर इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के साथ-साथ नशे का अधिक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि अदालत में आने वाले कई मामले नशीली दवाओं से संबंधित अपराध हैं। उन्होंने कहा कि जिले में नशा करने वालों की रोकथाम के लिए एक विशेष उपचार केंद्र है और उनकी सुरक्षा के लिए एक विशेष टोल फ्री नंबर भी स्थापित किया गया है। बाद में जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि नशीली दवाओं का सेवन पहले मनोरंजन के रूप में शुरू होता है और फिर आदत बन जाता है और जान ले लेता है।

जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव, सिरपुर विधायक हरीश बाबू ने अपने विचार साझा किए। इसके बाद जिला समाहरणालय से कुमरम भीम चौक से गांधी चौक तक जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल कल्याण विभाग अधिकारी भास्कर, जिला शिक्षा विभाग अधिकारी अशोक, डीएसपी सदैया, जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी और छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

प्रतिभूति मुद्रणालय में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में राजभाषा के संवर्धन एवं अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला व हिंदी तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन इकाई के मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान, महाप्रबंधक सुनील तिवारी, अधिकारीगण एवं एनएमडीसी लि., हैदराबाद से पधारे अतिथि संकाय रूद्र नाथ मिश्र,उप प्रबंधक (रा.भा)अमरजीत राय विशेष उपस्थिती थी। मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि राजभाषा के रूप हिंदी को पूर्ण रूप से कार्य में लाने के लिए इस तरह की कार्यशाला अत्यन्त लाभकारी सिद्ध होती है।

कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गयी। जिनमें रूद्र नाथ मिश्र ने हिंदी सॉफ्टवेयर कंठस्थ 2.0 की परिकल्पना, उसके विभिन्न फीचर्स तथा इस्तेमाल के विविध पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यशाला में कुल 25 अधिकारि, कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार रखते हुए इसे बहुत लाभकारी बताया।

मंत्री ने अधिकारियों को एनआईएमजेड के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने संबंधित अधिकारियों को संगारेड्डी जिले में बनने वाले राष्ट्रीय निवेश विनिर्माण क्षेत्र (एनआईएमजेड) के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने बुधवार को एनआईएमजेड के तहत 229 एकड़ के लिए 22.72 करोड़ रुपये के मुआवजे के चेक वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि एनआईएमजेड परियोजना की स्थापना के लिए अब तक कुल 5,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है और लगभग 7,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण होने की उम्मीद है। उन्होंने अधिकारियों से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे निर्धारित अवधि में पूरा करने को कहा। "विस्थापितों को कानून के अनुसार मुआवजा दिया जाना चाहिए। एनआईएमजेड परियोजना की लागत लगभग 45,000 से 50,000 करोड़ रुपये होगी। एनआईएमजेड परियोजना पूरी होने के बाद, बड़े उद्योग स्थापित होंगे और लगभग 2.5 लाख बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही, यहां 1.20 लाख करोड़ रुपये की आय हो सकती है। इसके अलावा, जहीराबाद, सदाशिवपेट, संगारेड्डी और न्यालकल के क्षेत्रों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जाएगा," राजा नरसिम्हा ने खुलासा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से भूमि अधिग्रहण में राज्य सरकार के साथ सहयोग करने तथा राज्य के विकास में अपना सहयोग देने को कहा। जिला कलेक्टर क्रांति वल्लूर ने कहा कि राष्ट्रीय निवेश विनिर्माण क्षेत्र (एनआईएमजेड) परियोजना के तहत झारासंगम और न्यालकल मंडलों के 17 गांवों में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनआईएमजेड क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र की तर्ज पर विकसित किया जाएगा तथा स्थानीय युवक-युवतियों को भविष्य में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

मंडल कार्यशाला में खुद को करें तनावमुक्त

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रचनात्मकता और कला चिकित्सा के मिश्रण का वादा करते हुए, हिमायतनगर में लियोन बर्गर एंड विंग्स में 30 जून को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक मंडल कार्यशाला आयोजित की गई है। कैफीनेटेड आउल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को मंडल निर्माण की शांत और ध्यान बढ़ाने वाली कला से परिचित कराना है। मंडला लोगों के लिए एक नया शौक तलाशने का एक अवसर है, यह भावनाओं को शांत करने, मन को शांत करने और शरीर को आराम देने के लिए एक उपकरण के रूप में काम करता है। मंडला बनाने का अभ्यास ध्यान और समन्वय को भी बढ़ा सकता है, जिससे यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक फायदेमंद गतिविधि बन जाती है।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय द्वारा आज को हैदराबाद में अपने अनुसंधान एवं विकास केंद्र में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (आर.ई.डी.) एवं प्रमुख, अनुसंधान एवं विकास केंद्र एस.के. जैन ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने सभी कार्मिकों से अपना कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करने का आग्रह किया। उप महाप्रबंधक रूद्रनाथ मिश्र ने कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्रीमती बेला, उप निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद का परिचय दिया एवं कार्यशाला की रूपरेखा की जानकारी दी।

श्रीमती बेला ने हिंदी भाषा एवं पत्राचार विषय पर लिया। उन्होंने हिंदी भाषा के व्याकरण एवं हिंदी में पत्राचार पर वक्तव्य दिया तथा साथ-साथ अभ्यास कराया। रूद्र नाथ मिश्र ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर चर्चा की। राजेश कुमार गोंड ने दैनिक कामकाज में राजभाषा के प्रयोग पर प्रकाश डाला।

चर्चा सत्र के दौरान एस.के. चौरसिया तथा श्रीमती लक्ष्मी नागवेणी ने अनुसंधान एवं विकास केंद्र के विभिन्न कार्यों में हिंदी के प्रयोग की स्थिति पर सभी के साथ गहन विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में अनुसंधान एवं विकास केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सक्रिय भागीदारी की।

15 परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा सिंचाई विभाग

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग इस वर्ष उन परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देगा, जो अपने कार्यान्वयन के अंतिम चरण में चुनौतियों का सामना कर रही हैं।विभाग ने ऐसी 15 परियोजनाओं की पहचान की है, जिन्हें पूरा करने के लिए अंतिम चरण में काफी प्रयास की आवश्यकता है। समयबद्ध कार्यक्रम के तहत उन्हें सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने के लिए सूची में और अधिक परियोजनाओं को जोड़े जाने की संभावना है। इनमें से 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरे हो चुके हैं, लेकिन आगे की प्रगति नहीं हुई है।

विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को यहां ऐसी परियोजनाओं पर काम की प्रगति की समीक्षा की और महसूस किया कि उनके कार्यान्वयन के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण के अलावा पर्याप्त धन की आवश्यकता है, ताकि उनके तहत आने वाले अयाकट को सिंचाई सुविधा मिल सके। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि विशेष श्रेणी के तहत सूचीबद्ध परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 8,600 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

विभाग के अधिकारियों ने इस वर्ष बजट में प्राथमिकता के आधार पर इन निधियों के आवंटन के लिए सरकार से अनुरोध करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने उनके कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी समन्वय की आवश्यकता महसूस की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परियोजनाओं को पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बनाया जाएगा ताकि उनके कार्यान्वयन की प्रक्रिया में किसी कानूनी बाधा का सामना न करना पड़े।

अत्तापुर के भारत नगर में बीच सड़क में गड्ढा होने से निवासियों को समस्याओं का सामना करना पड रहा है। क्षेत्र के नागरिकों ने एमआईएम नेता प्रवीण नवंदर के नेतृत्व में इस बारे में सांसद असदुद्दीन ओवैसी और क्षेत्रीय पार्षद को इस समस्या से अवगत कराते हुए मरम्मत की मांग की। नेताओं ने उन्हे इसे जल्दी ठीक कराने का आश्वासन दिया।

बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

चेन्नूर, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर नगरपालिका की आम बैठक बुधवार को नगर पालिका में नगर अध्यक्ष अर्चना रामलाल गिल्डा के नेतृत्व में हुई। इस में शहर के विभिन्न समस्याओं के मुद्दे पर चर्चा की गई। इस अवसर पर पार्षद कम्मला श्रीनिवास, जाडी सुरेखा, गैरेपल्ली शांता रानी और सहकारी सदस्य केवीएम श्रीनिवास ने आयुक्त से शहर में बंदरों से आतंक निजात दिलाने के लिए याचिका दी। इस अवसर पर पार्षद ने आयुक्त को याद दिलाया कि पिछले दिनों में इस काम के लिए 90 हजार रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन अभी तक यह समस्या का हल नहीं हुवा है। इस कार्यक्रम में आयुक्त जी. गंगाधर, सहायक अभियंता बी. साई किरण और अन्य कार्यालय कर्मचारी, बिजली विभाग के ए.ई. और परिषद सदस्य भाग लिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

राहुल गांधी ने ...

इसके अलावा राहुल लोकपाल, ईडी-सीबीआई डायरेक्टर, सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर, सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमिश्नर, एनएचआरसी प्रमुख को चुनने वाले समितियों के भी सदस्य होंगे। प्रधानमंत्री इन समितियों के अध्यक्ष होते हैं। ऐसा पहली बार होगा, जब इन पदों पर नियुक्ति के फैसलों में प्रधानमंत्री मोदी को राहुल गांधी से सहमति लेनी होगी।

राहुल भारत सरकार के खर्चों की जांच (ऑडिटिंग) करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष भी होंगे। वो सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा भी करेंगे। राहुल दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को भी राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं।

सरकारी बंगला, 3 लाख वेतन सहित कई सुविधाएं

नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल को कैबिनेट मंत्री की तरह सरकारी बंगला और सचिवालय में एक दफ्तर मिलेगा। उन्हें मासिक वेतन और दूसरे भत्तों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए मिलेंगे। बतौर सांसद, राहुल को हर महीने 1 लाख रुपए वेतन और 45 हजार रुपए भत्ता मिलता है। राहुल को कैबिनेट मंत्री के समान उच्च स्तर की सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा उन्हें मुफ्त हवाई यात्रा, रेल यात्रा, सरकारी गाड़ी और दूसरी सुविधाएं भी मिलेंगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित शर्मा की बल्लेबाजी का खौफ

सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डरे

कहा- इस बार भारत नहीं हारेगा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने धमाकेदार खेल दिखाते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ खेलना है और इस मैच से पहले विरोधी खेमे को लेकर चिंता जाहिर की जा रही है. इंग्लैंड ने पिछली बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत को सेमीफाइनल में हराया था. पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ने पॉल कॉलिंगवुड ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम नहीं हारेगी. इंग्लैंड को जीत हासिल करना है तो कुछ असाधारण करना होगा.

स्टार स्पोर्ट्स के शो पर पॉल कॉलिंगवुड ने टीम इंडिया की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, "भारतीय टीम के पास इस बार एक बेहतरीन ऑलराउंडर से भरी टीम है, खासकर जसप्रीत बुमराह अभी जिस फॉर्म में चल रहे हैं वो खतरनाक है. वो पूरी तरह से फिट हैं और तेज रफ्तार से अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी कर रहे हैं. किसी भी टीम के पास उनका कोई जवाब नहीं. 120 बॉल के मैच में अगर आपके पास अगर बुमराह जैसा घातक गेंदबाज है जो 24 बॉल डालता है तो इससे बहुत ज्यादा फर्क पड़ता है."

पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, "अमेरिका की मुश्किल पिचों पर भी भारतीय टीम बेहद आत्मविश्वास से खेलती हुई नजर आई. उनके पास रोहित शर्मा जैसा बैटर है जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐसी लाजवाब पारी खेली, जिसे देखकर लगा कि अब फॉर्म में वापसी हो चुकी है. ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता है कि इस बार भारतीय टीम हारने वाली है. इंग्लैंड को भारत को हराने के लिए असाधारण खेल दिखाना होगा."

पिछली बार जीता था इंग्लैंड

आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में भी भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबला हुआ था. भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 168 रन बनाए थे. लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान जोस बटलर ने टीम को एलेक्स हेल्स के साथ मिलकर जीत तक पहुंचाया था. भारतीय गेंदबाज 1 भी विकेट हासिल नहीं कर पाए और टीम को 10 विकेट की शर्मनाक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा.

पहले सेमीफाइनल में रिजर्व डे

भारत के मैच में नहीं होगी इसकी सुविधा

आईसीसी ने क्यों लिया ये फैसला

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप के समीफाइनल मुकाबले गुरुवार 27 जून को खेले जाएंगे. टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान का मुकाबला साउथ अफ्रीका से होना है जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की टीम होगी. इस बार के आईसीसी टी20 विश्व कप के दोनों सेमीफाइनल के लिए नियम अलग अलग है. दरअसल पहले मैच के लिए रिजर्व डे रखा गया है जबकि दूसरे मुकाबले में यह सुविधा नहीं होगी.

सुपर 8 के मुकाबले खत्म हो चुके हैं और आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में चार टीमें खेलने के लिए तैयार हैं. भारत, अफगानिस्तान, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड ने अंतिम चार में जगह बनाई है. पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका से खेलेगी जबकि दूसरे मुकाबले में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा. 27 जून को ही दोनों मुकाबले खेले जाएंगे. साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच होने वाले पहले सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है. मैच के दौरान अगर बारिश आई और ओवर कम करने के बाद भी मुकाबला पूरा नहीं खेला जा सका तो इसे रिजर्व डे पर खेला

जाएगा. मैच को अगले दिन उसी जगह से शुरू किया जाएगा जहां पर रोका गया था. पहले दिन के खेल में 60 मिनट और रिजर्व दिन में 190 मिनट अतिरिक्त रखे गए हैं. अगर बारिश की वजह से मैच का नतीजा रिजर्व डे पर भी नहीं आया तो साउथ अफ्रीका टेबल टॉप करने की वजह से फाइनल में जगह बनाने में कामयाब होगी.

दूसरे मैच में रिजर्व डे नहीं

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला जाना है. पहले सेमीफाइनल की तरह इस मैच के लिए रिजर्व डे नहीं रखा गया है. बारिश की खलल पड़ी तो मैच को पूरा कराए जाने के लिए 250 मिनट का अतिरिक्त समय होगा. अगर बारिश की वजह से मैच का नतीजा नहीं निकल पाया तो भारत टेबल टॉप करने की वजह से फाइनल में पहुंच जाएगी.

दरअसल भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले ही आईसीसी यह तय कर दिया था कि टीम इंडिया टेबल में किसी भी स्थान पर रहे लेकिन दूसरा सेमीफाइनल ही खेलेगी. इसके पीछे की वजह है भारत और मेजबान देश के समय का अंतर. भारत पहले स्थान पर रहे या दूसरे पहले से तय था कि वह दूसरा सेमीफाइनल ही खेलेगा. आईसीसी ने भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखते हुए उसके सारे मैच भारत के समय के मुताबिक रात 8 बजे से रखे. पहला सेमीफाइनल भारतीय समय के मुताबिक सुबह 6 बजे खेला जाना है जो दर्शकों के लिए फिट नहीं होता. भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल में अगर रिजर्व डे रखा गया होता और मैच 28 जून को लंबा खिंच जाता तो अगले दिन यानी 29 जून को वर्ल्ड कप फाइनल खेला जाना है. फाइनल में भारत या इंग्लैंड जो भी टीम पहुंचे उसे आराम का वक्त नहीं मिल पाता. इसी वजह से दूसरे सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे नहीं रखा गया.

भारत-पाकिस्तान की टक्कर 19 जुलाई को होगी

एशिया कप के शेड्यूल का ऐलान

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2024 के शेड्यूल का ऐलान हो गया है. टूर्नामेंट का पहला मैच 19 जुलाई को खेला जाएगा. टूर्नामेंट श्रीलंका के दांबुला में होगा. फाइनल 28 जुलाई होगा. बड़ी खबर ये है कि भारत और पाकिस्तान की टक्कर 19 जुलाई को होने वाली है.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बीच एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले की तैयारी हो गई है. जी हां एशियन क्रिकेट काउंसिल ने वीमेंस एशिया कप 2024 के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है जिसका आगाज 19 जुलाई से हो रहा है. टूर्नामेंट का पहला मैच यूएई और नेपाल के बीच 19 जुलाई को होगा वहीं इसी दिन भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर होगी और ये मैच शाम 7 बजे शुरू होगा. टूर्नामेंट के सभी मैच श्रीलंका के दांबुला में खेले जाएंगे.

एशिया कप के शेड्यूल का ऐलान

एशिया कप में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है. ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान, यूएई और नेपाल है. वहीं ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हैं. एशिया कप का फाइनल 28 जुलाई को खेला जाएगा.

महिला एशिया कप में टीम इंडिया का दबदबा

महिला एशिया कप की बात करें तो इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का दबदबा रहा है. अबतक इस टूर्नामेंट के 8 सीजन खेले गए हैं जिसमें से 7 में टीम इंडिया ने बाजी मारी है. साल 2018 में बांग्लादेश ने एशिया कप जीता था. बांग्लादेश ने फाइनल में टीम इंडिया को 3 विकेट से हराया था. हालांकि 2022 में हुए एशिया कप में टीम इंडिया ने फिर खिताब पर कब्जा किया. भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराया था.

एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड टीम इंडिया की पूर्व कैप्टन मिताली राज के नाम हैं.

एशिया कप में उनके बल्ले से 588 रन निकले हैं. वही गेंदबाजी में टीम इंडिया की नीतू डेविड ने सबसे ज्यादा 26 विकेट हासिल किए हैं.

एशिया कप का शेड्यूल

19 जुलाई- यूएई बनाम नेपाल (दोपहर 2 बजे)
भारत-पाकिस्तान (शाम 7 बजे)
20 जुलाई- मलेशिया बनाम थाईलैंड (दोपहर 2 बजे)
श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (शाम 7 बजे)
21 जुलाई- भारत बनाम यूएई (दोपहर 2 बजे)
पाकिस्तान बनाम नेपाल (शाम 7 बजे)
22 जुलाई- श्रीलंका बनाम मलेशिया (दोपहर 2 बजे)
बांग्लादेश बनाम थाईलैंड (शाम 7 बजे)
23 जुलाई- पाकिस्तान बनाम यूएई (दोपहर 2 बजे)
भारत बनाम नेपाल (शाम 7 बजे)
24 जुलाई- बांग्लादेश बनाम मलेशिया (दोपहर 2 बजे)
श्रीलंका बनाम थाईलैंड (शाम 7 बजे)
26 जुलाई- सेमीफाइनल 1 (दोपहर 2 बजे)
सेमीफाइनल 2 (शाम 7 बजे)
28 जुलाई- फाइनल (शाम 7 बजे)

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं। उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी सुहास ने इस साल फरवरी में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को पछाड़कर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता था।

भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जारी बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन की नवीनतम विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुहास फ्रांस के दिग्गज लुकास माजुर को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय अर्जुन पुरस्कार विजेता सुहास को टोक्यो पैरालंपिक के एसएल-4 वर्ग के खिताबी मुकाबले में माजुर के खिलाफ हार के चलते रजत

पदक से संतोष करना पड़ा था।

सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं। सुहास ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंततः विश्व नंबर एक। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज घोषित नवीनतम बैडमिंटन विश्व महासंघ पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में पुरुष सिंगल्स वर्ग में मुझे जीवन में पहली बार विश्व नंबर एक रैंकिंग मिली है। मैंने लंबे समय से विश्व नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजुर की जगह ली। आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी सुहास ने इस साल फरवरी में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को पछाड़कर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता था।

पूर्व फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया ने किया राजनीति छोड़ने का ऐलान

गंगटोक, 26 जून (एजेंसियां)। महान भारतीय फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को सिक्किम विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में हार के बाद उन्होंने राजनीती छोड़ने का फैसला किया है। उन्हें रिक्शाल दोरजी भूटिया ने हराया था। :महान भारतीय फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने चुनावी राजनीती छोड़ने का फैसला किया है। इसको लेकर उन्होंने एक प्रेस बयान जारी किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा, 'मुझे 2024 के चुनाव परिणामों के बाद ये लगा है कि राजनीति मेरे लिए नहीं है और मैं राजनीति को छोड़ रहा हूं।

इस साल की शुरुआत में हमरो सिक्किम पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने अपनी पार्टी का विलय सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट में किया था। बाइचुंग भूटिया ने इस बार बारफुंग से चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें एसकेएम पार्टी के रिक्शाल दोरजी भूटिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अफसोस जताते हुए बाइचुंग भूटिया ने कहा, 'मुझे इस बात का अफसोस है कि मुझे लगता था कि मेरे पास खेल और पर्यटन को लेकर अच्छे विचार हैं। मुझे लगता था अगर मुझे मौका मिला तो मैं उन्हें लागू करना चाहूंगा। मैं राज्य के विकास में योगदान देना चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मुझे लगता है कि मेरे से बेहतर लोग हैं।' मुख्यमंत्री प्रेम सिंह गोले को 2024 सिक्किम विधानसभा चुनाव जीतने की बधाई देते हुए बाइचुंग भूटिया ने कहा कि उन्हें सिक्किम के लोगों ने शानदार जनादेश दिया है। मुझे उम्मीद है कि वो यहां के लोगों को किए गए वादों को पूरा करेंगे और राज्य में विकास करेंगे।

क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

मॉद्रिच टूर्नामेंट में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर

बर्लिन, 26 जून (एजेंसियां) । इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी । इससे पहले क्रोएशिया के लिये लुका मॉद्रिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था ।

इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत में जीत दर्ज करनी थी। क्रोएशिया के तीन मैचों में दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में नॉकआउट चरण में जगह बनाने के लिये उसे बाकी मैचों के नतीजों का इंतजार करना होगा। इटली का सामना अंतिम 16 में शनिवार को स्विटजरलैंड से बर्लिन में होगा।

लुका मॉद्रिच का रिकॉर्ड

संभवतः अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे क्रोएशिया के लुका मॉद्रिच ने इटली के खिलाफ गोल किया तो वह यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और उन्हें प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार भी मिला लेकिन वह इसका जश्न मनाने के मूड में नहीं थे । इटली के मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल कर दिया। इससे क्रोएशिया की नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है । अब उसे दूसरे मैचों के नतीजे पक्ष में आने की दुआ करनी होगी। 38 वर्ष 289 दिन के मॉद्रिच ने 55वें मिनट में रिबाउंड पर गोल दागा ।इससे पहले यह रिकॉर्ड आस्ट्रिया के इविका वास्टिक के नाम था जिन्होंने यूरो 2008 में पोलैंड के खिलाफ गोल किया तब वह 38 वर्ष 257 दिन के थे। क्रोएशिया के लिये 2006 में पदार्पण करने वाले मॉद्रिच 178 मैच खेल चुके हैं।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। गुरुवार से पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है।

भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालीफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा।

पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा।

तूर एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के दौरान पेरिस ओलंपिक का 21.50 मीटर का स्वतः क्वालिफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पाए। उन्होंने 19 जून 2023 को 21.77 मीटर की दूरी तय की लेकिन तब से वह 20 मीटर के दूरी को सिर्फ तीन बार पार कर पाए हैं। पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज में पेरिस ओलंपिक का स्वतः क्वालिफाइंग स्तर हासिल करने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अविनाश साबले अपनी पसंदीदा स्पर्धा की जगह 1500 मीटर स्पर्धा में हिस्सा ले रहे हैं।

विश्व कप से बाहर होकर बौखला गया पाकिस्तान

बेतुके बयान पर फैंस ने लगा दी क्लास

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की टीम विश्व कप के सुपर-8 में भी जगह नहीं बना पाई। जिसके बाद अब पाकिस्तान बौखला गया है, टीम के कप्तान ने भारत पर गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद फैंस ने इस पूर्व खिलाड़ी की जमकर क्लास लगाई है।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया धमाल मचा रही है। अब भारतीय टीम 27 जून को इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल मुकाबला खेलने वाली है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की टीम सुपर-8 में भी अपनी जगह नहीं बना पाई थी। लीग स्टेज में भारत और यूएसए से हारने के बाद ही पाकिस्तान की टीम विश्व कप से बाहर हो गई थी। जिसके बाद अब पाकिस्तान पूरी तरह से बौखला गया है। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर का बेतुका बयान सामने आया है।

पाकिस्तान की टीम विश्व कप से बाहर होकर स्वदेश लौट चुकी है। वहीं अब टीम इंडिया के गेंदबाजों को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक का एक बेतुका बयान सामने आया है। एक पाकिस्तानी टीवी चैनल पर बोलते हुए इंजमाम-उल-हक ने कहा कि अर्शदीप सिंह की गेंदें स्विंग कर रही थीं भारत की ओर से गेंद के साथ कुछ छेड़छाड़ की गई थी। ये बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने इंजमाम-उल-हक की जमकर क्लास लगानी शुरू कर दी। एक यूजर ने कमेंट करके लिखा हां, भारत ने निश्चित रूप से कुछ किया है और इसे प्रतिभा कहा जाता है।

भारतीय पर्वतारोहियों ने पीर पंजाल रेंज में गुप्त पर्वत को फतह किया

अब तक कोई नहीं हो सका था सफल

कोलकाता, 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय पर्वतारोहियों ने वो काम कर दिखाया जो अब तक इससे पहले कोई भी नहीं कर सका है। पश्चिम बंगाल के नौ पर्वतारोहियों की एक टीम ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले के पीर पंजाल रेंज में 5,988 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक चोटी गुप्त पर्वत को फतह किया। पर्वतारोहण टीम के क्लब ने यह जानकारी दी।

कोलकाता दक्षिण के बाहरी इलाके सोनारपुर में स्थित पर्वतारोहियों के क्लब सोनारपुर आरोही द्वारा संचालित तथा पर्वतारोही रूद्र प्रसाद हलदर के नेतृत्व में टीम लगभग आठ घंटे की चढ़ाई के बाद सुबह करीब 8.45 बजे गुप्त पर्वत की चोटी पर पहुंची। इस टीम में विश्व के सबसे युवा पर्वतारोही और प्रत्येक महाद्वीप की सात चोटियों तथा सात ज्वालामुखी चोटियों पर चढ़ने वाले भारत के पहले शख्स सत्यरूप सिद्धांत शामिल थे तथा इसमें एक महिला सदस्य दीपोश्री पॉल भी शामिल थीं। यह टीम तीन जून को कोलकाता से माउंट

शिकार बेह (6,200 मीटर) और गुप्त पर्वत की चोटी पर चढ़ने के दोहरे लक्ष्य के साथ रवाना हुई थी, लेकिन पता चला कि जब पर्वतारोही चोटी पर जाने के लिए रास्ता बनाने में सफल हो गए, तभी हिमस्खलन के कारण महत्वपूर्ण चढ़ाई उपकरण नष्ट हो गए, जिसके कारण उन्हें शिखर पर चढ़ने की उम्मीद छोड़नी पड़ी। इसके बाद टीम ने गुप्त पर्वत को फतह करने पर ध्यान केंद्रित किया।

पर्वतारोहियों ने बताया कि इस पर्वत का नाम इसकी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के कारण पड़ा है। यह चोटी हिमालय पर्वतमाला की अन्य चोटियों के बीच अदृश्य है, जिसके कारण इसकी तस्वीर लेना भी लगभग असंभव है। पर्वतारोहण सहायता दल के सदस्य दीपांजन दास ने बताया, टीम ने 5,285 मीटर की ऊंचाई पर शिविर स्थापित किया और पर्वत के पश्चिमी हिस्से के माध्यम से चोटी तक पहुंचने की योजना बनाई। पिछले तीन दिन से लगातार बर्फबारी के कारण पर्वतारोही चोटी तक पहुंचने के लिए समय का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने 25 जून को तड़के एक बजे शिखर पर चढ़ने की योजना बनाई।

सीएम रेवंत रेड्डी ने मांगा और समय

खनिज खदानों की नीलामी का मामला

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 11 खदानों की नीलामी 30 जून से पहले करने के केंद्र के अल्टीमेटम के बाद, राज्य सरकार कथित तौर पर खदानों की नीलामी के लिए केंद्र से और समय मांगने की योजना बना रही है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी केंद्र को पत्र लिखकर समयसीमा बढ़ाने और अधिसूचित खदानों को सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को आवंटित करने का अनुरोध करने की योजना बना रहे हैं। चूंकि तेलंगाना सरकार पिछले नौ वर्षों में किसी भी खनिज ब्लॉक की नीलामी करने में विफल रही है, इसलिए केंद्र ने राज्य से इस महीने के अंत तक कम से कम छह खदानों को बिक्री के लिए रखने को कहा है।

हाल ही में लिखे पत्र में केंद्रीय खान विभाग ने राज्य सरकार से राज्य में अधिसूचित 11 खदानों की नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि अगर राज्य सरकार 30 जून तक खदानों की नीलामी करने में विफल रही, तो वह खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 2015 की धारा 10बी और 11 के अनुसार कम से कम छह खदानों की नीलामी करेगी। इन ब्लॉकों में पांच लौह अयस्क खदानें, पांच चूना पत्थर ब्लॉक और एक मैंगनीज ब्लॉक शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, नीलामी के लिए ग्यारह ब्लॉकों की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तेलंगाना सरकार को सौंप दी गई है। ये 11 खदानें कथित तौर पर सूर्यपेट जिले के सैदुलानामा, सुल्तानपुर और पुसुपुलबोडु, खम्मम जिले के चिंतला थाडा और आदिलाबाद जिले के काम्पा जूनापानी चूना पत्थर खदानों में स्थित हैं।

वर्ष 2021 में खनन नियमों में किए गए संशोधन के अनुसार, यदि राज्य सरकार आपसी सहमति से तय अवधि के भीतर खदानों की नीलामी करने में विफल रहती है, तो केंद्र के पास खनिज ब्लॉकों को बिक्री के लिए रखने का अधिकार है।

दिल्ली में सरकार के विशेष प्रतिनिधि के रूप में जितेन्द्र ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद ए पी जितेन्द्र रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभाला। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सांसद मल्लू रवि, रघुरामी रेड्डी, बलराम नाइक और चमाला किरण कमर रेड्डी, विधायक विवेक, यन्नम श्रीनिवास रेड्डी, मालरेड्डी रंगा रेड्डी, कदियम श्रीहरि, पूर्व मंत्री जन रेड्डी और अन्य नेता मौजूद थे। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए जीतेंद्र रेड्डी ने दिल्ली में विशेष प्रतिनिधि के रूप में अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया और वादा किया कि वे तेलंगाना राज्य के विकास के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के कार्यान्वयन में ईमानदार नहीं है और दो तेलुगु राज्यों के बीच कृष्णा नदी जल बंटवारे के मुद्दे को हल करने में विफल रहने के लिए केंद्र की आलोचना की।

हरीश ने गुरुकुल शिक्षक अभ्यर्थियों के विरोध का किया समर्थन

की तत्काल समाधान की मांग

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने गुरुकुल शिक्षक पदों के लिए उम्मीदवारों द्वारा चल रहे विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। बीआरएस की ओर से उन्होंने उम्मीदवारों के मुद्दों का तत्काल समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक है कि मौजूदा कांग्रेस सरकार, लोगों के लिए होने के अपने दावों के बावजूद, गुरुकुल शिक्षक पदों के लिए संघर्ष करने वालों के संघर्ष के प्रति उदासीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों द्वारा मंत्रियों और अधिकारियों से बार-बार की गई अपील और यहां तक कि मुख्यमंत्री के आवास पर प्रदर्शन भी अनसुना कर दिया गया है।

हरीश राव ने एक बयान में कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्गों के बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली, मुफ्त आवासीय शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य के साथ कई गुरुकुल स्कूल स्थापित किए। शिक्षकों की कमी को दूर करने और शैक्षिक मानकों को बढ़ाने के लिए, पिछली सरकार ने तेलंगाना भर के गुरुकुल स्कूलों में 9,210 शिक्षक पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की।

हालांकि, पूर्व मंत्री ने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार ने इस पहल को गलत तरीके से प्रबंधित किया है। उन्होंने कहा कि नए प्रशासन ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जहां कुछ उम्मीदवारों को कई नौकरियों के प्रस्ताव मिल रहे हैं, जबकि 2,500 से अधिक शिक्षक पद खाली हैं। यह कुप्रबंधन कई योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के अवसरों से वंचित कर रहा है।

हरीश राव ने मांग की कि सट्टे सरकार तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार इन रिक्त पदों को शीघ्र भरने का काम करे। उन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि सरकार न्यायालय के फैसले का पालन करे और यह सुनिश्चित करे कि ये शिक्षक पद खाली न रहें। उम्मीदवारों को न्याय प्रदान करना और बेरोजगारी की समस्या का समाधान करना आवश्यक है।

प्रदेश अध्यक्ष पद पर सार्वजनिक बयानबाजी को लेकर राज्य नेताओं को फटकार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेतृत्व ने कथित तौर पर तेलंगाना भाजपा राज्य इकाई के नेताओं को नए पार्टी राज्य इकाई प्रमुख के चयन पर अपने विचार सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के लिए फटकार लगाई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के तेलंगाना प्रभारी तरुण चुग ने कथित तौर पर पार्टी नेताओं द्वारा नए पार्टी राज्य प्रमुख के चयन के संबंध में सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने पर नाराजगी व्यक्त की। कहा जाता है कि उन्होंने तेलंगाना भाजपा के संगठन सचिव चंद्रशेखर तिवारी को फोन किया और उनसे पार्टी में अंदरूनी कलह को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा। हाल ही में मलकाजगिरी के सांसद ईटाला राजेंद्र, जिन्हें पार्टी प्रमुख पद के लिए सबसे आगे देखा जा रहा है, ने तर्क दिया कि पार्टी अध्यक्ष का पद ऐसे व्यक्ति को दिया जाना चाहिए जो सभी को साथ लेकर चल सके, चाहे वह नया सदस्य हो या वरिष्ठ नेता।

पार्टी के पुराने और नए नेता अलग-अलग उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं।

इस बीच, महबूबनगर से सांसद डीके अरुणा और निजामाबाद से सांसद धर्मपुरी अरविंद, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह पाने में विफल रहे, भी पार्टी अध्यक्ष पद के लिए पैरवी कर रहे हैं। यहां तक कि मेदक से सांसद एम रघुनंदन राव भी इस पद पर कब्जा करने के इच्छुक हैं।

पार्टी आलाकमान एक ऐसे नेता को चाहता है जिसकी छवि साफ हो और जो अगले विधानसभा चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में जोश भर सके। दरअसल, भाजपा ने वादा किया है कि अगर वह विधानसभा चुनाव जीतती है तो पिछड़े समुदाय से किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी। देखना यह है कि पार्टी इस पद के लिए किसी नए व्यक्ति या वरिष्ठ नेता को चुनती है या नहीं।

राज्य सरकार ने नए छात्रावासों को दी मंजूरी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया और गांधी मेडिकल कॉलेजों के छात्रों को जल्द ही नई आवास सुविधाएं मिलेंगी क्योंकि राज्य सरकार ने बुधवार को अपने-अपने परिसरों में महिलाओं और पुरुषों के लिए छात्रावासों के निर्माण के लिए प्रशासनिक मंजूरी जारी कर दी है। स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज (ओएमसी) कोटि में महिला और पुरुष छात्रावास के निर्माण के लिए क्रमशः 80 करोड़ रुपये और 35 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। इसी तरह ओएमसी में डेंटल अस्पताल बनेगा जिसके लिए 6 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। ओएमसी में सीसी रोड बिछाने के अलावा लड़कों के छात्रावास में मरम्मत और नवीनीकरण का काम भी किया जाएगा। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), सिकंदराबाद में महिलाओं और पुरुषों के लिए एक-एक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत क्रमशः 42 करोड़ रुपये और 23 करोड़ रुपये होगी।

जीएमसी में 14.50 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से सीनियर रेजिडेंट ब्लॉक छात्रावास का निर्माण भी किया जाएगा। काकतीय मेडिकल कॉलेज, हनुमानकोंडा में सरकार ने 2.75 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सीमेंट कंक्रीट सड़कें बिछाने को मंजूरी दी है। कुल मिलाकर, इन तीनों मेडिकल कॉलेजों में सिविल कार्यों के लिए सरकार द्वारा 204.86 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को आवश्यक आगे की कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

चेवेल्ला पुलिस ने बचाई युवक की जान

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला पुलिस की समय पर कार्रवाई से एक व्यक्ति को बचाया गया जो अपनी जान लेने की कोशिश कर रहा था। 22 वर्षीय यह व्यक्ति सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। किसी बात पर उसके पिता ने उसे डांट दिया, जिससे वह नाराज हो गया। उस व्यक्ति ने कीटनाशक खरीदा और उसे पी लिया। ऐसा करते हुए उसने एक वीडियो बनाया और उसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट कर दिया। उसके पिता ने वीडियो देखकर तुरंत चेवेल्ला पुलिस से संपर्क किया, जिन्होंने उसके मोबाइल फोन की लोकेशन की मदद से उस व्यक्ति का पता लगाया। एक अधिकारी ने बताया कि उस व्यक्ति को गांव के बाहरी इलाके में एक पेड़ के नीचे पड़ा हुआ पाया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, वह आंशिक रूप से ठीक हो गया और उसे निगरानी में रखा गया है। उच्चाधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम की सराहना की।

बड़े पैमाने पर ट्रेनों को रद्द करने, मार्ग बदलने की घोषणा

दक्षिण मध्य रेलवे की घोषणा से यात्रियों को उठानी पड़ेगी परेशानी

ट्रेनें कम से कम 1 दिन से लेकर अधिकतम 11 दिनों तक रहेंगी रद्द

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत काजीपेट-बल्हारशाह खंड में बुधवार से ट्रेनों की आवाजाही में भारी व्यवधान होने जा रहा है।

एससीआर डिवीजनल मैनेजर की ओर से जारी बयान के अनुसार, आसिफाबाद-रेचनी रोड स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन के निर्माण के कारण अलग-अलग दिनों में कुल %8 ट्रेनें रद्द की गईं। 26 एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया जाएगा। ट्रेनें कम से कम एक दिन से लेकर अधिकतम 11 दिनों तक रद्द रहेंगी।

रद्द ट्रेनें:

सिकंदराबाद-सिरपुर कागजनगर के बीच चलने वाली कागजनगर एक्सप्रेस ट्रेन (संख्या 12757/12758) 26 जून से 6 जुलाई तक रद्द कर दी गई है। पुणे-काजीपेट एक्सप्रेस (संख्या 22151) 28 जून और 5 जुलाई को, काजीपेट-पुणे एक्सप्रेस (संख्या 22152) 30 जून और 7 जुलाई को, हैदराबाद-गोरखपुर (संख्या 02575) 28 जून को, गोरखपुर-हैदराबाद (संख्या 02576) एक्सप्रेस 30 जुलाई को रद्द कर दी गई।

मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद (संख्या 05293) 2 जुलाई को, सिकंदराबाद-मुजफ्फरपुर (संख्या 05294) 27 जुलाई को, गोरखपुर जादचेरला (संख्या 05303) ट्रेन 29 जून को, जादचेरला-गोरखपुर (संख्या 05304) ट्रेनें 1 जुलाई को रद्द रहेंगी।

26, 27 और 28 जून को सिकंदराबाद-रक्सौल के बीच चलने वाली तीन अलग-अलग ट्रेनें, 27, 28, 29 जून और 1 जुलाई को सिकंदराबाद-दानापुर के बीच चलने वाली छह अलग-अलग ट्रेनें, 27 और 29 जून को सिकंदराबाद-सूबेदारगंज के बीच चलने वाली ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

पुनर्निर्देशन:

सिकंदराबाद-नई दिल्ली (सं. 12723) तेलंगाना एक्सप्रेस वाया काजीपेट 4, 5 और 6 जुलाई को निजामाबाद और मुदखेड़ के रास्ते चलेगी। काजीपेट, रामागुंडम, मंचिरयाला और बेल्लमपल्ली स्टेशनों को मार्ग से हटा दिया गया है। नई दिल्ली-सिकंदराबाद (सं. 12724) तेलंगाना एक्सप्रेस वाया काजीपेट 3, 4 और 5 जुलाई को मुदखेड़, निजामाबाद के रास्ते चलेगी। बेल्लमपल्ली, मंचिरयाला, रामागुंडम और काजीपेट स्टेशनों को मार्ग से हटा दिया गया है।

सिकंदराबाद-निजामुद्दीन (दिल्ली) और निजामुद्दीन-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेनें (संख्या 12285/12286) 4 और 5 जुलाई को निजामाबाद के रास्ते चलाई जाएंगी।

अभ्यर्थियों ने सीएम के आवास पर घुटने टेककर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आवासीय शिक्षण संस्थानों में सभी शिक्षक पदों को भरने में देरी से परेशान शिक्षक बनने के इच्छुक उम्मीदवार एक बार फिर सड़क पर उतर आए हैं और बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आवास पर घुटने टेककर विरोध प्रदर्शन किया। उम्मीदवारों ने घुटनों के बल बैठकर मुख्यमंत्री से नौकरी देने की गुहार लगाई। यह एक पखवाड़े में अभ्यर्थियों द्वारा किया गया दूसरा ऐसा विरोध प्रदर्शन है, जिसमें कांग्रेस सरकार से बिना किसी बैकलॉग रिक्तियों के सभी 9,210 शिक्षक पदों को भरने की मांग की गई है।

शिक्षक पद की चाह रखने वाले अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेशों के क्रियान्वयन की भी मांग की, जिसमें सरकार से डिग्री लेक्चरर, जूनियर लेक्चरर, स्नातकोत्तर शिक्षक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और भौतिक निदेशक के पदों पर गैर-ज्वाइनिंग, फॉलआउट या त्याग किए गए पदों पर मेधावी उम्मीदवारों पर विचार करने को कहा गया था। उन्होंने रिक्तियों के लिए पात्र अगले उम्मीदवारों के साथ तत्काल एक मेरिट सूची जारी करने की मांग की।

एक महिला उम्मीदवार ने मीडिया से कहा कि हम पिछले पांच महीनों से नौकरी का इंतज़ार कर रहे हैं। हम मुफ़्त नौकरी की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम चाहते हैं कि डाउन मेरिट लिस्ट जारी की जाए और सभी पदों को भरा जाए। जब तक डाउन मेरिट लिस्ट जारी नहीं हो जाती, हम यहीं बैठे रहेंगे। सरकार को तुरंत जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस विद्रोह: एमएलसी जीवन रेड्डी को नई दिल्ली बुलाया गया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा जगतियाल बीआरएस विधायक एम संजय कुमार को पार्टी में शामिल करने से एमएलसी टी जीवन रेड्डी नाराज हैं, कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें मनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्हें तत्काल बैठक के लिए दिल्ली बुलाया गया है। सरकार के सचेतक अदलुरी लक्ष्मण कुमार को जीवन रेड्डी को दिल्ली ले जाने का काम सौंपा गया है। सूत्रों ने बताया कि उन्हें हैदराबाद से विमान से लाने की व्यवस्था की गई है। पार्टी सूत्रों ने जीवन रेड्डी को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया है, जिसका जल्द ही विस्तार होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 40 सदस्यीय परिषद में सत्तारूढ़ कांग्रेस के केवल चार एमएलसी हैं और उनमें से कोई भी मंत्रिमंडल में नहीं है।

जीवन रेड्डी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और बीआरएस विधायक संजय कुमार को बिना उनकी जानकारी के कांग्रेस में शामिल करने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने घोषणा की कि वह एमएलसी पद से इस्तीफा दे देंगे क्योंकि पार्टी में करीब 40 साल काम करने के बाद वह अपमानित महसूस कर रहे हैं। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें मनाने के लिए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू और अन्य को लगाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपा दासमुंशी ने भी जीवन रेड्डी से फोन पर बात की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। उन्होंने कथित तौर पर विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी से मिलने का समय मांगा है, संभवतः अपना इस्तीफा देने के लिए। हालांकि उन्होंने शुरू में कांग्रेस पार्टी से भी इस्तीफा देने का संकेत दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने मीडिया के सामने खुलासा किया कि वह पार्टी में बने रहेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार पर कांग्रेस की अहम बैठक दिल्ली में

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस आलाकमान बुधवार को दिल्ली में लंबे समय से प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार और अन्य मुद्दों पर एक महत्वपूर्ण बैठक कर सकता है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कई अन्य मंत्री पहले से ही दिल्ली में हैं, वहीं उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी भी मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। भट्टी विक्रमार्क का दौरा एमएलसी टी जीवन रेड्डी के साथ चर्चा के बाद महत्वपूर्ण हो गया है, जिन्होंने पार्टी और पद छोड़ने की अपनी योजना का खुलासा किया, रेवंत रेड्डी द्वारा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और जगतियाल विधायक एम संजय कुमार को पार्टी में शामिल करने के फैसले से नाराज हैं। पार्टी नेतृत्व द्वारा अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों को दलबदल के लिए प्रोत्साहित करने के मुख्यमंत्री के एकतरफा फैसलों के बारे में भी चर्चा किए जाने की संभावना है, जिसकी विभिन्न हलकों से आलोचना हो रही है।

मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, डी. सीथक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव पहले से ही दिल्ली में हैं। विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, मालरेड्डी रंगा रेड्डी, एमएलसी महेश कुमार गौड़ और अन्य सहित कई उम्मीदवार भी मंत्री पद के लिए विचार करने के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। पिछले साल 7 दिसंबर को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद से रेवंत रेड्डी ने मंत्रिमंडल को 11 सदस्यों तक सीमित कर दिया था, जबकि गृह, शिक्षा और नगर प्रशासन जैसे प्रमुख विभाग मुख्यमंत्री के नियंत्रण में ही रहे। छह और मंत्रियों को नियुक्त करने की संभावना के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सतर्क रुख अपनाया।

आम चुनाव संपन्न होने के बाद अब सारा ध्यान शासन पर केंद्रित हो गया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि मंत्रिस्तरीय नियुक्तियों और आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों पर निर्णय लगभग पूरे होने वाले हैं। छह नए मंत्रियों के नाम की उम्मीद है, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उनमें से दो रेड्डी समुदाय से, दो बीसी समुदाय से, एक लम्बाडी समुदाय से और एक अल्पसंख्यक समुदाय से हो सकता है। बोधन विधायक पी सुदर्शन रेड्डी कथित तौर पर महत्वपूर्ण गृह विभाग के लिए सबसे आगे चल रहे हैं।

अन्य मंत्री पद के उम्मीदवारों में इब्राहिमपट्टनम विधायक मालरेड्डी रंगा रेड्डी, परिगी विधायक राममोहन रेड्डी और मुनुगोडु विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी शामिल हैं। इन चार रेड्डी नेताओं में से दो को कैबिनेट में जगह मिलने की संभावना है। इसके अलावा, मकतल विधायक वाकाटी श्रीहरि मुदिराज और अलेरू विधायक बीरला इलैया भी कैबिनेट में जगह पाने के दावेदार हैं। एमएलसी महेश कुमार गौड़ और देवरकोंडा विधायक बालू नाइक के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने कैबिनेट में एक और महिला मंत्री को शामिल किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

'कर्रा सामू' से बच्चों को सशक्त बना रहे स्वर्ण-शेख

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बच्चों के लिए 'कर्रा सामू' एक नया शौक बन गया है, जिसका श्रेय तगुल्ला स्वर्ण यादव और शेख अब्दुल कादर के समर्पित प्रयासों को जाता है। इस जोड़ी ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पारंपरिक द्रविड़ खेल को लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। एक किसान परिवार में चुनौतीपूर्ण परवरिश पाने वाली स्वर्णा यादव तेलंगाना के नागरकुरनूल की एक भावुक लोक गायिका हैं। अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए जीवन में कई संघर्षों को झेलने के बाद, स्वर्णा ने अपने शुरुआती दिनों में आत्मरक्षा की कला सीखने का फैसला किया।

तमिलनाडु में कर्रा सामू में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, स्वर्णा ने 2022 में यूसुफगुडा में स्वर्ण कला अकादमी की स्थापना की। संस्कृति विभाग के निदेशक ममीदी हरिकृष्णा के सहयोग से, अकादमी कर्रा सामू और अन्य पारंपरिक कलाओं में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करती है। स्वर्णा ने कहा कि हर लड़के और लड़की को आत्मरक्षा सीखनी चाहिए। अकादमी की शुरुआत इस उद्देश्य से की गई थी कि हमने जो शिक्षा सीखी है, वह हमारे साथ ही न रुके। अभिनय के प्रति कैडर के जुनून ने उन्हें अभिनय में अपना करियर बनाने के लिए हैदराबाद ले आया। स्वर्णा से उनका परिचय और कर्रा सामू में उनकी साझा रुचि ने इस प्राचीन कला रूप को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक साझेदारी को जन्म दिया।

कादर ने बताया कि हम शहर के विभिन्न स्कूलों में जाते हैं और सुबह और शाम के समय स्कूल के मैदान में आस-पास के बच्चों को प्रशिक्षण देते हैं। कक्षाएं निःशुल्क हैं और प्रत्येक बैच 45 दिनों तक चलता है।

ओजीएच जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जारी

अन्य ने अस्थायी रूप से किया स्थगित

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) की सभी इकाइयों ने बुधवार को अस्थायी रूप से अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया है, वहीं उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के चिकित्सकों ने बाह्य रोगी, वैकल्पिक सर्जरी और आंतरिक रोगी वार्ड सेवाओं सहित चिकित्सा सेवाओं का बहिष्कार जारी रखने का निर्णय लिया है।

ओजीएच की टीजेयूडीए इकाई ने तब तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है जब तक राज्य सरकार मौजूदा अस्पताल परिसर के भीतर नए ओजीएच भवन के निर्माण के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाती।

टीजेयूडीए हड़ताल नोटिस में एक महत्वपूर्ण मांग थी कि एक नए ओजीएच भवन का निर्माण किया जाए। हालांकि, अब तक राज्य सरकार पुराने ओजीएच भवन के लिए ठोस समाधान प्रस्तावित नहीं कर पाई है, जो पिछले 15 वर्षों से सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है।

इस बीच, टी.जे.यू.डी.ए. की शेष इकाइयों द्वारा हड़ताल को अस्थायी रूप से समाप्त करने के बाद, बुधवार की सुबह गांधी अस्पताल सहित अन्य शिक्षण अस्पतालों में सामान्य चिकित्सा सेवाएं बहाल कर दी गईं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.